Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

खेल

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे, रोहित शर्मा 121 और विराट कोहली 74 पर रहे नाबाद

देश

सीडी कांड : हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह की मुश्किलें बढ़ीं

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, मूल, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • रविवार • 26 अक्टूबर 2025 • वर्ष 27 • अंक 315 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 11,51,500	₹ 1,55,000

आज का इतिहास

1775 : भारत में मुगलों के अंतिम सम्राट बहादुरशाह जफर का जन्म हुआ।

1962 : भारत पर चीन के हमले के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति ने पहली बार आपातकाल की घोषणा की।

न्यूज बाइट्स

विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। नयी दिल्ली 25 अक्टूबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। श्री मोदी ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि 'नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नालंदा में आयोजित जनसभा को किया संबोधित, कहा

बिहार में कई कल-कारखाने एवं एग्रो प्रोसेसिंग उद्योग किए जाएंगे स्थापित

निज संवाददाता | नालंदा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार, 25 अक्टूबर को नालंदा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में एनडीए सरकार के विकास और कानून व्यवस्था के प्रयासों का बखान किया। उन्होंने कहा कि बिहार में एआई और डेटा के नए युग की शुरुआत हो रही है और राज्य में कई कल-कारखाने, एग्रो प्रोसेसिंग उद्योग और अन्य प्रकार के उद्योग स्थापित किए जाएंगे।

सभा के दौरान अमित शाह का माइक तकनीकी समस्या के कारण बंद हो गया। उन्होंने तुरंत दूसरे माइक तक पहुँचकर भाषण जारी रखा और कहा कि नालंदा के लोगों और उनके बीच किसी भी तकनीकी बाधा को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। अमित शाह ने लालू-राबड़ी शासनकाल की तुलना नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से करते हुए कहा कि पहले बिहार में कानून व्यवस्था इतनी खराब थी कि चुनाव छह चरणों में कराने पड़ते थे। उन्होंने कहा, 'नीतीश बाबू के शासन में चुनाव अब दो चरणों में हो रहे हैं और भविष्य में एक ही चरण में हो सकता है। पिछले 20 सालों में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है और बिहार नक्सलवाद से मुक्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि लालू के राज में उद्योग बंद थे और सिर्फ डकैती, अपहरण जैसे अपराध फलते-फूलते थे। एनडीए के शासन में बिहार नक्सलवाद से मुक्त हुआ और कानून व्यवस्था मजबूत हुई। इस बार बिहार के गया और औरंगाबाद में मतदान शाम 5 बजे तक रहेगा। अमित शाह ने खगड़िया और मुंगेर में भी एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'यह चुनाव केवल विधायक या मुख्यमंत्री चुनने का नहीं है, बल्कि यह फैसला है कि बिहार में फिर से जंगलराज लाना है या विकास चाहिए।' उन्होंने महागठबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार और घोटाले हुए, जबकि एनडीए सरकार बिहार का विकास सुनिश्चित कर सकती है। तेजस्वी यादव के बयान पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। तेजस्वी को अपने पिता के शासनकाल का उदाहरण देखना चाहिए। हमारे शासन में बिहार में एक भी जघन्य नरसंहार नहीं हुआ, जबकि उनके समय हत्या, लूट और डकैती आम थी।

अगली बार एनडीए सत्ता में आई तो चुनाव एक ही चरण में होंगे

उन्होंने कहा कि बिहार में अनेक बड़े कारखाने और एग्रो प्रोसेसिंग इंडस्ट्री हम लगाएंगे, जो किसानों की आय भी बढ़ाएगी और औद्योगिक विकास भी होगा। अमित शाह ने आगे कहा कि इस बार बिहार में 2 चरण में चुनाव होने वाले हैं। लालू और राबड़ी के जमाने में यहां कानून-व्यवस्था इतनी गिर गई थी कि चुनाव 6-6 चरण में कराने पड़ते थे। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश के शासन में 6 चरण की जगह 2 चरण में चुनाव हो रहे हैं। इस बार फिर एनडीए सरकार बना दो, अगली बार एक ही चरण में चुनाव होगा।

परिवारवाद पर अमित शाह ने साधा निशाना

अमित शाह ने कहा कि अभी-अभी पीएम मोदी और सीएम नीतीश ने बिहार की 1.21 करोड़ जीविका दीदी के खातों में 10-10 हजार रुपए एक ही बटन दबाकर ट्रांसफर करने का काम किया है। सभी के लिए 125 यूनिट बिजली फ्री की। युवाओं को ग्रेजुएट होने के बाद 2 वर्ष तक 1 हजार रुपए भत्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि विधवा पेंशन 400 से बढ़ाकर 1100 किया, बुढ़ापे का पेंशन 400 से बढ़ाकर 1100 किया, आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7 हजार से बढ़ाकर 9 हजार किया और ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय भी डबल कर दिया गया है। अमित शाह ने आगे कहा कि लालू अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। जो परिवार की राजनीति करते हैं, वे अपने बेटे-बेटियों के लिए सरकार चलाते हैं।

गंगा जल लेने और घाट की सफाई के दौरान सात जिलों में बड़ा हादसा

डूबने से 11 लोगों की हुई मौत

• पटना के खुसरूपुर में एक ही परिवार के तीन युवक गंगा में डूबे।

निज सं. | पटना/वैशाली /जमुई/ बांका/ बेगुसराय/ सीतामढ़ी/ कैमूर

चार दिवसीय छठ महापर्व के पहले दिन शनिवार, 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के दौरान बिहार के सात शहरों में 11 लोगों की डूबने से मौत हो गई। पटना, वैशाली, जमुई, बांका, बेगूसराय, सीतामढ़ी और कैमूर में हादसे की खबरें सामने आई हैं। पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के बैंकटपुर गोलिंदपुर घाट पर एक परिवार के तीन युवक गंगा नदी में डूब गए। इनमें दो भाई और एक भतीजा शामिल थे। तीनों घाट पर छठ पूजा की तैयारी में गंगाजल लेने गए थे। पैर फिसलने से एक युवक गहरे पानी में चला गया और उसे बचाने के चक्कर में दो और गहरे भंवर में समा गए। मृतकों की पहचान सौरव कुमार (22), सोनू कुमार (22) और गुड्डू कुमार (19) के रूप में हुई। वैशाली के देशरी थाना क्षेत्र के सुलतानपुर गांव में नाबालिग रणवीर पासवान अपने छोटे भाई के साथ स्नान के लिए गंगा नदी में उतरे। अचानक बहाव तेज होने के कारण दोनों पानी में बह गए। पास में मौजूद लोगों ने छोटे भाई को बचा लिया, लेकिन रणवीर गहरे पानी में समा गए। जमुई के बटीया थाना क्षेत्र में छठ घाट की सफाई के दौरान तीन युवक नहाने के लिए नदी में उतरे। नहाते समय वह गहरे पानी में चले गए और तैरना न आने के कारण दो युवक डूब गए, जबकि तीसरे को बचा लिया गया। मृतकों की पहचान चिन दास (18) और सतीश कुमार के रूप में हुई।

बांका जिले के अमरपुर थाना इलाके की विशनपुर पंचायत में चार नाबालिग नदी में डूब गए। हादसे में पीयुष कुमार (16) की मौत हो गई, जबकि बाकी तीन को बचा लिया गया।

बेगूसराय के बलिया थाना क्षेत्र के शिवनगर दियारा में 27 वर्षीय मुकेश कुमार गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मुकेश कुमार अपने पिता उमेश राम के इकलौते बेटे थे और हाल ही में अपने ससुराल आए थे।

सीतामढ़ी के सुप्पी प्रखंड के अख्ता घाट पर बागमती नदी में पांच लोग गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों और मछुआरों की मदद से दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, दो शव बरामद हुए, जबकि एक व्यक्ति की तलाश जारी है।

कैमूर जिले में एक 10 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गयी। हादसों की वजह तेज बहाव और गहरे पानी के कारण घाटों पर सावधानी न बरतना बताया जा रहा है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और घाटों पर सतर्क रहने की अपील की है।

इस दौरान स्थानीय पुलिस, गोताखोर और ग्रामीणों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए और परिजनों को सौंप दिए गए।

चश्मदीद ने कहा- मेरे सामने तीनों नदी में डूब गए

तीनों के साथ घाट पर मौजूद मितरंजन ने बताया, 'हम सब छठ को लेकर घाट बनाने के लिए हल्के पानी में ही उतरे थे। तभी मेरे दोस्त सोनू का पैर चिकनी मिट्टी से फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। हम सभी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन जब मैं किसी तरह बाहर निकला तो देखा कि सोनू डूब चुका था। उसे देखने के लिए हमारे दो और भाई सौरव और गुड्डू गए, लेकिन वो भी उसी गहरे भंवर में समा गए। पास में लगी नाव को हम लोगों ने तुरंत बुलाया और अपने स्तर से खोजबीन शुरू की। उसके बाद इसकी सूचना खुसरूपुर थाने को दी गई।

छठ पूजा के लिए सुधा डेयरी की तैयारी पूरी

तीन लाख लीटर दूध और 50 टन घी की बिक्री का लक्ष्य

निज संवाददाता | गया

लोक आस्था और श्रद्धा का महापर्व छठ पूजा को लेकर गया (सुधा) डेयरी ने इस बार मगध प्रमंडल के जिलों में बड़े पैमाने पर दूध और घी की बिक्री का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस वर्ष कंपनी ने तीन लाख लीटर दूध और 50 टन घी की बिक्री का लक्ष्य रखा है। बढ़ती मांग और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए डेयरी ने पहले से ही उत्पादन और वितरण की पूरी तैयारी कर ली है। गया डेयरी के प्रबंध निदेशक हेमेंद्र कुमार ने बताया कि छठ पर्व बिहार की आस्था और परंपरा का सबसे बड़ा उत्सव है।

इस दौरान शुद्धता और पवित्रता सर्वोपरि होती है। ऐसे में डेयरी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह लोगों तक शुद्ध, ताजा और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाए। इसके लिए सभी संयंत्रों में विशेष शिफ्ट लगाई गई है और उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया है। हेमेंद्र कुमार ने कहा कि मगध प्रमंडल के सभी जिलों — गया, औरंगाबाद, नवादा, अरवल एवं जहानाबाद में दूध और घी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परिवहन और वितरण नेटवर्क को और सुदृढ़ किया गया है। विभिन्न खुदरा विक्रेताओं और एजेंटों को अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि किसी भी क्षेत्र में आपूर्ति की कमी न हो। इसके अलावा, देव के प्रसिद्ध छठ मेले में सुधा डेयरी की ओर से चार विशेष काउंटर लगाए जाएंगे, जहाँ श्रद्धालुओं के लिए घी और दूध उचित दरों पर उपलब्ध रहेगा। प्रबंध निदेशक ने कहा कि सुधा का उद्देश्य केवल उत्पाद बेचना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के पर्व को सहज, सुगम और पवित्र बनाना है। उन्होंने बताया कि सुधा डेयरी बिहारवासियों की अपनी ब्रांड है और हर पर्व-त्योहार में लोगों का विश्वास ही इसकी सबसे बड़ी पूंजी है। छठ पर्व के अवसर पर डेयरी पूरी निष्ठा के साथ यह सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालुओं को शुद्ध घी और दूध की कमी न हो।

नहाय-खाय के साथ चार दिन का छठ महापर्व शुरू, खरना आज

निज संवाददाता | पटना

चार दिवसीय छठ महापर्व शनिवार को अनुराधा नक्षत्र और शोभन योग में नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। पहले दिन व्रती गंगा नदी में स्नान के बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर नहाय-खाय प्रसाद बनाते हैं। अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी आदि को भगवान का भोग लगाकर उसे ग्रहण करते हैं। छठ पूजा का दूसरा दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। व्रत के दूसरे दिन रविवार की शाम में ज्येष्ठा और मूल नक्षत्र में गुड़ से बने खीर, रोटी, केला आदि खरना प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। खरना प्रसाद ग्रहण करते समय गौ का भाग (ग्रास) निकाल कर व्रती चार दिवसीय अनुष्ठान के लिए गाय को भी साक्षी बनाएंगे। व्रती 36 घंटे के निर्जला उपवास की शुरुआत करेंगे। साल 2025 में खरना का दिन 26 अक्तूबर यानी कल पड़ेगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 29 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 41 मिनट पर। खरना पूजा और प्रसाद अर्पण शाम 5:41 के बाद कर सकते हैं। खरना का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 41 मिनट से शाम 6 बजकर 6 मिनट तक रहेगा। मान्यता है कि खरना के दिन व्रती की भक्ति से प्रसन्न होकर सूर्य देव और छठी मैया उनके परिवार को सुख, समृद्धि और आरोग्य का आशीर्वाद देते हैं।

ज्योतिषाचार्य पीके युग बताते है कि डूबते और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते समय सूर्य मंत्र का जाप बेहद प्रभावी होता है। श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते समय 'ॐ घृणि सूर्याय नमः', गायत्री मंत्र या आदित्य हृदय स्रोत का पाठ करना शुभकर होता है।ज्योतिषी अवध बिहारी त्रिपाठी बताते हैं कि मार्कंडय पुराण व बाल्मिकी रामायण के अनुसार सूर्यदेव, छठी मइया के भाई है।

प्रधानमंत्री ने छठ महापर्व को लेकर देशवासियों को दी शुभकामनाएं, कहा

छठ महापर्व सामाजिक सद्भाव और संयम का प्रतीक : पीएम

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और इसे सामाजिक सद्भाव तथा प्रकृति प्रेम का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सादगी और संयम से जुड़ा यह पर्व भारतीय संस्कृति की आत्मा को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन। उन्होंने कहा कि छठ का यह उत्सव पारिवारिक बंधन और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। मोदी ने कहा कि छठ पर्व केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों द्वारा संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। मेरी कामना है कि छठी मइया सबको भरपूर आशीर्वाद दें और सबके जीवन में सुख-समृद्धि लाएं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का अनूठा संगम है। इसमें अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो जीवन और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के गीतों में भक्ति और प्रकृति के अद्भुत भाव समाहित हैं।

मोदी ने यह भी बताया कि शुक्रवार को बेगूसराय में उनका दौरा हुआ था, जहां बिहार की लोकगायिका शारदा सिन्हा से जुड़ी लोक परंपराओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शारदा सिन्हा जी और बिहार के अनेक लोक कलाकारों ने अपने गीतों से छठ को नई ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट के साथ छठी मइया के कुछ गीत साझा किए और कहा कि "इन गीतों को सुनकर हर कोई भक्ति भाव में डूब जाता है।

छठ के बाद 30 अक्तूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में करेंगे जनसभा को संबोधित

निज सं. | मुजफ्फरपुर/छपरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 अक्टूबर को छठ पूजा के ठीक बाद बिहार दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष हरि मोहन चौधरी ने बताया कि पीएम मोदी सबसे पहले मुजफ्फरपुर के मोतीपुर स्थित चीनी मिल मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे छपरा में भी सभा में शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने भी इसकी पुष्टि की और कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा भाजपा के चुनावी अभियान के हिस्से के रूप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर के बाद नवंबर माह में प्रधानमंत्री के कई और कार्यक्रम बिहार में आयोजित किए जाएंगे।

जिला पदाधिकारी ने छठ पूजा की तैयारियों का लिया जायजा, मिर्जापुर सूर्य मंदिर छठ घाट का किया निरीक्षण

निज संवाददाता। नवादा

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर तैयारियों का जायजा लेने हेतु जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने नवादा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मिर्जापुर सूर्य मंदिर छठ घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी छठव्रतियों के लिए साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और चेंजिंग रूम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने नगर परिषद एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी छठ घाटों पर स्थापित हाईमास्ट लाइट एवं स्ट्रीट लाइटों का सर्वेक्षण कर उन्हें चालू अवस्था में रखा जाए, जिससे संध्या अर्घ्य और प्रातः अर्घ्य के समय श्रद्धालुओं को पर्याप्त रोशनी मिल सके। जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि दो मेडिकल टीम जीवन रक्षक दवाओं के साथ नर्स एवं डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरा एवं नियंत्रण कक्ष संचालित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को मतदाता जागरूकता से संबंधित कुछ पेंटिंग्स एवं फ्लेक्स लगाने का निर्देश दिया।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि विभिन्न माध्यमों से यह सूचना प्राप्त हुई है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा लोहा, स्टील एवं पी०वी०सी० पाइप में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि वाले अवैध पटाखे, जिन्हें कार्बाईड गन कहा जाता है, का निर्माण एवं बिक्री की जा रही है। इस प्रकार के पटाखे न केवल अवैध हैं, बल्कि अत्यंत खतरनाक भी हैं। ऐसे पटाखे वातावरण में ध्वनि एवं वायु प्रदूषण फैलाकर पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान सुरक्षा एवं भीड़-प्रबंधन की दृष्टि से सभी छठ घाटों पर कार्बाईड गन सहित अन्य प्रकार के

पटाखों की बिक्री एवं उपयोग को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे खतरनाक पटाखों का उपयोग न करें और बच्चों को भी इसके प्रति सावधान करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि छठ घाट परिसर में किसी भी प्रकार के दोपहिया या चारपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। वाहनों की पार्किंग निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही की जाएगी तथा घाट तक आने-जाने की व्यवस्था पैदल ही सुनिश्चित की जाएगी।

छठ महापर्व के अवसर पर दूर-दूर से छठव्रती माताएं सपरिवार एवं श्रद्धालुगण सूर्य मंदिर/तालाब/नदी आकर अर्घ्य देती हैं। उक्त अवसर पर छठ घाटों पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण हेतु दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा छठ पर्व के अवसर पर स्वच्छता, प्रकाश, सुरक्षा और सुविधा के समुचित प्रबंधन के लिए सभी पदाधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जिले में यह पर्व शांति, श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो सके। इस अवसर पर गोपनीय शाखा प्रभारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा, अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष के साथ-साथ संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ शुरू

नारदीगंज (नवादा)। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि शनिवार से लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा प्रारंभ हो गया है। चार दिनों तक चलने वाला पर्व बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में आस्था, अनुशासन और शुद्धता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय होता है। इस दिन व्रती पवित्र नदियों में स्नान कर सात्विक भोजन करते हैं। आज सभी व्रति नहाय-खाय कर रही हैं।इसके बाद दूसरे दिन खरना मनाया जाता है, जिसमें गुड़-चावल की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ होता है। इस दौरान व्रती सहित पूरा परिवार कड़े नियमों और अनुशासन का पालन करता है। यह व्रत केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व भी है। यही कारण है कि इसमें शरीर और मन, दोनों की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता ।इस व्रत में नहाय-खाय से लेकर उषा अर्घ्य तक घर और पूजा स्थल की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है।छठ प्रसाद बनाते समय पूर्ण स्वच्छता और पवित्रता का पालन जरूरी है।व्रती को खरना के बाद 36 घंटे तक बिना अन्न और जल ग्रहण किए उपवास रखना होता है। गलती से भी जल पीने पर व्रत खंडित माना जाता है।छठ पर्व के दौरान पूरे परिवार को सात्विक भोजन ही ग्रहण करना पड़ता है।। नहाय-खाय से ही घर में लहसुन, प्याज और नमक (सेंधा नमक को छोड़कर) का उपयोग वर्जित होता है। व्रती महिलाएं साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर नाक से मांग तक नारंगी सिंदूर लगाती हैं। जो अखंड सौभाग्य का प्रतीक है।

शराब लदे दो बाइकों को उत्पाद बलों ने किया जब्त,एक तस्कर गिरफ्तार,दूसरा फरार

रजौली। थाना क्षेत्र के मुरहेना गांव से उत्पाद बलों ने एक बाइक पर लदे 32 लीटर शराब को जब्त किया है।उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार चुनाव को लेकर उत्पाद बल अलर्ट मोड पर है।शराब की खेप और बिक्री को लेकर गुप्त सूचना मिली।सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के आलोक में उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार को उत्पाद बलों के साथ छापेमारी हेतु भेजा गया।छापेमारी के दौरान उत्पाद बलों को देखकर एक युवक बाइक पर लदे शराब को छोड़कर भाग खड़ा हुआ।उत्पाद बलों ने एक बाइक पर लदे बोरे में बंद रहे कुल 32 लीटर शराब को जब्त किया है।वहीं दूसरी ओर नवादा से आई उत्पाद बलों की टीम का नेतृत्व कर रहे उत्पाद इंस्पेक्टर न्यूटन ने शराब परिवहन में जुटे एक युवक सलेमपुर गांव के समीप गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान नरहट थाना क्षेत्र के हाजीदाब गांव निवासी तुलसी चौधरी के पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है।जब्त 85 लीटर शराब एवं बाइक के अलावे गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।वहीं गिरफ्तार शराब तस्कर को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

करंट लगने से एक युवक की हुई मौत,परिजनों में पसरा मातम

रजौली। मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में शनिवार की दोपहर करंट लगे एक युवक को परिजनों ने इलाज हेतु भर्ती कराया,किंतु चिकित्सक ने घायल युवक की जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।अस्पताल में ड्यूटी में रही चिकित्सक डॉ. इलिका भारती ने बताई कि सिरदला थाना क्षेत्र के खरौंध गांव निवासी महावीर यादव के पुत्र अनिल यादव को इलाज हेतु अस्पताल लाया गया था,किंतु अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही युवक की मौत हो गई थी।अस्पताल में मौजूद परिजन किशोर यादव ने बताया कि अनिल यादव घर में निर्माण कार्य कर रहा था,वहीं बोरिंग मोटर का तार जोड़ने के क्रम में बिजली करंट लगने से युवक की स्थिति गम्भीर हो गई,जिसे इलाज हेतु रजौली लाया गया।वहीं कुछ अन्य लोगों ने बताया कि बिजली करंट से घायल अनिल यादव को मनोहर मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां चिकित्सक ने गंभीर स्थिति को देखकर सरकारी अस्पताल ले जाने की सलाह दी।जब परिजन घायल युवक को अस्पताल लाए,तो ड्यूटी में रहे चिकित्सक ने युवक को मृत बताया।युवक के मृत होने की खबर परिजनों को मिलते ही मातम पसर गया।वहीं अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावे एक बेटी और बेटा को पीछे छोड़ गए हैं।घटना को लेकर स्थानीय पुलिस व प्रशासन को सूचना दी गई है।इस बाबत रजौली अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि सिरदला थाना को सूचित किया गया है।पुलिस बल अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

नहाय खाय पर बिहार में 7 लोगों की मौत

पटना। बिहार के 4 शहरों में नहाय खाय पर 7 लोगों की मौत हो गई। पटना में गंगाजल लेने गए 3 लड़के नदी में डूब गए। वैशाली में भी एक की मौत हुई है। जमुई में भी प्रसाद के लिए जल लेने गए 2 युवक गंगा में समा गए। बांका में भी 4 लोग नदी में डूब गए। एक की मौत हुई है। बाकी को लोगों ने रेस्क्यू किया है। पटना में नहाय खाय (25 अक्टूबर) के दिन एक परिवार के 3 लड़कों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। इनमें 2 रिश्ते में भाई हैं। एक भतीजा है। तीनों के घर पर छठ पूजा हो रही थी। सभी पूजा के लिए गंगाजल लेने नदी के किनारे गए थे। पैर फिसलने से एक डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में 2 और गंगा में डूब गए। बताया जा रहा है कि छठ पूजा को लेकर तीनों युवक गंगा घाट की साफ-सफाई कर रहे थे। साफ-सफाई के बाद तीनों नदी में नहाने गए। इस दौरान वो गहरे पानी में चले गए। पानी की तेज धारा की वजह से वो संभाल नहीं पाए और डूब गए। हादसा खुसरूपुर थाना क्षेत्र के बैंकटपुर गोलिंदपुर घाट पर हुआ।

तीनों युवक के घर में छठ पूजाः हादसे की सूचना मिलने के बाद DDRF और स्थानीय गोताखोर की टीम मौके पर पहुंची। फिर तीनों युवक की तलाश शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद तीनों की लाशों को पानी से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान पश्चिमी गोविंदपुर के वार्ड-17 निवासी सौरव कुमार (22), सोनू कुमार (22) और गुड्डू कुमार (19) के रूप में हुई है। तीनों के घर में छठ पूजा हो रही थी। हादसे के बाद तीनों के घर में मातम का माहौल है।

चश्मदीद बोला- मेरे सामने तीनों नदी में डूब गएः तीनों के साथ घाट पर मौजूद मितरंजन ने बताया, 'हम सब छठ को लेकर घाट बनाने के लिए हल्के पानी में ही उतरे थे। तभी मेरे दोस्त सोनू का पैर चिकनी मिट्टी से फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। हम सभी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन जब मैं किसी तरह बाहर निकला तो देखा कि सोनू डूब चुका था। उसे देखने के लिए हमारे दो और भाई सौरव और गुड्डू गए, लेकिन वो भी उसी गहरे भंवर में समा गए। पास में लगी नाव को हेम लोगों ने तुरंत बुलाया और अपने स्तर से खोजबीन शुरू की। उसके बाद इसकी सूचना खुसरूपुर थाने को दी गई।'

शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गयाः खुसरूपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि 'तीन युवक गंगा नदी में डूब गए, जिनका शव निकाल लिया गया है। शव को फतुहा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया गया है।'

लालू की जमीन पर बीजेपी नेताओं का प्रदर्शन

पटना। बिहार की सियासत में एक बार फिर लालू प्रसाद यादव का मॉल चर्चा के केंद्र में आ गया है। आज बीजेपी नेता उस जमीन पर पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया। जिसपर कभी लालू परिवार का विवादित मॉल बनने की तैयारी थी। जिसपर ईडी ने कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया था। आज बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, नीरज कुमार, गुरु प्रकाश सहित बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने वहां पहुंचकर नारेबाजी की और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। अजय आलोक ने कहा तेजस्वी यादव आज मुख्यमंत्री पद के दावेदार बन रहे हैं, लेकिन यह जमीन उनके भ्रष्टाचार की कहानी कहती है। यह मॉल सिर्फ एक इमारत नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के सबूत है। जिस मिट्टी से इस मॉल की भराई हो रही थी वह भी बिहार सरकार की थी, जो पटना के जू से लाई गई थी। मॉल के बगल से जो रास्ता जाता है, वह सीधे बेऊर जेल की ओर जाता है। यह प्रतीक है कि भ्रष्टाचार का रास्ता कहां तक ले जाता है। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव और पूरा लालू परिवार भ्रष्टाचार में डूबा है। बिहार की जनता को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह मॉल किस तरह घोटाले की मिट्टी पर खड़ा किया जा रहा था। गुरु प्रकाश ने भी लालू के मॉल को लेकर सवाल खड़ा करते हुए तेजस्वी को घेरा। लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर आरोप था कि रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले के दौरान उन्हें कई जमीनें घूस के रूप में दी गईं।

भाजपा प्रत्याशी के चुनावी जन सभा में नही पहुंचे डिप्टी सीएम, कार्यक्रम रद्द, समर्थकों में निराशा

निज संवाददाता। वारिसलीगंज

वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पकरीबरावां स्थित कृषक महाविधालय के मैदान में भाजपा प्रत्याशी अरुणा देवी का चुनावी जनसभा रद्द होने से समर्थक निराश हो गए। जानकारी के अनुसार, सम्राट चौधरी का इससे पहले सिवान में एक कार्यक्रम चल रहा था। वहां का कार्यक्रम समाप्त करने के बाद वे हेलीकॉप्टर से पकरीबरावां पहुंचने वाले थे, लेकिन उड़ान से पहले हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण यह यात्रा संभव नहीं हो सकी।

तकनीकी समस्या के कारण कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सभा स्थल पर पहले से जुटे भाजपा

कार्यकर्ता और समर्थक निराश होकर लौट गए। वहीं विपक्षी दलों ने इसे भाजपा के लिए अपशगुन करार देते हुए कहा कि यह चुनावी हार का संकेत है। हालांकि भाजपा नेताओं ने कहा कि सम्राट चौधरी का कार्यक्रम आगे पुनः निर्धारित किया जाएगा और अरुणा देवी के समर्थन में भाजपा का प्रचार अभियान पूरे जोर-शोर से जारी रहेगा।प्रस्तावित चुनावी स्थल पर पहुंचे समर्थकों में कार्यक्रम रद्द होने के कारण मायूसी देखी गयी।

जातिसूचक और अश्लील गाना बजाने से रोकने पर युवक के साथ मारपीट, थाने को दिया आवेदन

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के मुरहेना गांव में बीते शुक्रवार को कुछ असामाजिक तत्व के लोगों ने एक युवक का रास्ता रोककर मारपीट किया।इसके पीछे मूर्ति विसर्जन में जातिसूचक और अश्लील गानों को बजाने से मना करना बताया जा रहा है।पीड़ित मुरहेना गांव निवासी बलराम पासवान के पुत्र गुड्डू कुमार ने बताया कि बीते 22 अक्टूबर को मां लक्ष्मी प्रतिमा के विसर्जन के दौरान गांव के ही कुछ लोगों द्वारा घर के समीप जातिसूचक और अश्लील गाना बजाया जा रहा था,जिसका विरोध कर उसे बंद कराया गया।इसी बात को लेकर मुरहेना निवासी उमेश यादव के पुत्र उत्पलकांत यादव व

रात्रि में मारपीट के दौरान लोग

सत्यम यादव,शुकदेव यादव के पुत्र अनुज यादव व बनारस यादव एवं बिनोद साव के पुत्र शुभ साव ने बीते शुक्रवार की रात्रि लगभग 10 बजे मेरा रास्ता रोककर जातिसूचक गाली देते हुए मारपीट किया एवं मोबाइल और लॉकेट छीन लिया।घटना को लेकर डायल 112 की टीम को सूचना दिया गया।सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने आरोपियों से मुझे मेरा मोबाइल दिलवाया।पीड़ित ने बताया कि घटना को लेकर थाना को लिखित आवेदन दिया गया है।इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि पीड़ित द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ का हुआ शुभारंभ

निज संवाददाता। रजौली

लोक आस्था का महापर्व छठ शनिवार से शुरू हो गया है। नहाय-खाय के साथ इस चार दिवसीय पर्व का शुभारंभ हुआ। व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं ने पवित्र तालाबों और नदियों में स्नान कर विधि-विधान से सूर्यदेव की आराधना की।छठ पर्व का पहला दिन नहाय-खाय के नाम से जाना जाता है, जो शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। व्रती सुबह गंगा या पवित्र जलाशय में स्नान कर घर लौटते हैं और शुद्ध वातावरण में मिट्टी के चूल्हे पर भोजन तैयार करते हैं। इस दिन लौकी की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल का प्रसाद बनता है, जिसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।छठ पर्व के दौरान व्रती 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखते हैं और सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय अर्घ्य देते हैं। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और अनुशासन का भी संदेश देता है।

रजौली मुख्यालय समेत आसपास के सभी गांवों में छठ को लेकर प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।नदी घाटों की साफ-सफाई किया गया है और लाइटों की व्यवस्था की जा रही है।

छठ पर्व का क्रम इस प्रकार रहेगाः

- 25 अक्टूबरः नहाय-खाय
- 26 अक्टूबरः खरना पूजन
- 27 अक्टूबरः अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य
- 28 अक्टूबरः उगते सूर्य को अर्घ्य और पारण

अवैध संबंध में हुई युवक की हत्या मामले में महिला गिरफ्तार, भेजी गई जेल

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव के मनोज यादव का शव पुलिस ने बंद पड़े खदान से बीते शुक्रवार की सुबह प्राप्त किया था।शव मिलने के बाद अवैध संबंध में रही महिला पचनी देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ की।पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस बलों ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बीते 19 अक्टूबर को मृतक मनोज यादव की पत्नी बेबी देवी ने थाने को लिखित आवेदन देकर पति के गांव की ही एक महिला

अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के दौरान गिरफ्तार महिला

पर अवैध संबंध में रहने की बात बताई गई थी।साथ ही उस महिला और मनोज यादव के बीच 18 अक्टूबर को झगड़ा करने की बात बताई थी।मनोज यादव के बंद पड़े खदान में डूबने की सूचना परिजनों द्वारा दिया गया था।इस आलोक में एनडीआरएफ की टीम के जाने के बाद अगले दिन शुक्रवार की सुबह मनोज यादव का शव पानी में तैरता हुआ पाया गया था।शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है।वहीं आरोपित महिला को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पूछताछ के दौरान दोनों के बीच बातचीत हो रहा था।पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार कर शनिवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।साथ ही कहा कि पुलिस अग्रतर अनुसंधान में जुटी हुई है।

रजौली एवं गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्रों में मतदान समय में किया गया परिवर्तन

निज संवाददाता। नवादा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश ने बताया कि पूर्व में 235-रजौली (अ.जा.) एवं 238-गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान का समय प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक निर्धारित था। जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के संयुक्त प्रतिवेदन के आलोक में भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 30 के साथ पठित धारा 56 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदान के समय में परिवर्तन करते हुए अब मतदान का समय प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक निर्धारित किया है।

गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की गहन समीक्षा — मतदान केंद्रों पर सभी न्यूनतम सुविधाएँ समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश।

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी को लेकर 238–गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित पदाधिकारियों की बैठक जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि "चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है, इसे निष्पक्षता, शांति और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी एवं प्राथमिकता है।" उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी मतदान केंद्र पर मतदाता को किसी प्रकार की असुविधा न हो — इसके लिए सभी आवश्यक न्यूनतम सुविधाएँ (AMF) जैसे शौचालय, पेयजल, बिजली, प्रकाश, शेड, रैंप एवं पेंटिंग कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएँ। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई के लिए शिक्षा विभाग से एजेंसी चयनित की गई है, इन्हीं एजेंसियों के द्वारा ही मतदान केंद्र की साफ-सफाई की जाएगी। उन्होंने सभी सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बीएलओ के द्वारा वोटर इनफॉर्मेशन स्लिप का वितरण किया जाना है, जिसकी मॉनिटरिंग सेक्टर पदाधिकारी करेंगे। सभी बीएलओ के द्वारा वोटर इनफॉर्मेशन स्लिप का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मतदान केंद्र का भौतिक निरीक्षण कर वेबकास्टिंग की विद्युत व्यवस्था और नेटवर्क कनेक्टिविटी का विशेष ध्यान रखें। नेटवर्क संबंधी किसी समस्या की स्थिति में सेक्टर पदाधिकारी तुरंत लिखित सूचना नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराएँ, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। बैठक में यह बात सामने आई कि कुछ मतदान केंद्रों पर शौचालय की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। इस पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदान तिथि से पूर्व शौचालयों की मरम्मत एवं सफाई कार्य पूर्ण करा लिया जाए, ताकि मतदान कर्मियों एवं मतदाताओं को सुविधा मिल सके। इसके साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर की-होल्डर एवं रसोईया के संपर्क नंबर संबंधित अधिकारियों के साथ साझा किए जाएँ, ताकि आवश्यक स्थिति में मतदान कर्मियों से शीघ्र एवं सुचारु रूप से संपर्क स्थापित किया जा सके।

नवादा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का समय निम्नवत् है—

- 235-रजौली (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक।
- 236-हिसुआ विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 6:00 बजे तक।
- 237-नवादा विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 6:00 बजे तक।
- 238-गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक।
- 239-वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7:00 बजे से अपराह्न 6:00 बजे तक।

विधि-व्यवस्था और संवेदनशील क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक थानाध्यक्ष अपने क्षेत्र के वल्नरेबल व्यक्तियों की पहचान कर निर्धारित प्रपत्र भरवाएँ और बॉन्ड डाउन प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि — विशेषकर शराब, धन या हथियारों के दुरुपयोग — की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आर्म्स की सत्यापन एवं रिकवरी करने का निर्देश दिया। वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि मतदान कर्मियों एवं सामग्रियों के परिवहन हेतु पर्याप्त वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी वाहन सूची को प्रतिदिन अद्यतन रखें और किसी भी कमी की सूचना तत्काल नियंत्रण कक्ष को दें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान ने निर्वाचन सुरक्षा की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जिले में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है तथा सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वल्नरेबल क्षेत्रों में निरंतर गश्ती, छापेमारी और निगरानी अभियान चलाकर चुनावी शुचिता बनाए रखें। उन्होंने यह भी बताया कि महिला मतदान केंद्रों पर महिला पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि महिला मतदाता निडर होकर मतदान कर सकें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 11 नवम्बर को होने वाले मतदान को सभी पदाधिकारी आपसी सहयोग और टीम भावना के साथ मिलकर सम्पन्न कराएँ, ताकि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हो। बैठक में निर्वाची पदाधिकारी, गोविंदपुर सह उप विकास आयुक्त, नवादा, जिला परिवहन पदाधिकारी, गोपनीय शाखा प्रभारी, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित अंचल अधिकारी, थानाध्यक्ष, सेक्टर पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नहाए खाए के साथ छठ पर्व का हुआ शुभारंभ, खड़ना आज

कोंच गया। कोंच प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ नहाए खाए के साथ चतुर्थ दिवसीय सूर्य उपासना का पर्व प्रारंभ हो गया है। छठ व्रती सुबह समय निमनाही सुर्य मंदिर के पोखरा और विभिन्न नदियों, कुआं, तालाबों के पवित्र जल में स्नान किया. तत्पश्चात पवित्र स्थान पर अरवा चावल का भात कद्दू की सब्जी, चना की दाल, अगस्त के फूल की सब्जी सहित अन्य व्यंजन को भगवान सूर्य को अर्पित करते हुए छठ व्रती ने भोजन किया।इस पर्व की सबसे बड़ी खासियत शुद्धता का आस्था है चारों ओर छठ की मधुर गीत से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।रविवार को खड़ना, सोमवार भगवान भास्कर को संध्या अर्ध छठ व्रती अर्पित करेंगे ।मंगलवार को उगते हुए सूर्य को छठ व्रती अर्ध अर्पित करेंगे और 36 घंटे का निर्जला व्रत को समापन करेंगे।छठ पर्व को लेकर कोंच आंती थानाध्यक्षों ने पुलिस बलों के साथ अपने- अपने क्षेत्र में लगातार गस्ती कर रहे है ताकि आसामाजिक तत्व पर नजर रखी जा सके। वही कोंच प्रखंड क्षेत्र के आंती बाजार, देवरा बाजार, ददरेजी बाजार,निमनाही सुर्य मंदिर बरई घाट,कुरमावा, दौलतपुर, गौहरपुर, कोंच बाजार सहित अन्य जगहों पर ग्रामीणों द्वारा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। बाजारों में छठ पर्व को लेकर रौनक बढ़ी हुई है ग्रामीण सूप, दौरा, गुड, पूजा की सामग्री एवं फल लेने में व्यस्त नजर आ रहे है।एसे व्रती पुनम देवी,सुमंती देवी,रुपम देवी, सुनिता देवी बबलु द्विवेदी,पुनम देवी, आषुतोष सिंह,संगिता देवी,बबलु सिंह,निलम देवी, डिम्पल देवी,पूनम कुमारी,ममता देवी, मुनि देवी सहित अन्य व्रती ने किया नहाए खाए।

अमित शाह की रैली में दिव्यांग की आत्मदाह की कोशिश, जमीन विवाद में विधायक पर लगाए आरोप

नालंदा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की शनिवार को बिहार शरीफ में आयोजित एनडीए की जनसभा के दौरान एक गंभीर घटना सामने आई। एक दिव्यांग युवक ने सभा स्थल के बाहर खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता के चलते युवक को समय रहते रोक लिया गया और बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें युवक को अपने परिवार के साथ सभा स्थल के बाहर खड़ा देखा जा सकता है। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि युवक ने एक बोतल से पेट्रोल निकालकर अपने शरीर पर डाल लिया था। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए दखल दिया और युवक को समझा-बुझाकर शांत कराया।

भूमि विवाद और स्थानीय विधायक पर आरोपः युवक के हाथ में एक बैनर था, जिसपर लिखा था - "मैं बीजेपी पार्टी का समर्थक हूं एवं स्थानीय विधायक व मंत्री डॉ. सुनील कुमार भू-माफिया का पड़ोसी भी हूं, जो मेरी जमीन कब्जा कर रहा है। माननीय अमित शाह जी, आप बताइए मैं भूमाफिया डॉक्टर सुनील कुमार को क्यों वोट करूं।" युवक खुद को भाजपा समर्थक बताते हुए भी स्थानीय विधायक और मंत्री डॉ. सुनील कुमार पर गंभीर आरोप लगा रहा था। उसका आरोप है कि विधायक के पड़ोसी द्वारा उसकी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है और इस मामले में उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है।

परिजन महिला की गुहारः घटनास्थल पर मौजूद एक महिला, जो संभवतः युवक की परिजन थी, बार-बार न्याय की गुहार लगाती दिखाई दी। रोते हुए महिला कह रही थी कि उन्हें इंसाफ चाहिए। विधायक ने मेरा घर लूट लिया है। वह बसने नहीं दे रहे हैं। मुझे इंसाफ चाहिए।

पुलिस का बयानः बिहार शरीफ के थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दिव्यांग युवक को जमीन से संबंधित कोई विवाद है। उन्होंने कहा कि युवक को समझा-बुझाकर घर भेज दिया गया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।"

बिहार शरीफ में आज इमरान प्रतापगढ़ी की जनसभा
महागठबंधन प्रत्याशी उमैर खान ने की युवाओं से अपील, कहा- अपने हक की लड़ाई लड़ते रहिए

नालंदा। बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी उमैर खान ने शनिवार को अपने चुनावी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर युवाओं से मुद्दों की राजनीति को समर्थन देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने राज्यसभा सांसद और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के माइनोरिटी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की रविवार को होने वाली चुनावी सभा की जानकारी भी दी। उमैर खान ने बताया कि राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी रविवार को दोपहर 1 बजे श्रम कल्याण मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। विशेष बात यह है कि यह सभा उसी स्थान पर होगी जहां शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अपना भाषण दे रहे हैं। उमैर खान ने कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी भारत के वह नेता हैं जो सदन से लेकर सड़क तक हर युवा के अधिकारों की लड़ाई लड़ते हैं। चाहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय की फीस का मामला हो, बुनकरों की हालत का सवाल हो या किसी दलित या युवा के अपमान का मुद्दा - वे हमेशा आगे रहते हैं।

युवाओं से मुद्दों पर केंद्रित रहने की अपीलः प्रेस कांफ्रेंस में उमैर खान ने युवा मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे मुद्दों को ध्यान में रखकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुद्दों की राजनीति ही असली राजनीति है। इंडिया गठबंधन के सभी नेता इसी पर जोर देते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं का वोट शिक्षा, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, अच्छे बुनियादी ढांचे के विकास और समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाने के मुद्दों पर आधारित होना चाहिए।

'बाहरी' के आरोप पर दिया करारा जवाबः 'बाहरी' होने के आरोपों का जवाब देते हुए उमैर खान ने कहा कि"नानी का घर कभी बाहरी नहीं होता। मेरी नानी का घर नालंदा के रसूलपुर में है और बिहार शरीफ के हर मोहल्ले में मेरे परिवार के लोग रहते हैं।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए पलटवार किया, "सबसे पहले यह सवाल आदरणीय मोदी जी से पूछा जाना चाहिए कि वे काशी कैसे चले गए? संविधान में हर बिहारवासी को 243 विधानसभाओं में से कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है।"

प्रतिद्वंद्वी को खुली चुनौतीः उमैर खान ने अपने प्रतिद्वंद्वी सुनील कुमार को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि "वे कई बार विधायक और मंत्री रह चुके हैं। मैं जनता के दरबार में आने को तैयार हूं। मीडिया के सामने 20 साल की रिपोर्ट कार्ड रख दीजिए कि बिहार शरीफ की जनता के लिए आपने क्या किया है।" उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सत्तारूढ़ पार्टी की विफलताओं को उजागर करना है और जनता के बीच अपने वादे रखना है।

लोक आस्था का महान पर्व छठ पूजा का शुभारंभ

निज संवाददाता। गयाजी

नहाए-खाए से शुरू हुआ चार दिवसीय व्रत

लोक आस्था और परंपरा का महापर्व चार दिवसीय छठ पूजा आज नहाए-खाए के साथ विधिपूर्वक शुरू हो गया। शहर एवं आसपास के छठ घाटों पर महिलाओं ने सुबह जल्दी उठकर पवित्र स्नान किया और भगवान सूर्य की आराधना कर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ ने पूरे क्षेत्र को उत्सव की छटा से रंगीन बना दिया। नहाए-खाए के इस अवसर पर छठव्रतियों ने घाटों से पवित्र जल घर लाकर नहाए-खाए का प्रसाद बनाया। इस प्रसाद में अरवा चावल, दाल, कदू-सांग और मौसमी सब्जियों का विशेष भोजन तैयार किया गया। पहले स्वयं छठव्रती इसे ग्रहण करती हैं और उसके बाद अपने परिवार, सगे-संबंधियों और पड़ोसियों को वितरित करती हैं। इस दिन की पूजा को छठ पर्व का पहला और सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है, जो चार दिनों तक चलने वाले व्रत का प्रारंभिक चरण है। गया शहर के बड़की डेल्हा के रहने वाले तीन गोतिनीयों ने भी आज नहाए-खाए के साथ अपने चार दिवसीय छठ व्रत का विधिपूर्वक आरंभ किया। श्रद्धालुओं ने घाटों को साफ-सुथरा और सजाया हुआ पाया, जिससे पर्व का वातावरण और भव्य बन गया। व्रतियों ने घाटों पर सूर्य भगवान को अर्घ्य देते हुए पारंपरिक गीतों और भजनों के साथ भक्ति-भाव व्यक्त किया। छठ पूजा के दूसरे दिन खरना किया जाएगा, जिसमें प्रसाद और विशेष भोजन तैयार किया जाएगा। इसके बाद तीसरे दिन संध्याय अर्घ्य और चौथे दिन भोर अर्घ्य का अनुष्ठान संपन्न होगा। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन ने भी घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा के पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

सोनदाहा छठ घाट पर सुविधाओं का अभाव, लोगों में है आक्रोश

निज संवाददाता। आमस, गयाजी

गयाजी जिले के आमस प्रखंड की झरी पंचायत के सोनदाहा छठ घाट पर व्रतियों के लिए अधिकारियों की ओर से कोई व्यवस्था नहीं कराए जाने से लोग नाराज हैं। पैक्स अध्यक्ष दीपू सिंह व मुखिया चांदनी सिंह ने बताया कि बैठकों में अधिकारियों ने गहरे जलाशय वाले घाटों पर गोताखोर व बैरिकेटिंग की व्यवस्था कराने को कहा था। लेकिन शनिवार की शाम तक घाट पर कोई व्यवस्था नहीं कराई जा सकी थी। जबकि सोमवार को डूबते व मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए यहां सैकड़ों की संख्या में व्रती व हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी। तीस साल से भी पुराना इस डैम में हाथी दुबाव पानी जमा है। थोड़ी चूक से कइयों की जान जा सकती है। पांच वर्ष पूर्व दो बच्ची व एक बच्चे की मौत अर्घ्य के समय डूबने से हो गई थी। इसलिए अधिकारियों की लापरवाही किसी की जान पर भारी पड़ सकती है। विश्वनाथ यादव, जितेंद्र भुइयां, रामनंदन यादव, पंकज कुमार, राकेश कुमार आदि ग्रामीणों के साथ दीपू सिंह शनिवार की शाम सोनदाहा घाट का जायजा लिया तो कोई व्यवस्था नहीं पाया। इन्होंने बताया कि पूजा समिति सदस्यों के साथ मिलकर रविवार को जितना बन सकेगा व्रतियों के लिए व्यवस्था करेंगे। कहा दो दिन पूर्व थानेदार धनंजय कुमार व सीओ अरशद मदनी आए थे। लेकिन घाट को सिर्फ देखकर चले गए। आखिर व्यवस्थाएं कब होगी। इन्होंने अधिकारियों से तत्काल ध्यान देने की मांग की है।

गुरुआ प्रखंड में ऑब्जर्वर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

निज संवाददाता। गुरुआ

गया जिले के गुरुआ प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को चुनाव ऑब्जर्वर प्रमोद कुमार उपाध्याय ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रोजेक्ट विद्यालय, गुरुआ मिडिल स्कूल, हाईस्कूल, उत्क्रमित हाईस्कूल दुब्बा और आरसी कला सहित कई मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी बूथों पर पानी, बिजली, शौचालय, फर्नीचर और रैंप जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध पाई गईं। ऑब्जर्वर ने बूथों की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रखंड विकास पदाधिकारी सद्दाम हुसैन ने बताया कि पूरे प्रखंड में कुल 172 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 160 केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा, जबकि 12 अति संवेदनशील केंद्रों पर सुरक्षा कारणों से मतदान का समय शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुआ मिडिल स्कूल को पिंक बूथ के रूप में तैयार किया गया है। इस केंद्र पर सुरक्षाकर्मी से लेकर मतदानकर्मी तक सभी महिलाएं ही तैनात रहेंगी, जो चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया संपन्न कराएंगी। ऑब्जर्वर प्रमोद कुमार उपाध्याय ने निरीक्षण के दौरान बीडीओ और निर्वाचन पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन हर केंद्र पर मतदाताओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

डीएम और एसएसपी ने सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा, सघन अभियान जारी

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने को लेकर गया संभालनालय में आज डीएम शशांक शुभंकर और एसएसपी आनंद कुमार ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने चुनाव को लेकर सुरक्षा और तैयारियों की जानकारी दी। डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि जिले में सभी मतदान बूथों पर पदाधिकारी नियुक्त किए जा चुके हैं और सुरक्षा को पूरी तरह चाक-चौबंद किया गया है। चुनाव के दौरान जिले में 396 सेक्टर अधिकारी तैनात हैं, जो पूरे क्षेत्र में निगरानी रख रहे हैं। इसके अलावा 51 फ्लाइंग स्क्वॉट और 82 स्टेटिक टीमों को विशेष निगरानी और जांच के लिए लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर माह में ही सघन कार्रवाई के तहत काफी संख्या में बरामदगी हुई है। 25 लाख रुपये कैश, 24,000 लीटर शराब और साढ़े 3 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की बरामदगी की गई है। साथ ही, जिले के 293 विवादित बूथों से 2,487 संदिग्धों की पहचान की गई और 105 लोगों को सीसीए के तहत जिला बदर किया गया है। गया जिले में कुल 3,886 मतदान बूथ बनाए गए हैं।

एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि बिहार-झारखंड सीमा क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन की प्रक्रिया जारी है और वहां लगातार सघन अभियान चलाए जा रहे हैं। अब तक पांच आईडी को निष्क्रिय किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी तत्परता के साथ पारदर्शी, शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।

डीएम और एसएसपी ने मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भीक होकर मतदान करें और किसी भी दबाव या भय से मुक्त रहें। प्रशासन और पुलिस का प्रयास है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 बिना किसी बाधा और पूरी सुरक्षा के साथ संपन्न हो।

सड़क नहीं बनने से राणापुर के ग्रामीणों ने किया वोट बहिष्कार का ऐलान

निज संवाददाता। गुरारू

गया जिले के गुरारू प्रखंड क्षेत्र के तिलोरी पंचायत अंतर्गत राणापुर गांव के ग्रामीणों ने लंबे समय से सड़क निर्माण नहीं होने पर मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई वर्षों से मुख्य सड़क से अपने गांव को जोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनकी इस मांग पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

ग्रामीण रंजन यादव, श्रीराम पासवान और मुरली मनोहर जोशी ने बताया कि गांव से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्टेट हाइवे-101 गुजरती है, जो गया शहर के मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल तक जाती है। अगर यह सड़क गांव तक जुड़ जाती, तो लोगों को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचना आसान हो जाता। लेकिन मुख्य सड़क से जोड़ने की दिशा में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने अब तक कोई पहल नहीं की है।

गांव का मुख्य रास्ता पूरी तरह से कच्चा है। बरसात के मौसम में यह कीचड़ से भर जाता है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। बीमार व्यक्ति को खटिया पर टांगकर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि वे मुखिया, विधायक और सांसद तक अपनी समस्या कई बार रख चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला है, काम नहीं। इन परिस्थितियों से आक्रोशित ग्रामीणों ने अब लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि जब सरकार और जनप्रतिनिधि उनकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी कर रहे हैं, तो वे भी वोट नहीं देंगे। गांव के युवाओं ने सामूहिक रूप से वोट बहिष्कार की घोषणा करते हुए कहा कि जब तक सड़क नहीं बनेगी, तब तक मतदान नहीं करेंगे।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुरुआत, फल्गु तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

निज संवाददाता। गयाजी

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की चार दिवसीय परंपरा आज नहाय-खाय के साथ आरंभ हो गई। गया के पवित्र फल्गु नदी तट पर भास्कर घाट और शहर के विभिन्न तालाबों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। महिलाओं ने नदी में स्नान कर भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

व्रती राधा गुप्ता ने बताया कि फल्गु नदी में स्नान के बाद भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा की गई। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और छठी मइया से मंगलकामना की। स्नान-पूजन के बाद व्रती घर लौटकर पारंपरिक प्रसाद तैयार करती हैं, जिसमें चावल, चने की दाल, लौकी और फूलगोभी की सब्जी के साथ अगस्त के फूल से बने पकौड़े शामिल हैं। भगवान सूर्य को भोग लगाने के बाद यही प्रसाद परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों में बांटा जाता है। भास्कर घाट पर पूजा-अर्चना के दौरान पारंपरिक गीतों और 'छठ मइया के जयकारों' से पूरा घाट गुंजायमान रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भगवान भास्कर की आराधना में लीन थीं। उनके साथ परिवार के सदस्य और बच्चे भी श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। व्रती मालती गुप्ता ने बताया कि नहाय-खाय से ही इस कठिन व्रत की शुरुआत होती है। रविवार को खरना का आयोजन होगा, जिसके बाद व्रती महिलाएं अगले 36 घंटे तक निर्जला उपवास पर रहेंगी।

विश्व शांति स्तूप की 56वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए राज्यपाल, जापान समेत कई देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

निज संवाददाता। नालंदा

ऐतिहासिक रत्नागिरी पहाड़ी पर स्थित विश्व शांति स्तूप के 56वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल के भव्य स्वागत के साथ हुई। नालंदा पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद वे रत्नागिरी पहाड़ी पर आयोजित मुख्य समारोह में सम्मिलित हुए। जहां पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। यह स्तूप न केवल बौद्ध धर्म की महान विरासत का प्रतीक है, बल्कि भारत और जापान के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का भी जीवंत प्रमाण है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज इस पवित्र समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। राजगीर जैसे पवित्र स्थान पर, जहां भगवान बुद्ध के चरणों ने धरती को पावन किया, यह स्मारक शांति का पवित्र प्रतीक है।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थितिः समारोह में कई देशों से आए प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। राज्यपाल ने विशेष रूप से जापान के संतोपु कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष श्री केनसुके ओरियोची, सीजीसी और सनपो के प्रतिनिधियों, पीस एंड गुडविल पिलग्रिमेज मिशन ऑफ इंडिया की डॉ. महास्वेता महाराठी के साथ-साथ वेनेरेबल सीनियर मोंक्स और महाविहार एवं नागर मंदिर के संघ के सभी सदस्यों की सराहना की।

राजगीर का ऐतिहासिक महत्वः राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि राजगीर, जो प्राचीन मगध साम्राज्य की राजधानी रहा है। बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। यहीं पर द्वितीय धर्म चक्र परिवर्तन हुआ था और सप्तपर्णि गुफा में महत्वपूर्ण बौद्ध परिषद का आयोजन हुआ था।

भारत-जापान मैत्री का प्रतीकः राज्यपाल ने कहा कि आप सभी की उपस्थिति भारत और जापान के बीच मैत्री के उस कालातीत बंधन को दर्शाती है, जिसकी जड़ें महान गुरु भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित हैं। राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी, जिसकी स्थापना भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई और परम पूज्य निचिदात्सू फूजी गुरुजी के विशिष्ट नेतृत्व में हुई थी। पिछले आधी सदी से अधिक समय से भारत-जापान मैत्री को मजबूत करने और विश्व शांति को बढ़ावा देने में समर्पित रही है। रत्नागिरी पहाड़ी की चोटी पर स्थित विश्व शांति स्तूप, जहां भगवान बुद्ध ने सात वर्षों तक उपदेश दिया था। अहिंसा और करुणा में हमारी अटूट आस्था का प्रतीक है।

पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्रः आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और बौद्ध धर्म के अनुयायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक बौद्ध प्रार्थनाएं और मंत्रोच्चारण भी किया गया। विश्व शांति स्तूप आज भी दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और यह बिहार की समृद्ध बौद्ध विरासत का गौरवशाली प्रतीक बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

कछवां पुलिस की कार्रवाई : सोन नदी किनारे छापेमारी में 23 लीटर देसी शराब बरामद,धंधेबाज फरार

काराकाट /रोहतास । कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत सोन नदी के किनारे गुप्त सूचना के आधार पर कछवां पुलिस ने छापेमारी की । इस दौरान पुलिस ने चिन्हित स्थल से 23 लीटर देसी महुआ शराब, दो सिलेंडर,दो चूल्हा एवं चार ड्रम बरामद किया है । पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध शराब धंधेबाज मौके से फरार हो गया ।थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब निर्माण व बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है । उन्होंने कहा कि फरार धंधेबाज की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा । मामले की जांच जारी है ।

काराकाट प्रखंड के नोक परासी गांव में गोलीबारी,तीन युवक घायल : दो गोला कार्यक्रम के बाद विवाद ने लिया हिंसक रूप

काराकाट / रोहतास । रोहतास जिला के काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत नोक परासी गांव में 'दो गोला' कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया । कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शनिवार सुबह करीब 4 बजे एक युवक ने गोलीबारी कर दी,जिसमें तीन युवक घायल हो गए । घायलों की पहचान नोक परासी गांव निवासी सत्येंद्र कुमार,लल्लू कुमार और शरद यादव के रूप में हुई है । तीनों को स्थानीय लोगों की सहायता से बिक्रमगंज नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उनका उपचार जारी है । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी । पुलिस ने गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है । सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज संकेत कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं,जिनका इलाज चल रहा है । उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है । आगे की कानूनी कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है ।

पुलिस ने अलग-अलग कांडों में 11 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज / रोहतास। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 738/25 के अभियुक्त ग्राम डिहरा से गीता देवी पति शिवजी सिंह,कलावती देवी पति राम सूरत सिंह,फुलवरी पति राम सेवक सिंह,रिंकू देवी पति सुमेश्वर सिंह व सविता देवी पति दिनेश सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । वहीं दूसरी ओर नासरीगंज थाना कांड संख्या 367/25 के अभियुक्त ग्राम महदेवा से जितेंद्र पासवान पिता रघुनी पासवान, पन्नालाल पासवान पिता जितेंद्र पासवान,राहुल पासवान पिता सत्यालाल पासवान,दीपक पासवान पिता स्वर्गीय रामप्रवेश पासवान,आकाश पासवान पिता रामू पासवान एवं विकास पासवान पिता छोटेलाल पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार सभी 11 अभियुक्तों को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ,घाटों पर उमड़ी श्रद्धा की लहर

काराकाट/ रोहतास। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शनिवार से नहाय-खाय के साथ विधिवत रूप से शुरू हो गया । इसी के साथ पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल व्याप्त हो गया है । घर-घर में पवित्रता,स्वच्छता और उल्लास का वातावरण देखते ही बन रहा है । सुबह से ही श्रद्धालु महिलाएं गंगाजल या पवित्र नदी-तालाब के जल से स्नान कर घर लौटीं और सात्विक भोजन कद्दू-भात बनाकर छठी मैया की पूजा- अर्चना की । इस अवसर पर घरों में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा गया । महिलाएं पूजा स्थल की सजावट में जुटी रहीं,वहीं पुरुषों ने घाटों की सफाई और प्रकाश व्यवस्था में योगदान दिया । चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत में रविवार को खरना,सोमवार को संध्या अर्घ्य और मंगलवार को उषा अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन होगा । छठ व्रत के दौरान व्रती महिलाएं निराहार रहकर भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना करती हैं,जिससे परिवार में सुख-समृद्धि और आरोग्यता बनी रहे । शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी छठ घाटों की साफ-सफाई पूरी कर ली गई है । प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा और स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है । एसडीएम प्रभात कुमार और एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो । पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल में इस समय केवल एक ही भाव नजर आ रहा है भक्ति,आस्था और पवित्रता का संगम छठ महापर्व ।

जिला प्रशासन ने लिया महत्वपूर्ण निर्णय

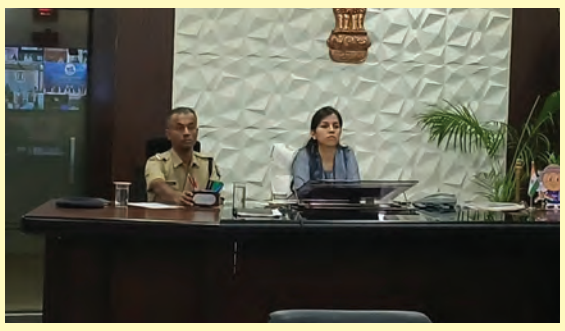

सासाराम (रोहतास)। छठ महापर्व को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जनहित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जानकारी के लोहे, स्टील एवं पीवीसी पाइप में विस्फोटक पदार्थ भरकर बनाए जाने वाले अवैध पटाखे कार्बाइड गन जैसे पटाखों से लोगों के घायल होने, बच्चों की आंखों की रोशनी जाने एवं चेहरे झुलसने जैसी गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। साथ ही इनसे पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। जनसुरक्षा एवं सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला पदाधिकारी, रोहतास ने निर्देश जारी किया हैं कि – कार्बाइड गन पटाखों का भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित लगाया गया ही। इनके दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा।

छठ महापर्व के अवसर पर सुरक्षा एवं भीड़-प्रबंधन के दृष्टिकोण से छठ घाटों पर किसी भी प्रकार के पटाखों की बिक्री एवं उपयोग पर सख्त पाबंदी लागू रहेगी। जिला प्रशासन सभी लोगों से अपील करता है कि छठ पर्व की पवित्रता और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्बाइड गन व अन्य पटाखों का उपयोग न करें और प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

सीआईएसएफ के जवानों ने शतचंडी सरोवर घाट पर की साफ-सफाई

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

स्वच्छ भारत मिशन का दिया संदेश , आकर्षक के बने केन्द्र

लोकतंत्र के महापर्व बिहार विधानसभा चुनाव के आगाज के साथ- साथ आस्था का महापर्व छठ पूजा शनिवार से नहाय - खाय से शुरूआत हो गया। वहीं सिद्धेश्वर नाथ शिवमन्दिर के पीछे शतचंडी सरोवर घाट व उल्का यूथ क्लब परिसर का सीआईएसएफ के जवानों ने हाथ में झाड़ू , फरसा लेकर सरोवर घाट के सदस्यों के साथ साफ - सफाई किया। वहीं जवानों को साफ - सफाई करते देख लोग स्तब्ध रह गए। वहीं सीआईएसएफ कंपनी 502 / ए कमांडर नमो नारायण सिंह यादव , हेड कांस्टेबल नसीम खान , हरेंद्र सिंह, आरती गुप्ता , एएसआई जय प्रकाश, टिकम सिंह सहित कई जवानों ने बताया कि भारत स्वच्छ मिशन के तहत पूरे भारत को साफ रखना ही मुख्य उद्देश्य है।

वहीं आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर लोगों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करना ही मुख्य उद्देश्य है। वहीं छठ पूजा सूर्य भगवान भास्कर को अर्घ्य देने का महापर्व है। तमाम इस पूजा में आस्था व विश्वास रखने वाले लोगों को सार्वजनिक स्थलों की सफाई करनी चाहिए ताकि चार दिवसीय महापर्व स्वच्छता पूर्वक सम्पन्न हो सकें। शतचंडी सरोवर घाट पर सीआईएसएफ के साथ शतचंडी सरोवर घाट व्यवस्थापक सत्येंद्र नारायण यादव,अध्यक्ष सुभाष सिंह, अजीत सिंह यादव, अजय यादव ,रवि रंजन वर्मा, धर्मवीर सोनी, कपिल सोनी ने कहा कि सीआईएसएफ के जवानों ने जिस तरह अपने कार्यों का निर्वहन करते हुए छठ पूजा घाट पर साफ सफाई किया है हम सभी उन्हें दिल से सैल्यूट करते हैं। वहीं उल्का यूथ क्लब नहर व शिवमन्दिर के प्रांगण में भी जवानों ने साफ - सफाई कर स्वच्छता के प्रति मिशाल कायम किया। वहीं उल्का यूथ क्लब अध्यक्ष श्रीमन्नारायण सिंह , नरेंद्र कुमार सिंह, दीपक रंजन वर्मा, आदर्श राज, ज्योति प्रकाश, विवेक कुमार सिंह , शैलेन्द्र गुप्ता सहित कई सदस्यों ने सीआईएसएफ के जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी सराहनीय योगदान देते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक प्रेम, सौहार्द का मिशाल लोगों के हर जुबां पर चर्चा करते देखा गया।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की कंपनियों ने फ्लैग मार्च किया

निज संवाददाता। तिलौथू (रोहतास)

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु शनिवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) की कंपनियों ने रोहतास जिले के अमझोर थाना क्षेत्र के सरैया, रामडीहरा, चुरेसर सहित कई क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। साथ ही चेकिंग अभियान भी चलाया गया। जिला प्रशासन की ओर से यह अपील की गई है कि 11 नवंबर को आम मतदाता बिना किसी भय या संकोच के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, अनुशासनहीनता या हिंसक गतिविधि पर सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

छठ महापर्व को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज, बिक्रमगंज एसडीएम ने किया मोथा सरोवर का निरीक्षण

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

छठ महापर्व को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर है। इसी क्रम में बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने शनिवार को काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मोथा के 52 बीघा क्षेत्र में फैले ऐतिहासिक छठ पूजा सरोवर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरोवर परिसर की साफ-सफाई,सुरक्षा व्यवस्था,बैरिकेडिंग,प्रकाश व्यवस्था एवं घाट तक पहुंचने वाले मार्गों का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह,सीओ डॉ. रितेश कुमार,राजस्व अधिकारी ध्रुव कुमार सहित कई अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे । एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। इसमें लाखों श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं,इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि घाटों की साफ-सफाई,सुरक्षा एवं बिजली-पानी की समुचित व्यवस्था समय पर पूरी कर ली जाय। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । वहीं दूसरी ओर सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र में भी प्रशासनिक मुस्तैदी देखने को मिली । सूर्यपुरा सीओ गोल्डी कुमारी एवं थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा एवं नोनहर छठ पूजा सरोवर का बारीकी से निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने घाटों की स्थिति, आवागमन मार्ग,रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की । सीओ गोल्डी कुमारी ने कहा कि सूर्यपुरा एवं नोनहर के सभी घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं ।

महिलाकर्मियों सहित पुलिस बल की तैनाती की जाएगी,ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर पूजा-अर्चना कर सकें ।वहीं थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि छठ घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। पेट्रोलिंग दल एवं क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात रहेगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके । प्रशासन की तत्परता को देख श्रद्धालुओं में संतोष की लहर है । सभी अधिकारी एक स्वर में कह रहे हैं कि इस बार छठ महापर्व शांतिपूर्ण,सुरक्षित और स्वच्छ माहौल में संपन्न होगा।

काराकाट में अज्ञात वृद्ध महिला का शव मिला

♦ पुलिस पहचान में जुटी, मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की आशंका

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वृद्ध महिला का शव बरामद हुआ है। करूप बाजार की नहर में ग्रामीणों ने शव देखा, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, करूप बाजार की नहर में कुछ ग्रामीणों ने शव देखा था। ग्रामीणों के माध्यम से पुलिस को अज्ञात शव मिलने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही काराकाट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।

मौके पर काराकाट अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार, एसआई श्याम किशोर और अन्य पुलिस बल भी पहुंचे। अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि महिला की उम्र लगभग 50-55 वर्ष प्रतीत होती है। ग्रामीणों के अनुसार, महिला को पहले भी एक-दो बार गांव के आसपास घूमते देखा गया था। ग्रामीणों का मानना है कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रवृत्ति की थी। नहर के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि यह बड़ी नहर से चिल्हा (श्रीनगर) होते हुए छोटी नहर में बदल जाती है, और चिल्हा काराकाट प्रखंड क्षेत्र में ही पड़ता है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शव की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस हर एक एंगल से मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, शव काराकाट प्रखंड क्षेत्र का ही होने की आशंका जताई जा रही है। खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हुई है।

बसडीहा में सुनील बैठा के घर की कुर्की-जब्ती, पुलिस की सख्त कार्रवाई

निज संवाददाता। दिनारा /रोहतास

भानस थाना क्षेत्र के बसडीहा गांव में पुलिस ने कुर्की- जब्ती की कार्रवाई की है । यह कार्रवाई बसडीहा निवासी मुन्ना बैठा के पुत्र सुनील बैठा के घर पर की गई है । मिली जानकारी के अनुसार कुर्की-जब्ती की कार्रवाई अपर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की देखरेख में की गई । इस दौरान पीएसआई सोनू कुमार,एएसआई सुनील कुमार राय सहित पुलिस बल के जवान मौके पर मौजूद रहे । पुलिस ने विधि-व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण तरीके से कार्रवाई संपन्न कराई । इस संबंध में थानाध्यक्ष विजय बैठा ने बताया कि संबंधित मामले में सासाराम न्यायालय के आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की गई है । उन्होंने कहा कि फरार अभियुक्तों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

छठ पूजा को लेकर विद्युत विभाग ने नियंत्रण कक्ष का किया गठन

निज संवाददाता। बिक्रमगंज/रोहतास।

विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज के सभी विद्युत शक्ति उपकेंद्रों मे छठ पूजा को लेकर नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि आस्था के चार दिवसीय छठ महापर्व पर छठ व्रतियों को छठ घाटों पर विद्युत सम्बंधित किसी तरह की परेशानी न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्युत अनुरक्षण एवं संपोषण संबंधित कार्यों का निरीक्षण हेतु छठ घाटों पर भी कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है, जो नियंत्रण कक्ष से समन्वय स्थापित करते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने में सहयोग करेंगे। बता दें की विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी किसी भी प्रकार के समस्या हेतु नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर पर संपर्क कर सकते हैं।

विद्युत विभाग द्वारा जारी नियंत्रण कक्ष का नम्बर

बिक्रमगंज : 7763818167
नोनहर : 9264195188
दावथ : 7763818171
कोआथ : 9264195186
दिनारा : 7260813326
लिलवछ : 9264195187
नटवार : 9264437097
सूर्यपुरा : 7260813327
संझौली : 7260813328

दरिहट थाना द्वारा की गई सख्त करवाई

निज संवाददाता। डेहरी ऑन सोन (रोहतास)

ग्राम भुसहुला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान विधि-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले कुछ असामाजिक तत्वों के विरुद्ध दरिहट थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई।पुलिस द्वारा की गई तत्पर कार्रवाई में निम्नलिखित व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है —1. सुरेश सिंह यादव, पिता स्व. किशुन सिंह 2. उदय सिंह यादव, पिता सुरेश सिंह 3. राम लखन सिंह, पिता स्व. किशुन सिंह 4. अजय सिंह यादव, पिता सुरेश सिंह 5. अखिलेश कुमार सिंह, पिता राम लखन सिंह 6. दीपक कुमार, पिता धनंजय सिंह7. रोहित कुमार, पिता अजय सिंह यादव 8. ओम प्रकाश कुमार उर्फ गोरख, पिता उमेश सिंह 9. निरंजन कुमार, पिता उमेश सिंह 10. रमेश कुमार सिंह, पिता बाबूलाल सिंह11. विकास कुमार, पिता जुगल सिंह उक्त सभी व्यक्तियों के विरुद्ध दरिहट थाना कांड संख्या 38/25, दिनांक 23.10.2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनके खिलाफ BNSS की धारा 126/170 के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें अनुमंडल दंडाधिकारी, डेहरी के समक्ष प्रतिबंधित किए जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है। दरिहट थाना प्रभारी ने बताया कि त्योहारों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिक्रमगंज में छठ व चुनाव को लेकर पुलिस हुई अलर्ट

तेंदुनी चौक, सलेमपुर पुल पर वाहनों की सघन जांच

निज संवाददाता। दिनारा /बिक्रमगंज

छठ महापर्व और विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक सतर्कता चरम पर है । इसी कड़ी में बिक्रमगंज नगर के तेंदुनी चौक सलेमपुर पुल पर स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी एसआई राजेंद्र कुमार एवं प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सीआरपीएफ व स्थानीय पुलिस बल ने संयुक्त रूप से सभी वाहनों की सघन जांच की । तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात,डिक्की व अन्य संदिग्ध वस्तुओं की बारीकी से जांच की । मौके पर एसआई राजेंद्र कुमार ने बताया कि यह जांच वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर छठ महापर्व की सुरक्षा और विधानसभा चुनाव में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की जा रही है । उन्होंने कहा कि त्योहार व चुनाव दोनों के दौरान कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी । एसआई प्रवीण कुमार ने भी कहा कि सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है । हर आने-जाने वाले वाहन पर पैनी नजर रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो सके । उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रशासनिक जांच में पूरा सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें । छठ पर्व की आस्था और चुनावी माहौल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की यह सतर्कता आम लोगों में विश्वास और शांति का संदेश दे रही है ।

संक्षिप्त समाचार

छठ को लेकर सजा बाजार,उमड़ने लगी खरीददारों की भीड़

अररिया। 25 अक्टूबर(हि.स.)। लोक आस्था और प्रकृति को पूरी तरह से समर्पित महापर्व छठ को लेकर बाजार सज गया है।छठ पूजा में लगने वाली सामग्री डाला,सूप के साथ फल फूल,मिट्टी के बर्तन और अन्य समानों का बाजार विभिन्न स्थानों पर सज गया है।जहां छठ पर्व के समानों की खरीददारों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है।अररिया के चांदनी चौक, काली मंदिर चौक,बस स्टैंड चौक,जीरो माइल चौक पर छठ पर्व को लेकर सैकड़ों दुकानें लग गई है। फारबिसगंज में फैंसी मार्केट,स्टेशन चौक,कृषि उत्पादन बाजार समिति का प्रांगण सहित सड़क पर सैकड़ों दुकान लगी है।जहां छठव्रती छठ के समानों की खरीददारी के लिए पहुंच रहे हैं। अन्य वर्षों की अपेक्षा समानों की बढ़ी कीमत के बावजूद महंगाई पर आस्था भारी है और श्रद्धालु मोलभाव कर केला का घोर,फल,हल्दी का पौधा,ईख,सिंदूर, अत्ता पत्ता,बद्दी और मिट्टी के दीप और अन्य समानों की खरीददारी में तल्लीन हैं।कृषि उत्पादन बाजार समिति के फल मंडी में थोक खरीददारी को लेकर भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है। लोक आस्था का महापर्व छठ पूरी तरह से प्रकृति को समर्पित है और प्रकृति द्वारा प्रदत्त फल फूल और अन्य समानों के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना के साथ मनाया जाता है। हिन्दी पट्टी क्षेत्र सहित आज पूरे देश में छठ के प्रति लोगों में आस्था बढ़ी है और चार दिनों का यह अनुष्ठान नहाय खाय के साथ ही आज शुरू हो गया है।कल रविवार को खरना है, जहां छठ व्रती फल फूल खीर का साथ पूजा अर्चना कर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण 36 घंटे का निर्जला व्रत की शुरुआत करेंगे। सोमवार को नदी,तलब और पोखर में पानी में आराधना करते हुए डूबते हुए भगवान भास्कर और फिर अगले दिन मंगलवार को उगते हुए सूर्य अर्थात भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान करेंगे।छठ को लेकर प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं।घाटों के निर्माण से लेकर रोशनी और साफ सफाई की व्यवस्था की जा रही है।पूरा वातावरण छठ के गीतों से गुंजायमान है।बाजार में छठ को लेकर विशेष चहल पहल है।छठ को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

137 ग्राम स्मैक के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार,एसएसबी ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ की कार्रवाई

अररिया। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं बटालियन के विशेष छापेमारी टीम ने निरीक्षक प्रवीण प्रभाकर के नेतृत्व में रामपुर उत्तर गांव में पप्पू कुमार के घर पर छापेमारी कर 137 ग्राम स्मैक के साथ नौ मोबाइल,एक हीरो स्कूटी और नगद 3340 रूपये बरामद किए। मामले में पुलिस ने नशे के कारोबारी रामपुर उत्तर वार्ड संख्या 8 के रहने वाले 25 वर्षीय पप्पू कुमार पिता देवनारायण बहरदार और 26 वर्षीय रामपुर उत्तर वार्ड संख्या 3 के रहने वाले मो.अब्दुल पिता मो.मंजूर को गिरफ्तार किया।एसएसबी की ओर से यह कार्रवाई बीती मध्य रात्रि गुप्त सूचना पर की गई।हालांकि बाद में एसएसबी ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ मजिस्ट्रेट के तौर पर अंचलाधिकारी पंकज कुमार को भी सूचना दी।जिसके बाद सीओ पंकज कुमार के साथ फारबिसगंज थाना से सब इंस्पेक्टर सत्येन्द्र कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और संयुक्त रूप से तलाशी के क्रम में यह कामयाबी हासिल की। कार्रवाई के क्रम में गिरफ्तार दोनों के पास से 137 ग्राम स्मैक,छह एंड्रॉयड फोन,दो कीपैड फोन,एक आईफोन,भारतीय नगद 3340 रूपये बरामद किए गए।स्मैक को लेकर रात में पहुंचे मो.अब्दुल के हीरो स्कूटी संख्या बीआर 38 यू 5925 भी जब्त किया।जब्त समानों की जब्ती सूची मजिस्ट्रेट सीओ पंकज कुमार के समक्ष बनाकर फारबिसगंज थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मामले को लेकर फारबिसगंज थाना में कांड संख्या 546/25 धारा 8(सी),21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।एसएसबी जवानों और फारबिसगंज थाना पुलिस ने नशे के दोनों सौदागरों को भागने के क्रम में खदेडकर पकड़ा।छापेमारी में एसएसबी के निरीक्षक प्रवीण प्रभाकरक अलावा 13 अन्य जवान,श्वान दस्ता टीम,फारबिसगंज थाना के सब इंस्पेक्टर सत्येन्द्र कुमार गुप्ता और सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे।दोनों गिरफ्तार नशे के सौदागरों को कांड दर्ज होने के बाद जेल भेज दिया गया है।

गोली मारने के बाद भी सुरखीकल चौक पर दिन भर डटे रहे अपराधी

भागलपुर| गोलीबारी की घटना के बाद अपराधी तिलकामांझी चौक स्थित सुरखीकल मोड़ के पास एक चाय की दुकान पर जुटे। उसने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि टाइगर से हमलोगों की दोस्ती थी। इसीलिए मदद मांगी। जब केला वाले से झगड़ा हुआ तो उसने सहयोग न कर, उल्टे पुलिस को बताया कि यह अपराधी का भाई है। इसीलिए उसके घर समझाने गए तो टाइगर डंडा निकालने घर घुस गया। उसका बड़ा भाई बाहर आया तो डायलॉग देने लगा। हमलोग खाली हाथ तो गए नहीं थे, डंडा निकालने गया तो हम कॉल करके अपने भाई को बुला लिए। तिलकामांझी थाने के एक एसआई ने बताया कि सूर्या अपने घर पर खूंखार कुत्ता पालता है। एक बार पुलिस उसके घर छापेमारी करने गयी थी तो सूर्या के कुत्ते ने पुलिस पर हमला कर दिया था। जिसमें एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे। तिलकामांझी पुलिस ने कहा कि हमलोगों ने मारपीट के मामले में किसी का इलाज सुबह नहीं कराया। बरारी थानाध्यक्ष बिट्टू कमल ने भी इससे इनकार किया। पुलिस ने बताया कि अपराधियों की तलाश की जा रही है। ऐसे में सवाल है कि अपराधी को सुबह पुलिस ले गई तो इलाज किसने कराया?
▮ मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस कार्रवाई करेगी। इसे गंभीरता से लेकर हर बिदुंओं पर जांच की जा रही है। - विवेक कुमार, रेंज आईजी
▮ संबंधित अपराधी पर सीसीए का प्रस्ताव दिया गया है या नहीं, पुलिस अधिकारी से बात करेंगे। इसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। -डॉ. नवल किशोर चौधरी, डीएम अपराधी सूरज तांती, उसकेभाई अशोक तांती और सुरखीकल के मिथुन यादव को पकड़ा गया है। सूरज पर बरारी थाने में तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। अशोक तांती पर एक मामला दर्ज है।

अंडर-14 बालिका फुटबॉल में डीएवी की टीम उपविजेता बनी

भागलपुर| डीएवी राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, बरारी के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कराटे प्रतियोगिता (डीएवी सीआरआरसी, गया) में अंडर-14 बालिका समूह (46 किलो से कम वजन वर्ग) में कक्षा छठी की अद्रिजा श्री ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रजत पदक जीता। वहीं अंडर-14 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में डीएवी भागलपुर की टीम ने उपविजेता बनकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस प्रतियोगिता के लिए साक्षी कुमारी, बेबी हेम्ब्रम, आरुषी राज, अदिति जोशी, शांभवी कुमारी, सपना कुमारी, चाहत कुमारी और साक्षी कुमारी का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ। वहीं अंडर-19 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता, जो डीएवी इटवानगर, बेगूसराय में आयोजित हुई। इसमें डीएवी भागलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रीय स्तर के लिए दीपाली कुमारी, कमल रानी, दिया सिंह, मोनिका कुमारी, तान्या सिंह, साक्षी संगम, अनन्या आर्या, सोनी हेम्ब्रम और मुस्कान कुमारी का चयन किया गया। इसी प्रकार, 100 मीटर दौड़ (अंडर-17 बालक वर्ग) में पंकज कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया। वेटलिफ्टिंग (अंडर-17, 55 किलोग्राम वर्ग) में श्रेया श्री ने स्वर्ण पदक जीता।

मालवीय मिशन की इकाई के गठन का प्रस्ताव सौंपा

भागलपुर। महामना मालवीय मिशन की भागलपुर अंग क्षेत्र इकाई के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए इस मुहिम से जुड़े गुड्डू सिंह दिल्ली में मिशन के कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर सिंह से मिले और उन्हें प्रपत्र सौंपा। मिशन की भागलपुर इकाई के गठन का भार काशी हिंदू विवि के पूर्ववर्ती छात्रों ने लिया है। इसमें टीएमबीयू के 39 शिक्षक हैं। भागलपुर का कार्य क्षेत्र अभी पटना से संचालित होता है। जबकि भागलपुर और इसके आसपास के 10 जिलों में काशी हिंदू विवि के लगभग 200 पूर्ववर्ती छात्र हैं। मुहिम के संयोजक टीएमबीयू के शिक्षक डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि मिशन की इकाई में अलग कार्यालय और ग्रंथालय की स्थापना होगी। इस इकाई के लिए आजीवन संरक्षक रहने वाले संरक्षक मंडल का गठन किया जाएगा। इस इकाई का कार्य क्षेत्र संपूर्ण दक्षिण बिहार होगा।

घर से जेल तक गूंजे छठ गीत

निज संवाददाता। बेगूसराय

- 51 कैदी रखेंगे व्रत, नहाय-खाय के साथ महापर्व की शुरुआत, सिमरिया-झमटिया घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़

बेगूसराय में सुचिता, आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। जिले के सिमरिया और झमटिया घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चार दिवसीय महापर्व के पहले दिन व्रतियों ने स्नान कर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की। नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। स्नान और पूजा के बाद सबसे पहले छठ में प्रसाद बनाने के लिए गेहूं-चावल धोकर ओखली में कूटकर सुखाया। इसके बाद अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी ग्रहण किया। छठ को लेकर गांव से लेकर जेल के अंदर तक लोकगीतों की धूम मची हुई है। गांव से शहर तक का हर घर भक्ति में लीन है।

जेल में 51 कैदी कर रहे छठ पूजाः छठ में सामाजिक समरसता का शानदार उदाहरण देखने को मिल रहा है। हिंदू धर्मावलंबियों के इस महापर्व में मुस्लिम समुदाय के लोग सामान बेच रहे हैं। जेल में भी छठ गीतों के धूम के साथ व्रत की तैयारी चल रही है। सभी व्रती द्वारा गाए जा रहे लोकगीत से जेल का वातावरण भक्तिमय हो गया है। जेल सुपरिटेंडेंट ने बताया कि 27 महिला और 24 पुरुष कैदी छठ कर रहे हैं। सभी 51 व्रतियों को नया कपड़ा एवं पूजा सामग्री मुहैया कराया गया है। अर्घ्य देने के लिए तालाब और सुचिता के विशेष बंदोबस्त किए गए हैं। लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन रविवार को सभी व्रती निराहार रहकर देर शाम में खरना करेंगे। सोमवार को सूर्यास्त के समय अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा।

गिरिराज सिंह ने दी बधाईः केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह ने प्रदेशवासियों की छठ की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि गंगा मां, सूर्य देव और छठ मैया सब पर अपनी कृपा बरसाएं। छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। यह आस्था की यात्रा का पहला कदम है, जहां पवित्रता जीवन और मातृशक्ति के सम्मान में समर्पित होती है।

छठ घाट बनाते समय किशोर की मौत

निज संवाददाता। बांका

बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विशनपुर पंचायत के पतवैय चांदन नदी में शनिवार को छठ घाट बनाने के दौरान पैर फिसलने से चार किशोर नदी में डूब गए। इस हादसे में मंझगांय गांव निवासी श्रवण दास का बेटा पियुष कुमार (16) की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य किशोर बिट्टू कुमार उर्फ मंटून दास, नितेश दास और विकास दास को ग्रामीणों की तत्परता से बचा लिया गया। तीनों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल और निजी क्लिनिक में कराया गया। छठ पर्व को लेकर घर में उल्लास का माहौल था पीयूष की मौत के बाप से घर सहित गांव में मातम पसर गया है। छठ की खुशियां मातम में बदल गई है। ग्रामीणों के अनुसार, चारों किशोर छठ घाट बनाने के बाद नहाने के लिए नदी में उतरे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए। किशोरों के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और 3 को किसी तरह बाहर निकाल लिया, जबकि पियुष गहरे पानी में डूब गया। मौके पर पहुंचे पंचायत के मुखिया का बेटा ठाकुर अंशुमान सिंह सहित ग्रामीणों ने अथक प्रयास कर पियुष को बाहर निकाला और रेफरल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक डॉ. दिवाकर सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

पोस्टमॉर्टम के लिए बांका भेजा गया शवः घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की मां बेबी देवी के विलाप से अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया।

16 साल की छात्रा ने लगाई फांसी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में 16 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सच्चितानंद दास की पुत्री अनुष्का कुमारी के तौर पर हुई है। इंटर सेकंड ईयर की स्टूडेंट थी। घटना सबौर थाना क्षेत्र की है। भाई रंजित ने बताया कि शुक्रवार देर रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। सुबह काफी देर तक उसका कमरा बंद था। परिवार के सदस्यों ने खिड़की से झांक कर देखा। फंदे से लटकी हुई थी। घर में किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ था और फांसी लगाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। तुरंत डायल-112 को सूचना दी गई। मौके पर टीम ने स्थानीय पुलिस को बुलाया। जांच के लिए FSL की टीम भी पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

गांव में प्रेम-प्रसंग की चर्चाः वहीं, ग्रामीणों का कहना है लड़की किसी से फोन पर बात करती थी। कई बार बहस करते हुए भी देखा है। शायद मोबाइल पर ही किसी से अनबन हुआ था। गांव में प्रेम-प्रसंग में खुदकुशी की चर्चा है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने फोन जब्त कर लिया है।

जांच में जुटी पुलिसः विधि व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार ने बताया कि सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से आवेदन दिया गया है। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घुटने भर गाद में घुसकर महिलाओं ने किया स्नान

निज संवाददाता। भागलपुर

- भागलपुर में गंगा घाट पर व्रतियों की भीड़, सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ और आपदा मित्र की तैनाती

भागलपुर में लोक आस्था के महापर्व छठ की विधिवत शुरुआत नहाय-खाय के साथ हुई। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक गंगा घाटों और घरों में भक्ति का माहौल नजर आया। गंगा तट पर व्रतियों ने स्नान किया। घर में पारंपरिक तरीके से चने की दाल, कद्दू-भात प्रसाद के तौर पर तैयार किया। सुबह से ही गंगा घाटों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर बरारी घाट, कुप्पाघाट, नाथनगर, तीन पुल टोला पर श्रद्धालु नहाय-खाय के लिए पहुंचे। जिला प्रशासन की ओर से घाटों की सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। नगर निगम ने सफाई कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की है। आपदा मित्र और SDRF की टीमों को भी घाटों पर तैनात किया गया है। ताकि किसी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों नारायणपुर, सुल्तानगंज, सबौर और गोपालपुर में भी श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ नहाय-खाय की परंपरा निभाई। स्थानीय बाजारों में पूजा सामग्री, सूप-दौरा, नारियल, केला और फल की खरीदारी से रौनक बढ़ गई है। छठ पर्व को लेकर घरों में खास तैयारी की जा रही है। व्रती कल खरना की पूजा करेंगी, जिसके बाद अगले दो दिनों तक निर्जला व्रत रखकर अस्ताचलगामी और उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देंगी।

व्रतियों को परेशानियों का सामना करना पड़ाः जिलेभर के कई घाटों से कुव्यवस्था की भी तस्वीरें सामने आई है। बरारी सीढ़ी घाट पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह गाद जमा हुआ है। नारायणपुर में कमर भर घाटों पर गाद जमा हुआ है। जिससे महिला व्रती को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

समय पर काम पूरा नहीं हुआः डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी और एसएसपी आनंद कुमार ने कई घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए थे। लेकिन, व्रत शुरू होने के बाद भी ठेकेदार ने समय पर काम पूरा नहीं किया।

एनडीए के चुनावी कार्यालय के उद्घाटन में महिलाओं का टूटा सब्र

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज दीनदयाल चौक पर भाजपा प्रत्याशी विद्यासागर केशरी के चुनावी कार्यालय के शुभारंभ का समय चार बजे निर्धारित था।एनडीए के चुनावी कार्यालय के उद्घाटन को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी कार्यालय पहुंची थी।सुबह से ही इंतजार करते करते जब महिलाओं और अन्य लोगों का सब्र का बांध टूट गया तो महिलाओं ने कुर्सियों पर ही हाथ फेरना शुरू कर दिया। दरअसल महिलाएं छठ पर्व पर साड़ी और अन्य पूजन सामग्री मिलने की आशा लगाई हुई थी और इसके लिए सुबह से ही इंतजार किया जा रहा था।चार बजे उद्घाटन का समय निर्धारित था।चार बजने के बाद भी जब नेतागण चुनावी कार्यालय का उद्घाटन के लिए नहीं पहुंचे तो महिलाओं के सब्र का बांध जवाब दे दिया और महिलाएं कुर्सी उठाकर गाली गलौज करते हुए निकल गई।हालांकि बाद में मौजूद स्थानीय कार्यकर्ताओं और टेंट हाउस वालों ने महिलाओं को ऐसा करने पर रोक दिया लेकिन तब तक कई महिलाएं कुर्सी को अपने माथे पर उठाकर चलते बने। कुर्सी ले जा रही महिला रेखा देवी, निर्मला देवी आदि ने बताया कि गांव में उनलोगों को कहा गया था कि विधायक जी के चुनाव के कार्यालय का उद्घाटन होगा और इस मौके पर छठव्रतियों के बीच साड़ी,सूप,फल आदि का वितरण किया जाएगा लेकिन यहां दिनभर भूखे प्यासे हमलोगों को छोड़ दिया गया है और कोई सुध नहीं लिया जा रहा। वहीं खमकोल पोटरी की ममता देवी,सावित्री देवी,कुशमाहा की नम्रता देवी, नयना देवी का कहना था कि कुछ लोगों को बीच साड़ी का वितरण किया गया,लेकिन उनलोगों को नहीं दिया गया।इसलिए कुर्सी उठाकर ही चल दी है। हरिपुर की चंचला देवी,पार्वती देवी,लक्ष्मी देवी आदि ने बताया कि उनलोगों ने टेम्पो भाड़ा कर इस आशा में आई थी कि यहां छठ का समान मिलेगा,लेकिन यहां से खाली हाथ जाना पड़ रहा है।

तालाब से महिला का शव मिला

निज संवाददाता। भागलपुर

- घर से मवेशियों के लिए चारा लाने गई थी, पैर फिसलने से गहरे पानी में चली गई

भागलपुर में तालाब से एक महिला का शव मिला है। पानी में डूबने से मौत की आशंका है। मृतका की पहचान भतोड़िया गांव निवासी अरविंद यादव की पत्नी ललिता देवी(42) के तौर पर हुई है। घटना मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र की है। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है।

मवेशियों के लिए चारा लाने गई थीः अरविंद यादव ने बताया कि ललिता देवी शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे पशुओं के लिए चारा (घास) काटने गई थी। शाम तक घर नहीं लौटी। अपने स्तर से काफी खोजा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। शनिवार सुबह ग्रामीण जब शौच के लिए तालाब के पास गए, तो शव पानी में तैरता हुआ मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जांच में जुटी पुलिसः मधुसूदनपुर थानाध्यक्ष सफदर अली ने बताया कि महिला घास काटने के लिए घर से निकली थी। करीब 20 फीट गहरे गड्ढेनुमा तालाब में पैर फिसलने से गिर गई। पानी में डूबने से मौत हो गई। इस मामले में छानबीन की जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान से 30 मोबाइल बरामद

निज संवाददाता। बांका

बांका पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 गुमशुदा या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया गया। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 6 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने की। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत महंगे मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस टीम ने तकनीकी साधनों का उपयोग कर बांका सहित बिहार और अन्य राज्यों में छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप 30 मोबाइल फोन बरामद हुए।

धारकों ने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त कियाः मोबाइल फोन वापस मिलने पर धारकों ने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पुलिस की तत्परता की सराहना की। एसपी ने बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा, ताकि आम जनता की गुम या चोरी हुई संपत्ति उन्हें वापस मिल सके।

कुल 30 लोग थे शामिलः इस अवसर पर जिन मोबाइल धारकों को उनके फोन लौटाए गए, उनमें विकास कुमार, संतन कुमार, ध्रुव कुमार, उत्तम कुमार, मनोरंजन कुमार, दिलीप कुमार मोदी, विपुल कुमार मिश्रा और सौरभ कुमार सहित कुल 30 लोग शामिल थे। इस अभियान में तकनीकी शाखा के प्रभारी राजेश कुमार, सुशील राज, अक्षय कुमार, प्रभात कुमार, सोनू कुमार के साथ-साथ विभिन्न थानों के थाना अध्यक्षों और पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

100 से अधिक साल पुरानी सूर्य मंदिर आस्था का केंद्र

निज संवाददाता। बांका

बांका में शनिवार से लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। व्रतियों ने परंपरा के अनुसार कद्दू-भात और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही विभिन्न छठ घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बौसी प्रखंड के मंदार पर्वत स्थित पपहरणी सरोवर में सबसे अधिक भीड़ देखी गई, जहां भक्तों ने स्नान कर सूर्य देव की पूजा-अर्चना की। पापहरणी सरोवर में हजारों छठ व्रतियों ने स्नान किया। सुबह से ही छठ घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस दौरान पुलिस प्रशासन भी छठ घाटों पर मुस्तैद दिखे। शंभूगंज प्रखंड में स्थित 100 साल से अधिक पुराना सूर्य मंदिर इस महापर्व का प्रमुख आस्था केंद्र बना हुआ है। यहां छठ व्रत की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, और मंदिर में विशेष धार्मिक माहौल देखा जा रहा है। व्रतियों ने परंपरागत रूप से गाय के गोबर से चूल्हे की निपाई-पुताई कर स्वच्छता के साथ पूजा का शुभारंभ किया।

छठ पर्व की विशेष तैयारीः कुर्मा पंचायत के कुर्माडीह निवासी अंजू देवी ने बताया कि वह पिछले 31 वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ छठ व्रत कर रही हैं। शंभूगंज प्रखंड के कमड्डी गांव में स्थित पुरानी सूर्य मंदिर और देवलोक सूर्य मंदिर में भी छठ पर्व की विशेष तैयारियां की गई हैं। पुरानी छठ पूजा समिति के व्यवस्थापक लक्ष्मण मंडल और पुजारी मुकेश मंडल ने बताया कि यह मंदिर लगभग सौ वर्ष से अधिक पुराना है। यहां संध्या अर्घ्य से तीन दिनों तक मेला और भक्ति जागरण का आयोजन होता है।

छठ मैया से मांगी गई मनोकामना होती पूरीः पश्चिम टोला स्थित देवलोक छठ मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने जानकारी दी कि 1998 में मंदिर की स्थापना के बाद से यहां निरंतर पूजा-अर्चना की जा रही है। श्रद्धालुओं का मानना है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं छठ मैया पूरी करती हैं। दोनों टोले के ग्रामीण एकजुट होकर इस पर्व का आयोजन करते हैं। बांका जिले में छठ पर्व को लेकर जन-जन में उत्साह का माहौल है। घाटों की सफाई, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। महापर्व की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

संक्षिप्त समाचार

एनडीए प्रत्याशी विशाल के समर्थन में कई जगह कार्यक्रम

आरा| राजग समर्थित भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन शुक्रवार को पीरो, तरारी एवं सहार प्रखंड में पूर्व विधायक डॉ. नरेंद्र पांडेय उर्फ सुनील पांडेय ने किया। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि एक-एक मतदाता के पास जाकर वोट देने का आग्रह करना है। बूथ स्तर पर सघन जन सम्पर्क अभियान चलाना है। इन्होंने युवा कार्यकर्ताओं को कहा कि आपकी जिम्मेवारी और ज्यादा है। चुनाव में तन-मन से लग जाइए। इस मौके पर सुनील सिंह व अन्य मौजूद थे।

छठ महापर्व आज से शुरू, उल्लास का माहौल

आरा। लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत आज शनिवार से शुरू हो जाएगा। भोजपुर जिले में उत्साह और उल्लास का माहौल है। घाटों की सफाई व सजावट का काम अंतिम चरण में है। वहीं, बाजारों में पूजन सामग्री व फलों की खरीदारी को लेकर जबरदस्त रौनक देखी जा रही है। शुक्रवार को बाजारों में ज्यादातर लोग कद्दू की खरीदारी करते दिखे। छठ पर्व को लेकर विभिन्न प्रदेशों से फलों की खेप भोजपुर पहुंच चुकी है। बाजार समिति में सेब की कई किस्में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 90 से 200 रुपये प्रति किलो तक है। पंजाब और राजस्थान से कीनू, सिलिगुडी से अनानास, नासिक से अनार तथा दक्षिण भारत से नारियल की खेप भी पहुंच चुकी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी बढ़ी खरीदारी छठ की तैयारियों को देखते हुए ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स ने भी पूजन सामग्री, साड़ी, लहठी और अन्य सामग्री की बिक्री शुरू कर दी है। कई साइट्स सेम डे डिलीवरी की सुविधा दे रही हैं। यहां तक कि गोबर से बने गोइठा भी अब डंक केक के नाम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

33 घाटों पर नाव के साथ तैनात रहेंगे गोताखोर

बक्सर| छठ पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से शहर के सभी प्रमुख 33 गंगा घाटों पर एक-एक नाव के साथ दो-दो गोताखोर तैनात रहेंगे। सदर अंचल के सीओ राहुल शंकर ने बताया कि बीते वर्ष गोताखोरों का भुगतान नहीं किये जाने के चलते उनमें नाराजगी थी। शुक्रवार को सदर सीओ खुद उनसे बात करने के लिए शहर के रामरेखा घाट पर पहुंचे। काफी समझाने के बाद गोताखोर राजी हुए। उन्होंने बताया कि पहले तो वो काम करने के लिए सीधे तौर पर मना कर दिये। लेकिन, काफी मान मनोव्वल के साथ जब उनसे बात की गई तो वे राजी हुए। सीओ ने भरोसा दिलाया कि आप लोगों का भुगतान कराया जाएगा। थोड़ी सी चूक होने पर कोई अप्रिय घटना हो सकती है। गोताखोरों ने कहा कि पहली बार किसी अधिकारी नेहम लोगों से इस तरह से बात की है।

लोगों ने निकाली चित्रगुप्त की शोभायात्रा

आरा। शहर के सपना सिनेमा रोड, आईएमए भवन में गुरुवार को चित्रगुप्त परिवार की ओर से दो दिवसीय पूजन सहभोज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना से हुई। इसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान चित्रगुप्त की वह भव्य प्रतिमा रही, जिसमें वे अपने 12 पुत्रों के साथ विराजमान थे। यह प्रतिमा लोगों के लिए श्रद्धा और प्रेरणा का केंद्र बनी रही। वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 1993 से लगातार चित्रगुप्त परिवार द्वारा यह वार्षिक आयोजन किया जा रहा है। समाज के उत्थान एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आगे भी इसी बैनर तले आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन सहभोज हुआ, जिसमें कायस्थ समाज के लोगों के साथ शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता की। संध्या में गाजे-बाजे और जयकारों के बीच भगवान चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके बाद प्रतिमा विसर्जन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बीके. प्रसाद थे। अध्यक्ष पंकज कुमार, उपाध्यक्ष चन्दन श्रीवास्तव, सचिव राकेश रंजन, सह सचिव रवि सिन्हा तथा कोषाध्यक्ष डॉ. अमर्त्य राज थे। कार्यक्रम की व्यवस्था अमित कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार सिन्हा, डॉ. केएन सिन्हा, अधिवक्ता डी. राजन, सुनील नैयर, डॉ. विजय गुप्ता, ब्रजेश कुमार, डॉ. दिनेश प्रसाद सिन्हा, समेत कई लोग उपस्थित थे।

गेहूं लदा ट्रक पलटा, लूटने वाले पांच लोग गिरफ्तार

ब्रह्मपुर| बगेन गोला थानाक्षेत्र के पोखराहा मोड़ के पास शुक्रवार की अहले सुबह गेहूं से भरा एक ट्रक सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जाता है कि ट्रक में सैकड़ो बोरे गेहूं लदे थे। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान आसपास के ग्रामीण मौके कई बोरे गेहूं लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बगेन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। गेहूं मालिक की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इसके आधार पर पुलिस ने 12 नामजद और 20 से 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष अभय शंकर ने बताया कि पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। साथ ही लूटे गए गेहूं में से पांच बोरा गेहूं बरामद किया गया है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है।

शिवसागर सरोवर के पास बनाए जाएंगे चेंजिंग रूम, सुरक्षा व्यवस्था भी होगी

ब्रह्मपुर। महापर्व छठ को लेकर ब्रह्मपुर नगर पंचायत पूरी तरह से सक्रिय नजर आ रही है। बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर में स्थित ऐतिहासिक शिवसागर सरोवर की साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। नगर पंचायत के ईओ शिव शक्ति कुमार ने बताया कि शिवसागर सरोवर के चारों ओर व्यापक स्तर पर साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। सरोवर में जमा गंदगी को हटाया जा रहा है ताकि व्रतियों को स्वच्छ जल में अर्घ्य देने में किसी तरह की परेशानी न हो। ईओ ने बताया कि पूरे परिसर में प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी की गई है। सरोवर के चारों ओर हाई मास्क लाइट और सजावटी लाइटें लगाई जा रही हैं जिससे संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान पूरा परिसर रोशनी से जगमगाता नजर आएगा। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा की दृष्टि से नगर पंचायत ने सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। इन कैमरों से पूरे सरोवर क्षेत्र की निगरानी की जाएगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सरोवर के अंदर चार गोताखोरों की टीम तैनात की जाएगी, जो लगातार सतर्क रहेंगी। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है, जहां से पूरे कार्यक्रम की निगरानी की जाएगी। घाटों की हो रही बैरिकेडिंग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरोवर के चारों ओर बांस-बल्ला और कपड़े से बैरिकेडिंग की जा रही है ताकि व्यवस्था बनी रहे और कोई अनहोनी न हो। वहीं, महिलाओं की गरिमा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत ने चार चेंजिंग रूम की व्यवस्था की है, जहां महिलाएं सुरक्षित तरीके से वस्त्र परिवर्तन कर सकेंगी। नगर पंचायत के कर्मी और सफाईकर्मी लगातार शिवसागर सरोवर परिसर में डटे हुए हैं और जगह-जगह सफाई, लाइटिंग और सुरक्षा से संबंधित कार्यों में जुटे हैं। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना की है और कहा कि इस बार की तैयारी पिछले वर्षों की तुलना में काफी बेहतर और योजनाबद्ध है।

कट्टा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

आरा| नवादा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर थाना क्षेत्र के राम नगर चंदवा से एक कट्टा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी विक्की राय है। वह नवादा थाना क्षेत्र के राम नगर चंदवा के निवासी गणेश राय का पुत्र है। नवादा थाना के थानाध्यक्ष विपिन बिहारी ने बताया की गुप्त सूचना पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई। उसके पास से एक कट्टा और तीन कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी की पूर्व का आपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का नीतीश सरकार पर हमला

निज संवाददाता। बक्सर

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बक्सर में नीतीश कुमार सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने शुक्रवार को वर्धा रिजॉर्ट में आयोजित महागठबंधन कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि बिहार में 'जंगलराज' कायम है, जहां अपराध और शराब की तस्करी ने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। राय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने रोजगार के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं। लाखों शिक्षित युवा आज नौकरी के लिए भटक रहे हैं, जबकि सत्ताधारी दल केवल वादों और नारों में व्यस्त है। उन्होंने दावा किया कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार ही नहीं, पूरे देश में सकारात्मक बदलाव आएगा। राय ने कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी 'मुन्ना तिवारी' को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचारधारा के संघर्ष का चुनाव है।

महागठबंधन के सभी साथी मिलकर जनता की आवाज बनेंगेः राजनीतिक

विश्लेषकों के अनुसार, अजय राय का यह बयान महागठबंधन की रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। महागठबंधन बिहार में सामाजिक समीकरणों और युवाओं की नाराजगी को अपने पक्ष में भुनाने का प्रयास कर रहा है। बेरोजगारी, अपराध और शराबबंदी जैसी नीतियां विपक्ष के लिए प्रमुख मुद्दे बन रहे हैं। सम्मेलन में अजय राय ने कहा कि अब समय आ गया है

- कहा-अपराध-शराब तस्करी ने युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, नौकरी के लिए भटक रहा युवा

कि बिहार की जनता एकजुट होकर बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्होंने जोर दिया कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथों में है और कांग्रेस तथा महागठबंधन के सभी साथी मिलकर जनता की आवाज बनेंगे।

कई नेता रहे मौजूदः कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने की। मंच पर महागठबंधन के विभिन्न दलों के नेता मौजूद थे। सम्मेलन में प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और महागठबंधन प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी को जिताने का संकल्प लिया।

आज बक्सर में जनसभा को संबोधित करेंगे सीएम नीतीश कुमार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज डुमरांव में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जनसभा दोपहर दो बजे राज हाई स्कूल मैदान में आयोजित होगी। एनडीए ने अपने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री इस दौरान जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह (डुमरांव), संतोष निराला (राजपुर), आनंद मिश्रा (बक्सर) और हुलास पांडेय (ब्रह्मपुर) के पक्ष में जनता से समर्थन और वोट की अपील करेंगे। जनसभा को लेकर जदयू और एनडीए कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री की यह सभा डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में एनडीए के प्रचार अभियान को नई गति प्रदान करेगी। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, इस जनसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मतदाताओं के बीच एनडीए की एकजुटता और विकास के एजेंडे का संदेश देंगे। प्रशासनिक स्तर पर जनसभा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज हाई स्कूल मैदान में मंच निर्माण, पंडाल, बैरिकेडिंग और पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल भी तैनात किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री के आगमन से पहले ही बड़ी संख्या में एनडीए समर्थकों के जुटने की संभावना है।

अडानी को 1050 एकड़ जमीन एक रुपये की लीज पर देना चरम भ्रष्टाचारः दीपांकर

निज संवाददाता। आरा

भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा-जदयू सरकार वोटचोर, नौकरीचोर, आरक्षणचोर और जमीनचोर है। बिहार में अब बदलाव सबसे बड़ा एजेंडा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला रोजगार योजना को महिला कर्जदार योजना है। असलियत में यह मुख्यमंत्री महिला कर्जदार योजना है जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों पटना में बोल गए हैं। भागलपुर के पीरपैंती में अडानी को 1050 एकड़ जमीन एक रुपये की लीज पर देना इसी चरम भ्रष्टाचार का नमूना है। अब नीतीश कुमार नहीं, बल्किआरा तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री होंगे। गठबंधन की सरकार बनने पर छोटे कर्ज माफ किए जाएंगे। महिलाओं को हर माह 2500 रुपये की सहायता दी जाएगी। आज बिहार का विकास फ्लाईओवर बाईपास और सुशासन का असली चेहरा बन गया अपराधी, पुलिस और भ्रष्ट अफसरों का गठजोड़। दीपांकर आरा के कांग्रेस मैदान में भाकपा माले उम्मीदवार क्यामुद्दीन अंसारी के समर्थन में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

नाटक देखने गए युवक को भीड़ से बाहर खींचकर अपराधियों ने मारी गोली, मौत

निज संवाददाता। आरा

गोवर्धन पूजा में नाटक देखने गए 28 वर्षीय युवक को दर्शकों के बीच से बाहर निकाल कर गोली मार कर हत्या कर दी गई। हत्या की यह वारदात चरपोखरी थाना क्षेत्र के बजेन टोला गांव में गुरुवार की रात हुई। मृतक 28 वर्षीय चंदन कुमार, चरपोखरी थाना क्षेत्र के बजेन टोला गांव के निवासी राजेंद्र सिंह का पुत्र था। चंदन बजें गांव के सतेंद्र सिंह के पिता उपेंद्र सिंह के हत्याकांड का आरोपी था। जिसमें चंदन जेल भी गया था। फिलहाल वह जेल से जमानत पर बाहर आया था। बताया गया कि चंदन गुरुवार की रात करीब 9:30 बजे खाना खाकर घर से 100 मीटर की दूरी पर कृष्ण मंदिर के पास गोवर्धन पूजा देखने गया था। पूजा स्थल पर काफी भीड़ लगी थी। बड़ा भाई विनोद सिंह भी

घर के बाहर खड़ा था। अचानक भीड़ में कुछ लोगों ने चंदन के साथ मारपीट करना शुरू किया। इस दौरान चंदन को आरोपी भीड़ से खींचते हुए बाहर ले गये और उस पर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। हमले में चंदन के पेट, सीना और कमर के दोनों तरफ में चार जगह चार गोलियां लगीं। गोलियां लगने के बाद चंदन कुमार की घटनास्थल पर मौत हो गई। इस दौरान चंदन का बड़ा भाई विनोद सिंह ने बताया, घटना के बाद मैं घटनास्थल पर पहुंचा और पुलिस को सूचित किया। मृतक दो भाई में छोटा था बड़ा भाई विनोद सिंह है। चंदन गांव पर रहकर खेती करता था। चंदन का एक पुत्र शुभम कुमार और एक पुत्री सृष्टि कुमारी है। मौत के बाद पत्नी प्रियंका देवी और मां बिमला देवी की स्थिति रो-रोकर खराब हो गई है। 8 नामजद लोगों पर केस दर्ज चरपोखरी थाना के थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व के विवाद में चंदन कुमार को गुरुवार की रात गांव में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंच घटना की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से एक कारतूस और दो खोखा बरामद किया गया है। शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजन को सौंप दिया गया। मृतक चंदन कुमार के बड़े भाई विनोद सिंह के आवेदन पर कुल 8 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। सत्येंद्र सिंह के पिता उपेंद्र सिंह हत्याकांड में आरोपी था चंदन मृतक चंदन, गांव के सतेंदर सिंह के पिता उपेंद्र सिंह के हत्याकांड का आरोपी था। वर्ष 2022 में सत्येंद्र सिंह के पिता उपेंद्र सिंह की हत्या हुई थी। उस कांड में चंदन जेल भी गया था। दो माह जेल में रहने के बाद वह जमानत पर जेल से बाहर आया था।

6.165 किलोग्राम गांजा हुआ बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के बिहया थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तेघरा गांव से पिता राजनाथ साह और पुत्र भोला कुमार को गिरफ्तार किया है। घर से 6.165 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है।

नेटवर्क खंगाला जा रहा हैः पुलिस अधीक्षक राज ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि तेघरा गांव स्थित राजनाथ साह के घर में गांजे की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। इनपुट के आधार पर थानाध्यक्ष सुंदेश्वर कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम छापेमारी अभियान चलाया और मौके से पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी

के दौरान घर की तलाशी ली गई, जिसमें 6.165 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे को सील कर पुलिस थाना ले आई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि राजनाथ साह और उसका बेटा भोला कुमार कई महीनों से अपने घर में से कारोबार कर रहा था। सप्लाई नेटवर्क किन इलाकों तक फैला हुआ है और मुख्य स्रोत कौन है। इसकी जांच की जा रही

- तेघरा गांव से पिता-पुत्र गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

है।

विशेष टीम का गठन किया गयाः एसपी राज ने बताया कि भोजपुर पुलिस अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर पूरी तरह नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चला रही है। किसी भी कीमत पर जिले में गांजा, शराब और नशे के अन्य कारोबार को फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा। थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार ऐसे धंधों में शामिल लोगों पर निगरानी रख रही है।

लालू जी के बेटे का साफ हो जाएगा सुपड़ा

निज संवाददाता। बक्सर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दीपावली हो गई। कल से छठ मईया की पूजा प्रारंभ होगी। छठ मईया से बिहारवासियों के लिए आशीर्वाद मांगते हैं कि बिहार में फिर से जंगलराज ना आ जाए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस और राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अभी सीवान की धरती से आ रहा हूं। लालू जी ने सीवान से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को टिकट दिया है। शहाबुद्दीन पर 75 जघन्य अपराध के मामले थे। लालू जी बिहार की जनता को डराना चाहते हैं। बक्सर के लोग वीर कुंवर सिंह की धरती से आते हैं, वे किसी से डरने वाले नहीं हैं। महागठबंधन बिहार को फिर से जगंलराज की ओर ले जाना चाहता है, पर यहां की जनता ऐसा होने नहीं देगी। केंद्रीय गृह मंत्री शुक्रवार को बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को मतगणना है। दोपहर 1 बजे तक लालू जी के बेटे का सुपड़ा साफ हो जाएगा और बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को संवारा है। एनडीए की सरकार ने आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया है। पहलगाम घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों का सफाया किया। धारा 370 को खत्म कर हमेशा के लिए काश्मीर को हिन्दुस्तान का हिस्सा बना दिया गया। लालू प्रसाद ने 940 करोड़ का चारा घोटाला किया। बाढ़ राहत में घोटाला, बेनामी संपत्ति का घोटाला, वर्दी घोटाला। राम मंदिर का किया जा रहा था विरोध बक्सर के धरती को रामायण सर्किट से जोड़ने का काम किया है। धारा 370 को खत्म कर काश्मीर को हमेशा के लिए भारत का कर दिया। सीतामढ़ी में सीता मईया का भव्य मंदिर का शिलान्यास किया। वर्ष 2019 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर का शिलान्यास किया और मंदिर बनकर तैयार भी हो गया। राहुल एंड कंपनी मंदिर निर्माण और वोट बैंक के लालच में लालू जी भी विरोध कर रहे थे। अब लालू एंड कंपनी से डरने की जरूरत नहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लालू जी अपने बेटे को पांच बार से लांच करने में जुटे हैं। इस बार सुनिश्चित करना है कि जंगलराज की इंट्री नहीं हो। नरेंद्र मोदी बिहार और भारत के लिए काम करते हैं। वहीं लालू जी अपने बेटे को प्रमोट करने में लगे हैं। इस बार बक्सर के सभी चारों सीट और शाहपुर की सीट पर जीत हासिल करनी है। यहां जीतने लोग आएं हैं विजय का संकल्प लेकर जाएं। लालू एंड कंपनी से डरने की जरूरत नहीं है। मौके पर ब्रह्मपुर से लोजपा के प्रत्याशी हुलास पांडेय, बक्सर से बीजेपी के प्रत्याशी आनंद मिश्र, डुमरांव से जेडीयू के प्रत्याशी राहुल सिंह, राजपुर से जेडीयू के प्रत्याशी संतोष कुमार निराला एवं शाहपुर से बीजेपी के प्रत्याशी राकेश ओझा ने भी संबोधित किया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन व जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार थे। किला मैदान जानेवालों की हुई जांच केंद्रीय गृह मंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। किला मैदान से लेकर हवाई अड्डा और शहर के चौक चौराहों तक भारी संख्या में पुलिस पदाधिकारी व बल की तैनाती की गई थी। किला मैदान में जाने वालों की जांच के बाद ही इंट्री दी जा रही थी।

शाहपुर में आज तेजस्वी यादव की जनसभा

निज संवाददाता। आरा

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भोजपुर जिले में राजनीतिक हलचल तेज है। शनिवार को महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के लालू के डेरा मध्य विद्यालय मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान राजद उम्मीदवार और मौजूदा विधायक राहुल तिवारी उर्फ मंटू तिवारी के पक्ष में जनता से वोट देने की अपील करेंगे। यह जनसभा महागठबंधन के लिए भोजपुर में चुनावी शक्ति का प्रदर्शन माना जा रहा है। कार्यक्रम में राजद, कांग्रेस और वामदलों के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। मंच साझा कर वे एकजुटता का संदेश देंगे और एनडीए सरकार पर हमला बोलेंगे।

महागठबंधन और एनडीए में मुकाबलाः शाहपुर विधानसभा सीट पर इस बार भी मुकाबला महागठबंधन समर्थित राजद विधायक राहुल तिवारी और एनडीए के भाजपा प्रत्याशी राकेश ओझा

के बीच है। राहुल तिवारी लगातार दो बार से शाहपुर से विधायक हैं और उन्होंने अपने क्षेत्र में विकास कार्यों, सड़क और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं को चुनावी मुद्दा बनाया है। वहीं, राकेश ओझा, दिवंगत भाजपा नेता और प्रदेश उपाध्यक्ष विशेश्वर ओझा के पुत्र हैं। वे अपने पिता की राजनीतिक विरासत और जनता से भावनात्मक जुड़ाव के सहारे मैदान में हैं। सभा स्थल पर हजारों की भीड़ जुटने की उम्मीद है। राजद कार्यकर्ताओं ने इलाके भर में बैनर, पोस्टर और झंडों से माहौल को पूरी तरह चुनावी रंग दे दिया है। सभा के दौरान तेजस्वी यादव महागठबंधन की नीतियों और बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर केंद्र व राज्य सरकार को घेरेंगे। शाहपुर सीट हमेशा से राजनीतिक दृष्टि से हॉटस्पॉट रही है। यहां ब्राह्मण समाज 25 से 30 और यादव 17 फीसदी है। सबसे ज्यादा

- राहुल तिवारी के समर्थन में दिखेगी महागठबंधन की ताकत, बीजेपी के राकेश ओझा से है सीधा मुकाबला

पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग निर्णायक भूमिका निभाते हैं। 2015 और 2020 के चुनावों में राहुल तिवारी ने इसी सामाजिक समीकरण का लाभ उठाकर जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा प्रत्याशी राकेश ओझा के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय न होकर सीधा और रोमांचक बन गया है। जनसभा को लेकर स्थानीय प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। पूरे इलाके में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। सभा स्थल पर आने-जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए अलग से पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुन्ना शुक्ला के समर्थन में लगे नारे, पत्नी रो पड़ीं, राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला की मां ने मांगा समर्थन

हाजीपुर। वैशाली मे राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला के चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को भावुक हो गई, दरअसल उनकी मां पूर्व विधायक अन्नू शुक्ला कार्यकर्ताओं के बीच अचानक रो पड़ीं। इस घटना से कुछ देर के लिए पूरा माहौल गमगीन हो गया। दरअल अन्नू शुक्ला एक चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने भगवानपुर अड्डा चौक पर पहुंची थीं। जैसे ही वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके पति बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला, जो वर्तमान में जेल में हैं, उनके समर्थन में कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारे लगाए, अन्नू शुक्ला अपने आपे को नहीं रोक सकीं और भावुक होकर फूट-फूट कर रोने लगीं। कार्यकर्ताओं ने 'जेल का ताला टूटेगा, मुन्ना भैया छूटेगा' जैसे नारों से उनका हौसला बढ़ाने की कोशिश की, जिसके बाद वह कुछ शांत हुईं। इस दौरान मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने उन्हें सांत्वना दी और हौसला बढ़ाया । भावनाओं पर काबू पाने के बाद अन्नू शुक्ला ने कार्यकर्ताओं से अपनी बेटी शिवानी शुक्ला को पूरे जोर-शोर से समर्थन देने की अपील की। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं और उनके परिवारों के भावनात्मक पल अक्सर कैमरे में कैद होते हैं, जो इलाके में चर्चा का विषय बन जाते हैं। लालगंज में आज का यह प्रसंग भी क्षेत्र में गहरी सियासी और भावनात्मक उथल-पुथल को दर्शाता है।

बूढ़ी गंडक, बागमती किनारे उमड़ी भीड़, नहाय खाय के साथ 4 दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत

मुजफ्फरपुर। नहाय खाय के साथ 4 दिवसीय छठ महापर्व की आज से शुरुआत हो गई है। मुजफ्फरपुर में स्नान के लिए बूढ़ी गंडक, बागमती और मन नदी किनारे श्रद्धालुओं की उमड़ भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। छठ व्रतियों ने पहले गंगा स्नान किया। फिर गंगा मइया की पूजा अर्चना कर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। पहले दिन व्रती महिलाएं सबसे पहले सुबह गंगा स्नान करती हैं। पूजा करने के बाद घर में चने की दाल, कद्दू और चावल का प्रसाद बनाती हैं। सबसे पहले व्रत रखने व्रती को खाना परोसा जाता है। इसके बाद ही परिवार के अन्य लोग भोजन ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को खाने के बाद ही छठ व्रत की शुरुआत हो जाती है। भगवानपुर निवासी दिव्या ने बताया कि पांच साल से छठ पूजा कर रही हूं। मेरी बेटी की तबीयत खराब था। इसको लेकर छठ पूजा की शुरुआत की थी। आज गंगा स्नान के बाद प्रसाद ग्रहण करूंगी। रविवार को खरना का पूजा करेंगे, उसके बाद निर्जला व्रत शुरू होगा। माधवी राज ने कहा कि छठी मइया हमको सब कुछ दी है। करीब सात सालों से छठ पूजा कर रही हूं। पति के नौकरी के बाद छठ पूजा की शुरुआत की थी। शहर के बैरिया एकता निवासी संजना तिवारी सुबह से नहाय खाय की तैयारी में जुटी है। उन्होंने बताया कि पहली बार छठ पूजा कर रहे हैं। मेरी सासु मां बिमला देवी कई वर्षों से छठ पूजा करती आ रही हैं, लेकिन इस बार उनकी तबीयत खराब है। आज नहाय खाय है। कद्दू की सब्जी, अरवा चावल , चना दाल और पकौड़ा बनाता है। नहाय खाए के बाद कल खरना की तैयारी करूंगी। उसके बाद निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। पहली बार छठ कर रही हूं। बहुत अच्छा लग रहा है। छठी मइया पर भरोसा है। घर के बड़े-बुजुर्ग सपोर्ट कर रहे हैं।

पटना में घर-घर पहुंचेगा छठ के लिए गंगाजल, छोटे तालाबों-कृत्रिम जलाशयों में भी डाला जाएगा गंगाजल

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पटना नगर निगम की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक विशेष पहल की गई है। व्रतियों को गंगाजल लाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निगम की ओर से घर-घर गंगाजल पहुंचाने की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके लिए आज से करीब 12 टैंकर पटना निगम क्षेत्र के 6 अंचलों में घूमेंगे। ये टैंकर गंगा नदी से शुद्ध जल लेकर सभी वार्डों के गली-मोहल्लों तक पहुंचाएंगे। हर अंचल के लिए दो-दो टैंकर हैं। निगमकर्मियों की देखरेख गंगाजल वितरण का कार्य किया जाएगा। नगर निगम की ओर से यह भी व्यवस्था की गई है कि जिन छोटे तालाबों या कृत्रिम जलाशयों में श्रद्धालु अर्घ्य देंगे, उनमें भी गंगाजल डाला जाएगा, जिससे छठ महापर्व की पवित्रता और आस्था बनी रहे। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि छठ महापर्व लोक आस्था का प्रतीक है। श्रद्धालुओं को गंगाजल के लिए कठिनाई न झेलनी पड़े, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यह पहल श्रद्धा, स्वच्छता और सुविधा का अद्भुत संगम है। वहीं, दूसरी ओर निगम की ओर से गंगा घाट पर 'स्वच्छता कलश' स्थापित किया गया है, जिसमें श्रद्धालु पूजा के बाद निकलने वाले फूल, माला, दीप या अन्य विसर्जन सामग्री डाल सकेंगे। गंगा नदी के किनारे स्वच्छता के लिए यह कदम उठाया गया है। हर दिन इन स्वच्छता कलश को नगर निगम की टीम की ओर खाली कर साफ किया जाएगा, ताकि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न हो। अभी इस स्वच्छता कलश को पांच घाट- कलेक्ट्रेट घाट, गांधी घाट, कंगन घाट, भद्र घाट और 93 घाट पर रखा गया है।

बैंक खाता से 74 हजार रुपये की फर्जी निकासी

मसौढ़ी! थाना क्षेत्र के जहानाबाद रोड निवासी रविशंकर केसरी के पुत्री अन्नू कुमारी साइबर ठगी का शिकार हो गई है। उनके खाते से 74हजार रुपए का अवैध निकासी कर ली गई है.पीड़िता अन्नू कुमारी ने बताया कि रुपया निकासी का मेसैज मोबाइल पर आया।जिसके बाद वह शाखा जाकर प्रबंधक को बताए। साइबर फ्रॉडों ने ग्राहक के खाते से रुपया निकासी की। पीड़ित अब अपनी लापरवाही पर पछता रहे हैं,जबकि साइबर अपराधियों ने चतुराई से ठगी कर पुलिस को चुनौती दे डाली है. यह घटना साफ करती है कि ठग अब हर रोज नये हथकंडे अपना रहे हैं और एक छोटी-सी चूक भी बैंक खाते को खाली कर सकती है.

48 छठ घाटों पर 300 अग्निशमन कर्मियों की तैनाती

पटना। छठ महापर्व को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने पटना में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। विभाग ने पटना के 46 प्रमुख घाटों पर 300 अग्निशमन कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया है, ताकि अगलगी की किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। जिला अग्निशमन अधिकारी रितेश कुमार पांडे ने बताया कि इन घाटों पर दमकल की बड़ी गाड़ियों के साथ-साथ बाइक दमकल भी तैनात की गई हैं। 28 कर्मियों को छोटे अग्निशमन यंत्रों के साथ मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। छठ महापर्व के दौरान कंट्रोल रूम से 24 घंटे स्थिति पर नजर रखी जाएगी। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड यूनिट की टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी। दमकल की लोकेशन पर गूगल मैपिंग के जरिए भी नजर रखी जाएगी। पटना शहर के प्रमुख घाटों के अलावा दानापुर, मसौढ़ी, पालीगंज, हल्दी छपरा, पटना सिटी और बाढ़ जैसे इलाकों में भी घाटों के पास अग्निशमन विभाग की टीमें तैनात रहेंगी। कई स्थानों पर बने अस्थायी शेड के पास 14 जगहों पर 28 कर्मी दो पालियों में लगातार कार्यरत रहेंगे। सभी कर्मी वॉकी-टॉकी से लैस होंगे। कर्मियों की तैनाती छठ महापर्व के पहले अर्घ्य से शुरू होकर पर्व की समाप्ति तक रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी नियंत्रण कक्ष से ही स्थिति का जायजा लेंगे।

अवैध हथियार और चोरी का सोना बरामद, तीन गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कानून व्यवस्था कड़ी करने के लिए पटना पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बिक्रम थाना क्षेत्र से गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ धर-दबोचा। आरोपी की पहचान दिनकर कुमार के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पटना पश्चिम सिटी एसपी ने बताया कि महजपुरा गांव निवासी दिनकर कुमार के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिलने पर टीम ने छापेमारी करके उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने आरोपों को आंशिक रूप से स्वीकार किया है और पुलिस आशंका जता रही है कि वह किसी बड़ी आपराधिक योजना में शामिल था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

इसी क्रम में बिहटा थाना पुलिस ने चोरी के संदिग्ध सौदाकर्म के दौरान दो युवकों को पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर के आसपास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। तेज कार्रवाई में पुलिस ने समस्तू स्थान, बिहटा के रहने वाले सुनील कुमार और धनंजय कुमार को गिरफ्तार कर उनसे 9.32 ग्राम सोना बरामद किया। दोनों के बयान और बरामदियों के आधार पर जांच में यह शंकास्पद संकेत मिले हैं कि बरामद सोना चोरी का हो सकता है। दोनों थानों की संयुक्त कार्रवाई से यह साफ संकेत मिलता है कि चुनाव के मद्देनजर अपराधियों पर नकेल कसी जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इस तरह की किसी भी संदिग्ध सूचना पर तुरंत स्थानीय थाने को सूचित करें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। जांच जारी है और पुलिस अब गिरफ्त में आए आरोपियों के नेटवर्क तथा सोने की वास्तविकता की पुष्टि कर रही है।

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा लोक आस्था महापर्व छठ

निज संवाददाता। मसौढ़ी

लोक आस्था का महापर्व छठ नहाए खाए के साथ शुरू हो गया।रविवार को खरना के बाद सोमवार को अस्ताचलगामी एवं मंगलवार को उदित होते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा।नहाय-खाय निष्ठा पूर्वक छठ पर्व करने का संकल्प दिवस होता है।इस दिन व्रती घरों की सफाई कर खुद गंगा स्नान कर स्वच्छ होती हैं।दरअसल छठ पर्व को स्वच्छता एवं सात्विकता का व्रत माना जाता है।इस दिन कद्दू-भात खाने की परंपरा है।कद्दू की सब्जी सात्विक होती है।छठ महापर्व को लेकर खरीददारी शुरू होने से बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है। सूप-डलिया एवं नारियल की दुकानों पर खरीदारी हो रही है।डलिया एवं सूप की दुकानें पुरानी बाजार मेन रोड के पास सजी है।शहरी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से भी लोग सूप-डलिया की खरीदारी के लिए आ रहे हैं।पर्व को लेकर फल मंडी में भी भीड़ देखी जा रही है। केला,सेब,संतरा आदि फलों की खरीदारी शुरू हो गई है।आम की लकड़ी एवं मिट्टी के चुल्हा की भी खरीदारी हो रही है।हर तरफ बज रहे छठ गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया है। छठ पर्व को लेकर लोगों में उत्साह दिख रहा है।

पटना में जेपी गंगा पथ पर सेल्फी प्वाइंट तैयार

निज संवाददाता। पटना

पटना में दीघा घाट के पास अर्घ्य देने आने वाले श्रद्धालु अब सेल्फी प्वाइंट पर रुककर सेल्फी भी ले सकते हैं। दरअसल, दीघा गोलंबर से 100 मीटर की दूरी पर जेपी गंगा पथ लिखा सेल्फी प्वाइंट तैयार कर लिया गया है। इसे रंग बिरंगी लाइट से सुसज्जित किया गया है। जेपी गंगा पथ एक पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। फिर यहां लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 3D म्यूरल लगेगी, जिसमें उनकी जीवनी के बारे में लिखा रहेगा। इसे दिल्ली के कारीगर GRC मेटेरियल से तैयार करेंगे। यहां लैंडस्केपिंग और ब्यूटीफिकेशन का काम चल रहा है। 13500 स्क्वायर फीट में इसे डेवलप किया जाएगा। जेपी गंगा पथ पर लोगों की सैर के लिए इसे एक गार्डन के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। यहां लगभग 15 हजार सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं, जो लोगों को आकर्षित करेंगे। इसमें सबसे खास डेट पाम होगा, जिसे भी लगाया जा रहा है। कुल मिलाकर, करीब 17 तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अलग-अलग डेकोरेटिव लाइट जैसे कि फसाड लाइट, पोस्ट लाइट, हाईलाइटर, गार्डन लाइट लगाए जाएंगे। पूरे प्रोजेक्ट का नाम 'गंगा किनारे' रखा गया है। गंगा की महत्ता को दिखाने के लिए यहां 15 से ज्यादा आर्क गेट बनाए जाएंगे, जिसके ऊपर गंगा के अलग-अलग नाम जैसे मंदाकिनी, देव नदी, भागीरथी, सुरसरिता, जाह्नवी नाम लिखे होंगे।

मणिचक सूर्यमंदिर तालाब छठ पूजा का आकर्षण केंद्र, पेंटिंगों से मिल रहे संदेश

निज संवाददाता। मसौढ़ी

लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा नहाए-खाए के साथ शुरू हो चुका है। इस अवसर पर मणिचक छठ घाट विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बन गया है। नगर परिषद के अधिकारियों ने घाटों को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तैयारी कर रखी है। छठ घाट पर पेंटिंगों के माध्यम से पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोक संदेशों को दर्शाया गया है, जो श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प और आकर्षक साबित हो रहा है। घाट की दीवारों पर बनाए गए चित्र छठ पूजा के विभिन्न पहलुओं को जीवंत रूप में दर्शाते हैं। इनमें सूर्य देव को अर्घ्य देते हुए, उगते सूरज की छटा और व्रतियों के घाट की ओर जाने के दृश्य शामिल हैं। पेंटिंगें देखकर ऐसा लगता है कि जैसे हम छठ अर्घ्य के लाइव दर्शन कर रहे हों। यह आयोजन स्थानीय कलाकारों की मेहनत और समर्पण का उदाहरण भी है। नगर परिषद ने छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। घाट पर चेंजिंग रूम, शौचालय और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा कर्मी, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरों से निगरानी का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। विशेष रूप से व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए पहुंच मार्ग को सुगम और सुरक्षित बनाया गया है, ताकि किसी तरह की असुविधा न हो। मणिचक सूर्यमंदिर तालाब के इस छठ घाट ने इस वर्ष छठ पूजा को और भव्य और आकर्षक बना दिया है। पेंटिंगों के माध्यम से न केवल छठ की महिमा को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया है, बल्कि लोगों को लोक संस्कृति और आस्था के संदेश भी मिल रहे हैं। इस प्रयास से छठ पूजा का अनुभव और भी यादगार और रोचक बन गया है।

खगड़िया में अमित शाह की रैली के कारण तेजस्वी यादव को नहीं मिली सभा की अनुमति

निज संवाददाता। खगड़िया

महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव पिछले दो दिनों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हालांकि, आज उनकी रैली खगड़िया के संसारपुर खेल मैदान में नहीं हो सकी। प्रशासन ने उनके कार्यक्रम के लिए मांगी गई अनुमति अस्वीकृत कर दी। इस फैसले को लेकर आरजेडी और कांग्रेस गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली। खगड़िया प्रशासन ने बताया कि संसारपुर खेल मैदान में तेजस्वी यादव की रैली को अनुमति न देने का कारण केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पहले से निर्धारित कार्यक्रम है। अमित शाह का कार्यक्रम खगड़िया शहर के जेएनकेटी मैदान में होना तय था, इसलिए प्रशासन ने सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टिकोण से तेजस्वी यादव की सभा रद्द कर दी। खगड़िया सदर से कांग्रेस उम्मीदवार चंदन यादव ने इसे तानाशाही और संविधान के उल्लंघन के रूप में बताया। चंदन यादव ने कहा, "तेजस्वी यादव के कार्यक्रम को जानबूझकर रद्द किया गया है। चुनाव आयोग पूरी तरह बीजेपी के हाथों में खेल रहा है। हमें यह कहा गया था कि हम जब चाहें कार्यक्रम कर सकते हैं, लेकिन टालमटोल करते हुए आवेदन अस्वीकृत कर दिया गया। संसारपुर खेल मैदान में रैली नहीं हो सकी, लेकिन तेजस्वी यादव ने जिले के अन्य हिस्सों में जनसभाओं को संबोधित किया। गोगरी में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग लगाने की संभावनाओं को खारिज करने वाले बयान देने वाले केंद्रीय नेता वोट मांगने क्यों आते हैं। उन्होंने परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के आरजेडी उम्मीदवार डॉ. संजीव कुमार के लिए लोगों से वोट की अपील की। तेजस्वी ने कहा कि डॉ. संजीव कुमार ने लगातार विधानसभा में परबत्ता क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष किया है और अब जनता की जिम्मेदारी है कि उन्हें भारी मतों से जीत दिलाए। अलौली में उन्होंने आरजेडी उम्मीदवार रामवृक्ष सदा के पक्ष में भी वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि खगड़िया की चारों सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों की जीत ही नया और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार बनाने का रास्ता है। तेजस्वी यादव ने कहा, "बिहार में हैलीपैड के बहाने विपक्ष की रैली रद्द कर दी गई। किसी भी चुनाव में ऐसा पहली बार देखने को मिला। चुनाव आयोग को अफसरशाही के इस तरह के मनमाने फैसलों पर कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पटना में छठ महापर्व की तैयारियां पूरी, घाट और पार्क सज-धजकर तैयार

निज संवाददाता। पटना

चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुरुआत सोमवार से होने जा रही है। इसे लेकर गंगा घाटों के साथ-साथ शहर के पार्क और तालाबों में विशेष तैयारी की गई है, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में किसी तरह की असुविधा न हो। पटना जू की झील में भी श्रद्धालु अर्घ्य देने आ सकेंगे। झील के पानी को साफ करने के लिए चूना और फिटकरी मिलाया जा रहा है। सफाई के बाद झील में गंगा जल डाला जाएगा। सोमवार को पहला अर्घ्य है, और चिड़ियाघर साप्ताहिक बंदी के बावजूद श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 2 बजे के बाद निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गई है। मंगलवार को सुबह 3 बजे से प्रवेश फिर से शुरू होगा। पटना जू में चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग और वॉच टावर नगर निगम की तरफ से तैयार किए जा रहे हैं। पानी का बहाव अधिक और खतरनाक क्षेत्रों में लाल कपड़े से सीमा चिन्हित की गई है। चिड़ियाघर के डायरेक्टर हेमंत पाटिल ने बताया कि इस दौरान जानवरों की सुरक्षा पर पूरा ध्यान रहेगा। पटाखों और प्लास्टिक लाने पर रोक लगाई गई है और विजिटर्स को नियंत्रित किया जाएगा। गर्दनीबाग के कच्ची तालाब, अनीसाबाद का मानिकचंद तालाब, महुआ बाग तालाब, बीएमपी-5 एवं 10, वेटनरी कैंपस, शिव मंदिर गली, संजय गांधी जैविक उद्यान झील सहित कई तालाबों में अस्थाई घाट बनाए गए हैं। इसके अलावा पुनाईचक पार्क, कंकड़बाग शिवाजी पार्क, रेंटल फ्लैट पार्क, राम सुंदर दास पार्क, हनुमान नगर, कंकड़बाग जनता फ्लैट पार्क, राजेन्द्र नगर पार्क, श्री कृष्णानगर पार्क समेत दर्जनों पार्कों में घाट तैयार किए गए हैं। छठ घाटों और तालाबों पर सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। घाटों पर उचित बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम, सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक टॉयलेट और वॉच टावर की व्यवस्था की गई है। जिन क्षेत्रों में पानी का बहाव तेज है, वहां सावधानी के लिए विशेष चेतावनी और सुरक्षा मानक लागू किए गए हैं।

छठ पूजा के बाद पीएम मोदी मुजफ्फरपुर और छपरा में करेंगे चुनावी सभाएं

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

आगामी छठ महापर्व के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर के मोतीपुर स्थित चीनी मिल मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष हरि मोहन चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री का यह दौरा छठ पूजा के ठीक बाद होगा। इसके बाद वे छपरा में भी रैली करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नवंबर माह में प्रधानमंत्री के कई और कार्यक्रम निर्धारित हैं, लेकिन 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा उनके मुख्य स्थलीय कार्यक्रम होंगे।

प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने की तैयारीः प्रधानमंत्री मोदी के संभावित दौरे को लेकर मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शनिवार को एसएसपी सुशील कुमार और सिटी एसपी कोटा किरण कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोतीपुर के महमदपुर बलमी स्थित चीनी मिल मैदान पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश द्वार, बैरिकेडिंग, दर्शक दीर्घा, मंच निर्माण और संभावित खतरे के बिंदुओं का मूल्यांकन किया। मैदान के आसपास घनी झाड़ियों को काटने और साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। एसएसपी सुशील कुमार ने कहा कि कार्यक्रम स्थल की इमारतों, छतों और ऊंचे स्थानों की सुरक्षा जांच की जा रही है। कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि के बाद सुरक्षा बलों की तैनाती का विस्तृत प्लान लागू किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साहः प्रधानमंत्री मोदी के आगमन की खबर से भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह बढ़ गया है। जिला स्तर पर बैठकें और तैयारियां शुरू हो गई हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मोतीपुर की रैली ऐतिहासिक साबित होगी और उत्तर बिहार के कई जिलों से भारी संख्या में समर्थक जुटेंगे।

स्थानीय प्रशासन ने भी तैयारी तेज कीः मोतीपुर प्रखंड प्रशासन ने मैदान की सफाई, बैरिकेडिंग, सड़क मार्ग, ट्रैफिक रूट और पार्किंग व्यवस्था की प्रारंभिक योजना तैयार कर ली है। सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने सुनिश्चित किया है कि जैसे ही कार्यक्रम की आधिकारिक सूचना मिले, सभी व्यवस्थाएं तुरंत पूरी हों।

राजनीतिक माहौल में बढ़ी हलचलः छठ पूजा के बाद बिहार का राजनीतिक तापमान बढ़ने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी का दौरा न केवल भाजपा के लिए, बल्कि पूरे राज्य के चुनावी परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। मुजफ्फरपुर की सभा उत्तर बिहार के मतदाताओं के लिए संदेश होगी, जबकि छपरा में होने वाली सभा से दक्षिण बिहार के मतदाताओं तक पार्टी का संदेश पहुंचेगा। हालांकि, अभी तक पीएमओ या राज्य भाजपा की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सभी सुरक्षा बिंदुओं का पूर्व-आकलन कर तैयारी शुरू कर दी है ताकि कार्यक्रम तय होते ही कोई कमी न रहे। एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि संभावित दौरे की तैयारी पूरी सुरक्षा मानकों के अनुसार की जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उपायुक्त को दिए आवश्यक निर्देश

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने 45 घाटशिला (अ.ज.जा.) विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को आवश्यक निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शनिवार को कहा कि उपचुनाव की तैयारी में पारदर्शिता और पीठासीन पदाधिकारियों के प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पीठासीन पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के दौरान यह अनिवार्य किया है कि सभी पीठासीन पदाधिकारी मतदान का 'मॉक ड्रिल' करें। इस ड्रिल में कम से कम 100 वोट डालकर उनके वीवीपैट की पर्चियों का मिलान किया जाना है। सीईओ ने इस संबंध में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया है। इसके अतिरिक्त, आयोग ने कम से कम 50 पीठासीन पदाधिकारियों का इस मॉक ड्रिल के संबंध में 'टेस्टीमोनियल' तैयार कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी के सोशल मीडिया हैंडल्स और वेबसाइट पर पोस्ट करने का निर्देश भी दिया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी से कहा है कि आयोग द्वारा निर्देशित मॉक ड्रिल सुनिश्चित कराते हुए इससे संबंधित प्रतिवेदन और टेस्टीमोनियल तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराया जाए, जिससे कि इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए व्यापक रूप से प्रसारित किया जा सके।

सारंडा में अभयारण्य बनाने से पहले विस्थापितों को मिले क्षतिपूर्ति राशि : नायक

रांची। सारंडा में नई सेंचुरी बनाने से पहले सरकार को चाहिए कि वह पूर्व में प्रभावित विस्थापित परिवारों को छह हजार करोड़ रुपए क्षतिपूर्ती के रूप में भुगतान करे। इसके बाद ही सरकार सेंचुरी बनाने की दिशा में कदम उठाए। ऐसा नहीं होने पर सरकार की फजीहत होगी।ये बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। विजय शंकर नायक ने कहा कि नई सेंचुरी बनाने का मामला झारखंड उच्च न्यायालय में जाएगा। इससे सरकार की बदनामी होगी। उन्होंने कहा कि अबतक झारखंड में बने पूर्व के नौ आश्रायनी में वन्य जीव (सरंक्षण) अधिनियम-1972 के तहत कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार की ओर से वर्ष 2003 में वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शोन एक्ट-1972 में संसोधन किया गया और धारा 18 (2) जोड़ी गई। इसमें अंतिम अधिसूचना धारा 26 के अन्तर्गत प्रकाशित होने तक, प्रभावित विस्थापित परिवारों के मवेशियों के लिए चारा और जलावन सहित अन्य वन आधारित उनके हकों को सरकार ने मुफ्त मुहैया कराने का आदेश शामिल है। उन्होंने कहा कि आज भी 30 लाख से अधिक लोग उन आश्रयानी वनों पर ही आश्रित हैं। बावजूद इसके वन विभाग ने इसपर कभी ध्यान नहीं दिया है।

विधायक सरयू राय ने छठ घाटों की तैयारियों पर जताई संतुष्टि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक सरयू राय ने शनिवार को खरकई और स्वर्णरेखा नदियों के तट पर स्थित कदमा एवं सोनारी के छठ घाटों का निरीक्षण किया और जिला प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों पर संतुष्टि जताई। विधायक सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (अक्षेस) और जिला प्रशासन ने उत्कृष्ट कार्य किया है। नागरिकों के सहयोग से घाटों की सफाई और पहुंच मार्गों का बेहतर प्रबंधन किया गया है। कुछ छोटी त्रुटियों को अक्षेस रविवार तक दूर करेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक से स्थानीय लोगों ने जनसुविधाओं की कमी और कानून व्यवस्था को लेकर अपनी चिंताएं साझा कीं। इस पर विधायक राय ने आश्वासन दिया कि छठ पूजा के बाद कदमा को समस्या मुक्त क्षेत्र बनाने की मुहिम शुरू की जाएगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से सड़क, नाली, सफाई और जल निकासी की स्थिति का विस्तृत विवरण तैयार करने को कहा। सरयू राय ने अवैध कब्जा, अड्डेबाज़ी, जुआ और नशा जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि छठी मैया के आशीर्वाद और जनसहयोग से कदमा को विकास और शांति का मॉडल क्षेत्र बनाया जाएगा, ताकि यहां की सभी नागरिक समस्याएं स्थायी रूप से समाप्त की जा सके।

निर्लज्ज बनकर घाटशिला उपचुनाव में वोट मांग रहा इंडी ठगबंधनः बाबूलाल

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को घाटशिला के दामपाड़ा हाट मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया और विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य की हेमंत सरकार पर निशाना साधा। बाबूलाल मरांडी ने कार्यकर्ताओं के संबोधित करते हुए कहा कि उपचुनाव में झारखंड की जनता घाटशिला के मतदाताओं की ओर देख रही है। भले ही इस उपचुनाव से सरकार नहीं बननी है, लेकिन राज्य सरकार को सबक सिखाने का यह अवसर है। अब राज्य की जनता लूट, भ्रष्टाचार, दलाली और माफियागिरी को बर्दास्त करने वाली नहीं है। उन्होंने रष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन को भरी मतों से जीत दिलाने के लिए कार्यकर्ताओं से हर मतदाता के घर जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता राजग प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए मन बना चुकी है। मरांडी ने कहा कि पूरे घाटशिला क्षेत्र में बांग्लादेशी रोहिंग्या हेमंत सरकार के संरक्षण में बसाए जा रहे हैं। क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल रही है। राज्य में पिछले छह वर्षों से सत्ता सुख भोग रहा इंडी ठगबंधन निर्लज्ज ठगबंधन है और ये लोग निर्लज्जता से उपचुनाव में फिर जनता से वोट मांग रहे हैं। पिछले छह वर्षों में राज्य में कोई विकास नहीं हुआ। केवल लूट हो रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संरक्षण में दलाल और बिचौलिए राज्य के बालू, लोहा, कोयला और अन्य खनिज लूट रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज अस्पताल में दवाई नहीं, डॉक्टर नहीं ,नर्स नहीं, एंबुलेंस नहीं। स्कूल में शिक्षक नहीं। गरीबों के वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन तक बंद हैं और 'मईयां सम्मान योजना' की राशि तो रोहिंग्या और बांग्लादेशी भी लूट ले रहे। उन्होंने कहा कि आज गरीबों को घर बनाने के लिए बालू नहीं मिल रहा है। गरीब आदमी का बालू भरा ट्रैक्टर थानेदार पकड़ लेता है। पैसा वसूलता है और दलाल बिचौलियों का हाइवा पुलिस कभी नहीं पकड़ती है। क्योंकि इनसे थाना पुलिस की मिलीभगत है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राज्य का युवा आज दर-दर की ठोकरें खा रहा है। नौकरी रातों रात बिक रही हैं। परीक्षाएं रद्द हो जाती हैं। युवाओं को न नौकरी मिल रही न बेरोजगारी भत्ता। आज आदिवासियों की जमीन लूट ली जा रही। बहन-बेटियां असुरक्षित हैं। फिर हेमंत सोरेन किस मुंह से अपने आप को अबुआ सरकार का मुखिया बोलते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, दलित और पिछड़े सभी की चिंता अगर किसी ने की तो वह भारतीय जनता पार्टी है।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा बैठक की

एसआईआर के संबंध में दिये निर्देश

एजेंसी। रांची

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए आवश्यक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों एवं जिलों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्प डेस्क मैनेजर के साथ समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने पैतृक मैपिंग का प्रशिक्षण भी दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर के क्रम में कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज समर्पित करना पड़े, इसके लिए 2003 के मतदाता सूची से उनकी पैतृक मैपिंग आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाए जाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में आवश्यक तैयारियों को ससमय पूरा करने के निर्देश प्राप्त हैं। राज्य में अभी भी मैपिंग का कार्य जारी है और इसे गति देने के उद्देश्य से सभी पंचायत एवं वार्ड के स्तर पर कैंप लगाकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि मैपिंग के क्रम में सभी वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बताए गए दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए कार्य किए जाएं। वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं के पैतृक मैपिंग करते हुए उनके भौतिक एवं बीएलओ ऐप पर मार्किंग करना सुनिश्चित करें, जिससे गहन पुनरीक्षण के कार्य के लिए त्रुटिरहित डेटा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पडेस्क मैनेजर उपस्थित रहे।

रांची में नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू

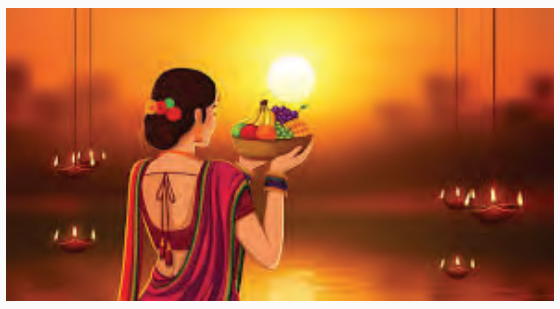

एजेंसी। रांची

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शनिवार से शुरू हो गया। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में व्रतियों ने शुद्ध रूप से नहा-धोकर नेम और निष्ठा का पर्व छठ की शुरूआत की। सुबह से ही व्रति नहाय खाय की तैयारियों में जुटे रहे और स्नान कर घर की शुद्धि कर अरवा चावल, कददू की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद बनाकर भगवान सूर्य को नमस्कार कर ग्रहण किया और प्रसाद स्वरूप इसे प्रियजनों को खिलाया। कई व्रती गेहूं सुखाते हुए भी देखी गईं। 26 अक्टूबर (रविवार) को खरना पर व्रती खीर का भोग अर्पित कर ग्रहण करेंगी। खीर के प्रसाद को आस-पास के लोग और प्रियजनों को भी खिलाया जाएगा। इसके साथ ही 36 घंटे का उपवास शुरू हो जाएगा। 27 अक्टूबर (सोमवार) को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा और दूसरे दिन 28 अक्टूबर (मंगलवार) को उदीयमान भगवान भुवन भास्कार को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद व्रति पारण करेंगी। इसी के साथ ही सर्फलदायी महापर्व छठ का समापन होगा।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने महापर्व छठ की दी शुभकामनाएं

एजेंसी। रांची

राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने महापर्व 'छठ पूजा' के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व 'छठ पूजा' के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा है कि भगवान भास्कर एवं छठी मैया सभी छठव्रतियों और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करें, ऐसी प्रार्थना है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का शुभारंभ हो रहा है। यह महापर्व हमारे जीवन में शुद्धता, श्रद्धा, संयम, समर्पण, संकल्प, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का अद्भुत संदेश देता है। छठी मईया एवं भगवान भास्कर से यही प्रार्थना है कि सभी व्रतियों और परिवारजनों को उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दें। यह पर्व हमारे राज्य और देश में खुशहाली, सद्भाव और नई ऊर्जा का संचार करे। जय छठी मईया। जय भगवान भास्कर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय खाय की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

रांची पुलिस ने किया बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। रांची

रांची में जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने शनिवार को एक बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के जुड़े पांच सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है, जिनकी निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कर्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अपराधियों में भरत बैठा, शाजिद अंसारी, रोहित कुमार उरांव, पिंटू गंझु और महेश्वर गंझु शामिल है। आरोपितों की निशानदेही पर जगन्नाथपुर, धुर्वा और तुपुदाना ओपी क्षेत्र से कुल 15 चोरी की बाइक बरामद की गयी है। रांची के नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा ने बताया कि जगरनाथपुर थाना एवं धुर्वा थाना अन्तर्गत सप्ताहिक शहीद मैदान, सब्जी बाजार एवं शालीमार बाजार में लगातार हो रही बाइकचोरी की घटनाओं को गंभीरतापूर्वक लेते एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन किया और तैनात गुप्तचर से प्राप्त सूचना के आधार पर मौसीबाड़ी गोलचक्कर के पास से अपराध विरोधी जांच के दौरान संदिग्ध भरत बैठा को पकड़ा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़ में आए आरोपित ने पूछताछ में बताया कि वह गिरफ्तारी के वक्त जिस बाइक का इस्तामाल कर रहा था, वह चोरी की है। वह शहर के शहीद मैदान सब्जी बाजार से 19 अक्टूबर इसकी चोरी की थी। आरोपित ने बताया कि विगत एक वर्ष में वह और उसके गिरोह से जुड़े सदस्य शाजिद अंसारी के जरिए साप्ताहिक बाजार बेड़ों, नगड़ी, शालीमार, शहीद मैदान से 100 (सौ) से अधिक बाइक की चोरी की गयी और कोयलरी क्षेत्र (मैक्लुस्कीगंज, खलारी, पिपरवाड़, बालूमाथ) में जाकर बेच दी गयी। पलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपितों ने जिन लोगों को चारी की मोटरसाइकिल बेची है, पुलिस उनके खिलाफ भी कार्रवाई कर रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपित भरत बैठा के खिलाफ पूर्व से रांची और लोहरदगा के अलग-अलग थानों में कुल नौ और साजिद के खिलाफ चार मामले दर्ज हैं।

पंचायत और वार्ड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर पैतृक मैपिंग में लाएं तेजी : के. रवि कुमार

एजेंसी। रांची

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य में आगामी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं की पैतृक मैपिंग के कार्य में तेजी लाने के लिए पंचायत और वार्ड स्तर कैंप लगाकर कार्य करने का निर्देश दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शनिवार को सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को अपने जिले के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाकर पैतृक मैपिंग के कार्य में तेजी लाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पैतृक मैपिंग का प्राथमिक उद्देश्य वर्ष 2003 में प्रकाशित मतदाता सूची के साथ वर्तमान मतदाता सूची का त्रुटिरहित और शीघ्र मिलान सुनिश्चित करना है।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज समर्पित करना पड़े, इसके लिए 2003 के मतदाता सूची से पैतृक मैपिंग आवश्यक है। पंचायत और वार्ड स्तर पर लगेंगे कैंप : पैतृक मैपिंग के कार्य में तेज़ी लाने के लिए, ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर ये विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में संबंधित मतदान केंद्रों के सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) अनिवार्य रूप से शामिल होंगे।

भौतिक सत्यापनः बीएलओ की ओर से 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं को श्रेणीवार अधिकतम भौतिक रूप से मैप करना है। डिजिटल मैपिंगः भौतिक रूप से सत्यापित किए गए सभी श्रेणी के मतदाताओं का विवरण बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत दर्ज करना और डिजिटल मैपिंग सुनिश्चित करना है। हाई-स्पीड इंटरनेट और ऑपरेटरों की अनिवार्यताः निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कैंपों में हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा और आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध हों। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि यह व्यवस्था मैपिंग कार्य को न केवल तीव्र गति देगी, बल्कि डेटा की शुद्धता और त्रुटिरहित संपादन की भी गारंटी देगी। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को इस कार्य को 'सर्वोच्च प्राथमिकता' पर रखते हुए तय समय सीमा में पूरा करने के लिए कहा।

छठ व्रतधारियों में जालान टिम्बर ने बांटी आम की लकड़ी

एजेंसी। रांची

छठ महापर्व के पावन अवसर पर जालान टिम्बर, लेक रोड रांची की ओर से शनिवार को आम की लकड़ी का निशुल्क वितरण किया गया। इसके साथ ही छठ व्रतधारियों के लिए रविवार को निःशुल्क दूध का भी वितरण किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जालान टिम्बर के मालिक रतन जालान ने कहा कि 50 वर्षों से यह परंपरा चलती आ रही है। जालान टिम्बर छठ व्रतधारियों की सुविधा के लिए यह कार्य करता है। जालान ने कहा कि श्रद्धा और आस्था के बिना कोई भी भक्ति व्यर्थ है और छठ महापर्व में इस तरह का कार्य करके मन को सुकून मिलता है। इसलिए यह कार्य पूवर्जों ने शुरू की थी और अब वे खुद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर हम सभी को श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान सूर्य की पूजा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसे भी आम की लकड़ी की जरूरत है वे उनके टिंबर में आकर निःशुल्क लकडी ले सकते हैं।

श्री गुरुनानक सत्संग सभा से धूमधाम से निकली प्रभात फेरी

एजेंसी। रांची

सिख पंथ के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा से प्रभात फेरी के दूसरे दिन शनिवार को भक्तिभाव से बीता। इस दौरान सूर्य की किरणों के निकलने से पहले ही श्रद्धालु, श्रद्धापूर्वक सिर को रूमाल और दुप्पटे से ढककर गुरुद्वारा साहिब पहुंचे और बडी संख्या में सत्संग सभा की फेरी में शामिल हुए। प्रभात फेरी का सभी श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा और आतिशबाजी कर स्वागत किया। सरदार छोटू सिंह ने निशान साहब उठाकर प्रभात फेरी की अगुवाई की, जबकि मनीष मिढ़ा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने वाहेगुरु से अरदास की। प्रभात फेरी के समापन पर सत्संग सभा ने श्रद्धालुओं में चाय नाश्ते का लंगर चलाया। मौके पर सरदार छोटू सिंह ने बताया कि सबसे पहले प्रभात फेरी सुबह 5.30 बजे पार्किंग गेट से निकलकर चंदन अरोड़ा, अर्जुन दास मिढा की गलियों से होते हुए गुरूद्वारा श्री गुरू तेग बहादुर स्त्री सतसंग सभा पहुंची। यहां कमिटी के सदस्यों ने फेरी का स्वागत किया। प्रभात फेरी में सत्संग सभा की कीर्तन मंडली के सुंदर दास मिढ़ा, जसपाल मुंजाल, इंदर मिढा, रमेश पपनेजा, बबली दुआ सहित अन्य ने सामुहिक रूप से तेरा जोर तेरी मन टेक सदा सदा जप नानक एक.... और गुरमुख अमृत पीवणा नानक सबद वीचार....जैसे शबद गायन से कालोनी की गलियों को नानकमय कर दिया। प्रभात फेरी में मुख्य रूप से अर्जुन दास मिढा, अशोक गेरा, मोहन काठपाल,जीवन मिढ़ा, महेंद्र अरोड़ा, आशु मिड्ढा, नवीन मिढा, रमेश तेहरी, रमेश गिरधर, राजेन्द्र मक्कड़, हरीश तेहरी, भरत गाबा, पंकज मिढ़ा सहित बडी संख्या में समाज के हर वर्ग के लोग मौजूद थे।

झारखंड के 17 जिलों में 26 को बारिश की आशंका

एजेंसी। रांची

दक्षिणी-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड के 17 जिलों में रविवार को हल्की बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से के सात जिलों को छोड़कर 17 जिलों में बारिश होने की आशंका है। विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर बना दबाव सात किमी प्रति घंटे की गति से लगभग पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। निम्न दबाव पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) से लगभग 440 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, विशाखापत्तनम से 970 किमी दक्षिण-पूर्व, चेन्नई से 970 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 990 किमी दक्षिण-पूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 1040 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित है। इसके लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और रविवार तक एक गहरे दबाव में बदलने और 27 अक्टूबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर, फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 28 अक्टूबर तक एक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। वहीं शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे लेकिन बाद में मौसम साफ हो गया। बादल छाने की वजह से दिन में गर्मी का एहसास हुआ। 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 34.4 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 16.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री जमशेदपुर और डालटेनगंज में 33.6 डिग्री, बोकारो में 33.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

स्वच्छता अभियान की पोल खुली

हाल ही में देश भर की अदालतों में शौचालयों की दशा पर उच्चतम न्यायालय में वस्तुस्थिति रपट दाखिल की गई। यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सरकार पिछले कई वर्षों से स्वच्छता अभियान और हर जरूरी जगहों पर शौचालय की उपलब्धता के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, इसमें बड़ी कामयाबी मिलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। हाल ही में देश भर की अदालतों में शौचालयों की दशा पर उच्चतम न्यायालय में वस्तुस्थिति रपट दाखिल की गई।रपट के मुताबिक, इन अदालत परिसरों में शौचालयों की लगातार अस्वच्छ स्थिति वहां के सभी उपयोगकर्ताओं के मौलिक और सम्मान के अधिकारों का उल्लंघन है। रपट में कहा गया है कि यह सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करने में नाकामी है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब अदालत परिसरों की यह स्थिति है, तो बाकी जगहों पर क्या दशा होगी। निश्चित रूप से अदालत परिसरों की यह तस्वीर अफसोसनाक है, लेकिन यह केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह भी देखने की जरूरत है कि क्या हर जरूरी जगह पर ऐसे स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय मौजूद हैं, जिसका उपयोग करने में किसी को हिचक न हो।सच यह है कि स्वच्छता अभियान के एक दशक बाद भी कई जगहों पर सार्वजनिक शौचालयों की कमी दिखती है। जिन जगहों पर शौचालय बनाए भी गए हैं, तो कई बार वहां की गंदगी देख कर लोग उनका इस्तेमाल नहीं करते। लंबी दूरी वाले मार्गों पर बहुत कम जगहों पर यह सुविधा है। हालत यह है कि जिन पेट्रोल पंपों पर शौचालय की सुविधा है, वहां केवल तेल लेने आए वाहनों में बैठे लोगों को ही उसके उपयोग की इजाजत दी जाती है। आम लोगों को कई बार मना कर दिया जाता है।यह निराशाजनक है कि खुले में शौच मुक्त वातावरण देने का वादा करने और इसके लिए अभियान चलाने वाली सरकार ने शौचालय बनाने के दावे तो किए, लेकिन उनकी साफ-सफाई के मानक नहीं तय किए। नतीजा यह कि इसकी समावेशी उपयोगिता का उद्देश्य ही हाशिये पर चला गया। दो साल पहले हुए एक सर्वेक्षण में कई लोगों ने माना था कि इन शौचालयों की दशा में कोई सुधार नहीं दिखता। सवाल है कि क्या केवल स्वच्छता का नारा देने भर से इसके उद्देश्य को हासिल किया जा सकेगा।

ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर क्यों उतरे लाखों अमेरिकी?

सत्ता में दूसरी बार वापसी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई फैसलों का जहां पूरी दुनिया में दबी जुबान से विरोध हुआ, वहीं अब वहां के लोग भी मुखर हो रहे हैं। देश के कई राजनीतिक पहले से ही राष्ट्रपति से नाराज दिख रहे थे। पिछले दिनों कई शहरों में ट्रंप के खिलाफ करीब सत्तर लाख अमेरिकी नागरिक सड़कों पर उतर आए। उनका दावा था कि ट्रंप प्रशासन अधिनायकवादी रुख अख्तियार कर रहा है। राष्ट्रपति के कई विवादित फैसलों से न केवल कई देशों के, बल्कि खुद अमेरिका के लाखों नागरिक प्रभावित हुए हैं।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने ये नारे लगाए कि विरोध करने से अधिक देशभक्ति कुछ नहीं। ट्रंप के आलोचकों का तो यहां तक कहना है कि राष्ट्रपति के कुछ कदम अमेरिका के लोकतंत्र के लिए न केवल खतरा हैं, बल्कि पूरी तरह असंवैधानिक भी हैं। ट्रंप का न सिर्फ अमेरिका में विरोध हुआ है, बल्कि यूरोप में भी उनके खिलाफ प्रदर्शन हुए। अमेरिका के हित में कदम उठाने और नीतियां बनाने के तमाम दावों के बावजूद लोग ट्रंप के फैसलों को सवालों के कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।कायदे से देखा जाए तो अमेरिकी लोगों के बीच फैले इस आक्रोश का संदेश बहुत बड़ा है। अमेरिका में हुए हालिया सर्वे में राष्ट्रपति ट्रंप को लेकर नागरिकों के बीच एकराय नहीं हैं। महज चालीस फीसद लोगों ने ही उनके कामकाज के प्रति समर्थन जताया है। जबकि अट्ठावन फीसद लोग राष्ट्रपति से असहमत हैं।दरअसल, स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती, कई अमेरिकी शहरों में राष्ट्रीय गार्ड की तैनाती, सख्त आप्रवासन नीति, कई देशों पर भारी-भरकम शुल्क थोपने और अरबपतियों की मदद करने से भी वहां के लोग खासे नाराज हैं। उनको लगने लगा है कि ट्रंप के कार्यकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला हो रहा है। अब राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ अभियान का नाम ही 'नो किंग्स' रखा गया है। ऐसा लगता है कि लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाने वाले अमेरिकी लोग 'राजा' जैसा बर्ताव कर रहे राष्ट्रपति को स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं।

ट्रंप जब 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे, तब उनके समर्थकों ने भी जनादेश को नकारते हुए प्रदर्शन किया था और कुछ समय के लिए कैपिटल हिल तक को अपने कब्जे में ले लिया था। बहरहाल, घटनाक्रमों से यही लगता है कि ट्रंप शायद ही अपनी नीतियों से पीछे हटेंगे। वह जिस तरह की मनमर्जी करते रहे हैं, वह यही बताता है कि आने वाले दिन तनावपूर्ण बने रह सकते हैं। वास्तव में, ट्रंप के समर्थकों का एक आधार है, जो 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (अमेरिका को फिर से महान बनाएं) की वकालत करता है। इसमें वे लोग शामिल हैं, जो मानते हैं कि पिछली डेमोक्रेटिक सरकार के दौरान वे विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे।

अपना ही बोया काट रहे राष्ट्रपति ट्रंप

(अरविंद गुप्ता)

अमेरिका में राजनीतिक विभाजन कितना गहरा हो गया है, इसकी एक बानगी है ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चल रहा विरोध-प्रदर्शन। बीते 18 अक्तूबर को देश भर में करीब 2,700 जगहों पर प्रदर्शन हुए, जिनमें माना जा रहा है कि 70 लाख अमेरिकियों ने शिरकत की। इन प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे और वे 'नो किंग्स' के नारे लगा रहे थे, यानी अमेरिका में कोई राजा नहीं है। 'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन वही लोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति की नीतियों से खफा हैं और यह मानते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप एक तानाशाह के रूप में उभरे हैं। इनमें विरोधी पार्टी डेमोक्रेटिक के समर्थक भी हैं। उनकी नजर में रिपब्लिकन शासन में अमेरिका का लोकतंत्र कमजोर हुआ है और आप्रवासन नीति या 'शटडाउन' जैसे ट्रंप प्रशासन के फैसलों से देश की सेहत लगातार बिगड़ रही है। गौरतलब है, सरकारी खर्च को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी न मिल पाने के कारण वहां सरकारी सेवाएं ठप हो चुकी हैं और तमाम विभागों के लाखों लोग या तो बिना वेतन के काम कर रहे हैं या उनको जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है, ताकि खर्च में कटौती की जा सके। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य और शिक्षा के मद में भी खर्च घटाए गए हैं, साथ ही डेमोक्रेट सरकार के समय जो सुविधाएं लोगों को उपलब्ध थीं, उनमें भी कटौती की गई है। आलोचकों में नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि ट्रंप ने ऐसे कई कार्यकारी आदेशों पर दस्तखत किए हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते और यह काम केवल कांग्रेस कर सकती है। जैसे, टैरिफ को बढ़ाना, जिसका असर महंगाई पर पड़ा है। साफ है, ट्रंप के रुख को अमेरिका के लोग पसंद नहीं कर रहे। जून में भी इसी तरह से 'नो किंग्स' विरोध- प्रदर्शन हुए थे, हालांकि उसका दायरा सीमित था। लिहाजा, देखना अब यह है कि भविष्य में इस तरह के विरोध-प्रदर्शन किस दिशा में आगे बढ़ते हैं? इसका आकलन इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ट्रंप समर्थक इसे 'हेट अमेरिका', यानी अमेरिका-विरोधी बता रहे हैं। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने एआई की मदद से एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वह 'किंग ट्रंप' नामक लड़ाकू विमान में बैठे हुए हैं और प्रदर्शनकारियों पर इंसानी मल गिरा रहे हैं। यह अमेरिका में गहराते ध्रुवीकरण और राजनीतिक विभाजन का संकेत है। इसीलिए यह सवाल उठने लगा है कि बेशक अभी तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं और किसी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई है, पर क्या आने वाले दिनों में भी यही स्थिति बनी रहेगी? यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों की एक लंबी और गहरी परंपरा रही है। संविधान संशोधन 'एक' के माध्यम से यहां के हर व्यक्ति को यह अधिकार हासिल है कि वह अपनी मांग को लेकर लोगों को जुटा सकता है और विरोध का बिगुल बजा सकता है। वह अपनी बात सार्वजनिक तौर पर रखने के लिए स्वतंत्र है। यही कारण है कि पिछले दशक में यहां इस तरह के कई प्रदर्शन हुए। 21 मई, 2017 को राष्ट्रपति ट्रंप (पहले कार्यकाल) की नीतियों और बयानबाजियों के विरोध में महिलाओं ने एक लंबा मार्च निकाला था, जिसमें कहा जाता है कि 70 से 80 लाख प्रदर्शनकारी शामिल हुए थे। 'ब्लैक लाइव्स मैटर' भी इसी तरह का विरोध-प्रदर्शन रहा है। ट्रंप जब 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे, तब उनके समर्थकों ने भी जनादेश को नकारते हुए प्रदर्शन किया था और कुछ समय के लिए कैपिटल हिल तक को अपने कब्जे में ले लिया था। बहरहाल, घटनाक्रमों से यही लगता है कि ट्रंप शायद ही अपनी नीतियों से पीछे हटेंगे। वह जिस तरह की मनमर्जी करते रहे हैं, वह यही बताता है कि आने वाले दिन तनावपूर्ण बने रह सकते हैं। वास्तव में, ट्रंप के समर्थकों का एक आधार है, जो 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (अमेरिका को फिर से महान बनाएं) की वकालत करता है। इसमें वे लोग शामिल हैं, जो मानते हैं कि पिछली डेमोक्रेटिक सरकार के दौरान वे विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। उनकी आय कम है और वे रूढ़िवादी हैं। मुमकिन है, 'मागा' समर्थकों का यह आधार मौजूदा 'नो किंग्स' प्रदर्शन के विरोध में सड़कों पर उतर आए। हालांकि, ट्रंप अपनी नीतियों से देश के भीतर ही हलचल नहीं मचा रहे, पूरी विश्व-व्यवस्था को अस्थिर बना रहे हैं। उनकी घरेलू नीतियां अमेरिका की विदेश नीति को भी प्रभावित करने लगी हैं। मसलन, उन्होंने अपने मागा आधार के किसानों को सुरक्षा देने और अमेरिकी फैक्टरियों के चीन चले जाने के कारण बढ़ी बेरोजगारी से मुकाबला करने के लिए टैरिफ का दांव खेला है। एच1-बी वीजा शुल्क में बेहिसाब वृद्धि भी इसी की देन है। 'यूएसएड' का मसला भी कुछ ऐसा ही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस कार्यक्रम के लिए धन का आवंटन रोक दिया है, जिसके कारण कई देशों को दी जा रही मानवीय मदद थम गई है। आखिर यह स्थिति कब तक बनी रह सकती है? एक अनुमान है कि मध्यावधि चुनाव के बाद शायद हालात सुधर जाएं। दरअसल, अगले साल अमेरिका में 'हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स' और 'सीनेट' के चुनाव होने वाले हैं। फिलहाल इनमें रिपब्लिकन को बहुमत हासिल है, पर यदि इन मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट जीतकर आते हैं, तो ट्रंप अपनी नीतियां बदलने को मजबूर हो सकते हैं। हालांकि, जिस तरह का रवैया वह अपनाते रहे हैं, एक तबका यह भी मान रहा है कि वह हारने के बाद टकराव ही अधिक मोल लेंगे? जहां तक भारत की बात है, तो फिलहाल दोनों देशों के रिश्ते दबाव में हैं। टैरिफ और वीजा ऐसे मसले हैं, जिन पर नई दिल्ली की अपनी आपत्तियां हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन भारत की असहमतियों को लेकर कितना संजीदा है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। अमेरिका यदि अपनी आंतरिक चुनौतियों में और उलझता है, तो इन मसलों पर होने वाली बातचीत धीमी पड़ सकती है, जिसका नुकसान हमें उठाना पड़ सकता है। इसका एक अर्थ यह भी है कि अमेरिका में चल रहा विरोध-प्रदर्शन बेशक सीधे तौर पर हमें प्रभावित न कर रहा हो, लेकिन परोक्ष रूप से यह हमें नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में, हम कामना यही करेंगे कि अमेरिका के घरेलू हालात जल्द सुधर जाएं और विश्व व्यवस्था में वह पूर्ववत अपना योगदान देना शुरू करे।

(लेखक पूर्व राजनयिक एवं डायरेक्टर, वीआईएफ है)।

बीते बीस सालों में कमजोर ही हुआ आरटीआई कानून

(अंजलि भारद्वाज)

सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून स्वतंत्र भारत में लागू किए गए सबसे परिवर्तनकारी व सशक्त कानूनों में से एक रहा है। यह कानून 2005 में व्यापक जनांदोलनों के बलबूते अस्तित्व में आया और लोकतांत्रिक ढांचे के दायरे में सत्ता का नए सिरे से पुनर्गठन करने लगा। एक अनुमान के अनुसार, हर साल आरटीआई कानून के तहत लगभग 60 लाख आवेदन दायर किए जाते हैं, जिससे यह दुनिया में सबसे व्यापक इस्तेमाल वाला पारदर्शी जन-कानून बन गया है। इन्हीं सब कारणों से आरटीआई कानून 2011 में वैश्विक पारदर्शिता रैंकिंग में शीर्ष पर चला गया था। भारत के इस जन-हितकारी कानून ने नागरिकों को सक्षम बनाया है कि वे सरकारों को जवाबदेह ठहरा सकें। शायद यही कारण है कि इस अधिकार का इस्तेमाल करने वालों को लगातार कटु प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। पिछले छह वर्षों में इस कानून में दो बार नकारात्मक संशोधन हो चुके हैं- साल 2019 में और फिर 2023 में। पहले संशोधन में सूचना आयोगों की स्वायत्तता पर गहरा आघात किया गया। मूल कानून में सूचना आयोगों को अधिकार था कि वह संबंधित सरकारों को सूचना सार्वजनिक करने और कानून का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को दंडित करने के निर्देश दे सकता था। आरटीआई के कामकाज के लिए आयोगों की स्वतंत्रता को बनाए रखना जरूरी है। मगर 2019 के संशोधन में सभी सूचना आयुक्तों के कार्यकाल, वेतन और सेवानिवृत्ति के बाद के उनके लाभों के बारे में नियंत्रण केंद्र सरकार को सौंप दिया गया, जिससे उनकी स्वायत्तता बुरी तरह कमजोर हो गई। सरकारें लंबे समय से आयोगों की सूचना सार्वजनिक करने के आदेश देने संबंधी अधिकार पर नजर गड़ाए हुए थीं। उसका यह अधिकार सरकारों के लिए तब और खतरनाक साबित होने लगा, जब सरकारी विभाग और उसके अधिकारी गोपनीयता के नाम पर सूचना छिपना चाहते थे। इसलिए, बीते करीब एक दशक से एक भी आयुक्त की नियुक्ति अदालतों का दरवाजा खटखटाए बिना नहीं की गई है। इसी का नतीजा है कि आज बड़े पैमाने पर मामले लंबित हैं। अगस्त 2023 में डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) कानून के पारित होने से लोगों के जानने के अधिकार को एक और झटका लगा। इस कानून ने आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) में संशोधन करके सभी व्यक्तिगत सूचनाओं को सार्वजनिक करने की बाध्यता से मुक्त कर दिया। मूल प्रावधान के तहत, व्यक्तिगत जानकारी को केवल तभी रोका जा सकता था, जब उसका सार्वजनिक गतिविधि या सार्वजनिक हित पर कोई दुष्प्रभाव पड़ता हो, या उससे निजता का अनुचित उल्लंघन होता हो। डीपीडीपी संशोधन ने कानून के एक महत्वपूर्ण प्रावधान को भी कि, 'जो जानकारी संसद या विधानमंडलों को देने से इनकार नहीं किया जा सकता, उसे किसी भी व्यक्ति को देने से इनकार नहीं किया जाएगा', हटा दिया। डीपीडीपी कानून ने लोगों की सूचना पाने की क्षमता को कम किया। संशोधित प्रावधानों का इस्तेमाल कर 'व्यक्तिगत जानकारी' की सुरक्षा के बहाने ऋण न चुकाने वालों के नाम, मतदाता सूची, महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल अधिकारियों की पहचान और यहां तक कि सार्वजनिक कार्यों को अंजाम देने वाले ठेकेदारों के नाम जैसे विवरणों को रोका जा सकता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5893

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5892

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5893

1	2	3	4		5	6	7
8					9		
			10	11		12	
		13		14	15		
16	17			18		19	
			20			21	22
23		24			25		
26				27			

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह मध्यप्रदेश का राजकीय पक्षी है जिसे शाहे बुलबुल या पैराडाइज फ्लाई केचर नाम से भी जाना जाता है (4)
5. माइक्रोफोन (3)
8. इस्लामी नौवां महीना जिसमें मुस्लिम दिनभर रोजा रखत है (4)
9. गतिशैली, फैशन, परिपाटी, प्रथा (3)
10. ब्रह्मा के पुत्र और मनुष्यों के मूल पुरुष (4)
12. वह राजा जिसके नाम से संवत् चला (2)
14. जन्म देने वाली जननी, मां, मातृ (2)
16. पैगंबर की एक उपाधि, समान (3)
18. पहेली संकेत, निर्देश (3)
20. फूंक, बल, चाबुक (2)
21. मेघ से संबंधित एक नक्षत्र (2)
23. शनशौकत, वैभव (4)
25. बड़ी समतल भूमि (3)
26. अस्थायी निवास (3)
27. स्पर्शमणि, परोसा (3)

ऊपर से नीचे
1. टेलीविजन, दूर की चीजें देखना (5)
2. धमाका (2)
3. नृपति, नरेश, किंग, सम्राट (2)
4. अवतरण, उत्पत्ति, देह धारण (3)
5. भाषण (अंग्रेजी) (2)
6. घड़ा, गगरी (3)
7. झंकृत होना, झनकना, टंकृत होना (4)
11. प्रदर्शन, दिखावा, दिखावटीपन (4)
13. अपरिचित, परजन, अन्य, दूसरा (2)
15. डुग्गी की तरह का एक वाद्य (2)
17. पूर मान से, हृदय से, तहे दिल से (4)
19. ये छत्रपति शिवाजी के गुरू थे (4)
20. कण का अपभ्रंश (2)
22. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली या सेंकी जाए (2)
23. जल, नीर, पानी (2)
24. अल्पवयस्क, छोटी अवस्था का (2)
25. रह-रहकर होने वाली कसक (2)

वर्ग पहेली 5892 का हल

सि	या	चि	न		बे	त	वा
ता	व	प	र		क	ल	म
र	न	क	ना		री	वा	
		ना	ह	क		र	वि
मे	घ		र	वि	श		श्व
घ				ता	मी	र	
दू	ना		र	क	म		मा
त	ज	ना		मीं		स	ही

आज का राशिफल

मेष
आज घरेलू आनंद और मानसिक शांति प्रदान करेंगे। चंद्रमा षष्ठ भाव में राजकीय सम्मान का योग बना रहा है। इससे आपको सामाजिक और सरकारी स्तर पर लाभ मिल सकता है। द्वितीय धन भाव में मिथुन राशि के बृहस्पति का संचार आज धार्मिक विचारों को बल देगा और गुरुजनों एवं ब्राह्मणों के प्रति सम्मान की भावना बढ़ाएगा।

वृष
आज घरेलू और व्यावसायिक जीवन के बीच उलझते दिख रहे हैं। व्यवसाय के विस्तार और नए प्रोजेक्ट पर काम करने का उत्तम समय है। बाहर से सहयोग मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। संतान के विवाह या करियर संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने के संकेत दिख रहे हैं।

मिथुन
आज आपको लाभ मिल सकता है। हालांकि चंद्रमा वृश्चिक राशि में नीच स्थिति में है, जिससे भाइयों के साथ विवाद बढ़ सकता है। पारिवारिक मामलों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। शत्रु पक्ष सक्रिय रहेगा और आपके कार्यों में बाधा डालने का प्रयास करेगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। आप अपने प्रतिस्पर्धियों के लिए चुनौती बने रहेंगे और वे आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। मीन राशि का कोई पारिवारिक व्यक्ति आपकी नीतियों को भेदने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपने निजी रहस्यों को साझा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहें।

सिंह
आज के दिन मानसिक दबाव झेलना पड़ सकता है। विरोधी आपकी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन धैर्य से आपको काम लेना होगा। प्राथमिकता के आधार पर कार्यों को विभाजित करें। वरिष्ठ अधिकारियों से अपनी गलतफहमियों को दूर करने का आज सही समय है। राशि स्वामी शनि द्वितीय भाव में मीन राशि में स्थित है।

कन्या
आज का दिन उत्तम राजयोग का है। इसके प्रभाव से आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी हो सकती है। अचानक आर्थिक लाभ की संभावना भी बन रही है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत होगी। परोपकार के कार्यों में आगे बढ़ेंगे और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भी रुचि बढ़ेगी।

तुला
लंबे समय से चली आ रही रुकावटें आज दूर होंगी। आपके कार्यों में तेजी आएगी और मानसिक शांति प्राप्त होगी। किसी महत्वपूर्ण योजना की सफलता से उत्साह बढ़ेगा। रचनात्मक कार्यों के लिए समय अनुकूल है। साहित्य, कला, संगीत और मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष लाभ होगा। भाग्य आपका साथ दे रहा है।

वृश्चिक
आज अपने हुनर से मुश्किल कामों को भी आसानी से पूरा कर लेंगे। हालांकि परिवार के लोग आपके फैसलों को हमेशा नहीं समझ पाते, फिर भी आपकी हिम्मत और दूरदर्शिता सफलता दिलाएगी। राशि के स्वामी शुक्र की अनुकूल दृष्टि कार्यक्षेत्र में उन्नति दिलाएगी। किसी नई योजना को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। हालांकि जल्दबाजी या भावनाओं में आकर कोई निर्णय लेने से बचें।

मकर
परीक्षा में आज का दिन निर्णायक साबित हो सकता है। आप जिस मेहनत से अपनी रणनीति को लागू कर रहे थे, उसके सकारात्मक परिणाम मिलते दिखेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इस दौरान अटके हुए पैसे की प्राप्ति संभव है। कामकाज में नए अवसर भी आपको मिलेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

कुंभ
आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप नई ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ेंगे। किसी बड़े लाभ की संभावना बनती हुई दिख रही है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और कार्यक्षेत्र में तेजी देखने को मिलेगी। इसके साथ ही आपक वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा भी मिलेगी। आज का दिन निवेश के लिए अनुकूल है। मकान, वाहन या संपत्ति संबंधी किसी कार्य में सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

धनु
आज सर्वत्र विजय और सफलता का योग बन रहा है। कुंडली के पंचम भाव में स्थित चंद्रमा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला सिद्ध होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद या सम्मान मिलने की संभावना है। किसी प्रभावशाली या सत्ता से जुड़े व्यक्ति की कृपा से बड़ा लाभ मिल सकता है। चार-पांच महीने पहले खोई हुई कोई मूल्यवान चीज आज अचानक मिल सकती है।

मीन
आज घरेलू और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में हलचल बनी रहेगी। दिन की शुरुआत थोड़ी परेशानी के साथ होती दिख रही है। धैर्य और प्रयास से परिस्थितियां संभालने की कोशिश करें। आपके कुछ विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश आज के दिन कर सकते हैं। आप अपनी कार्यकुशलता से परिस्थितियों पर नियंत्रण पा लेंगे। पारिवारिक विवादों से बचें और समझदारी से निर्णय लें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

इस बार छठ पूजा पर बन रहा है बेहद ही दुर्लभ संयोग

देशभर में हर पर्व व त्योहार को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है और दिवाली के 6 दिन बाद छठ महापर्व आता है. जो कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों का एक महत्वपूर्ण व लोक आस्था का पर्व है. छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है और इस दौरान चार दिनों को विभिन्न परपंराओं के साथ इस पर्व को मनाया जाता है. इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण किया जाता है. इस साल छठ पूजा का पर्व 28 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा और इसकी शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ होगी. इस साल छठ पूजा पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं.

पहला दिन, 25 अक्टूबर 2025 - नहाय-खाय, इस दिन व्रती स्नान के बाद शुद्ध व सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं. इसमें मुख्य तौर पर चना दाल और लौकी की सब्जी होती है.

दूसरा दिन, 26 अक्टूबर 2025- खरना, छठ पूजा के दूसरे दिन खरना होता है और इस दिन व्रती गुड़ की खीर बनाकर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हें. इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है.

तीसरा दिन, 27 अक्टूबर 2025 - संध्या अर्घ्य, तीसरे दिन व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं. इस दिन बांस के सूप में सभी प्रकार के फल व ठेकुआ रखकर पानी में खड़े होकर सूर्य देव का पूजन होता है और फिर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है.

अंतिम दिन, 28 अक्टूबर 2025 - उगते सूर्य को अर्घ्य, छठ पर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और इसके साथ ही व्रत का समापन होता है. इस दौरान सूर्य देव से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की जाती है.

छठ पूजा पर बन रहा है दुर्लभ संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार 27 अक्टूबर को रात 10 बजकर 46 मिनट तक रवि योग रहेगा और इसे बेहद ही शुभ योग माना गया है. इसके अलावा छठ पूजा के दिन सुकर्मा योग भी बन रहा है जो कि पूरी रात रहेगा और इस योग में पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होता है. इतना ही नहीं छठ पूजा के दिन पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र भी उपस्थित रहेगा. इन सभी योग व नक्षत्रों में सूर्य देव का अर्घ्य देने में सुख-समृद्धि, संतान प्राप्ति की कामना, आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होगी.

छठी पूजा का महत्व

छठ पूजा के दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में भक्त गंगा नदी जैसे पवित्र जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छठ पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती हैं।

छठ पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

- छठ पर्व के दिनों में भूलकर भी मांसाहारी चीजों का सेवन न करें। साथ ही छठ पूजा के दिनों में लहसुन व प्याज का सेवन भी न करें।
- इस दौरान व्रत रख रही महिलाएं सूर्य देव को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।
- छठ पूजा का प्रसाद बेहद पवित्र होता है। इसे बनाते समय भूलकर भी इसे जूठा न करें।
- पूजा के लिए बांस से बने सूप और टोकरी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। पूजा के दौरान कभी स्टील या शीशे के बर्तन प्रयोग न करें।
- साथ ही प्रसाद शुद्ध घी में ही बनाया जाना चाहिए।

भगवान सूर्य और छठ माता को समर्पित है छठ पूजा का व्रत

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक

भारत के अधिकाधिक पर्वो की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय श्रृंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गढ़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.

5 महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना अधूरा है पर्व

षष्ठी देवी, छठ माई या कहें कि सूर्य षष्ठी के अवसर पर पूजन में कोई भी कमी नहीं रहना चाहिए। यहां प्रस्तुत है 5 ऐसी महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना पर्व की परंपरा अधूरी मानी जाती है।

- छठ पूजा में बांस की टोकरी का विशेष महत्व होता है। इसमें अर्घ्य का सामान पूजा स्थल तक लेकर जाते हैं और भेंट करते हैं।
- दूसरी चीज होती है ठेकुआ। गुड़ और गेहूं के आटे से बना ठेकुआ छठ पर्व का प्रमुख प्रसाद है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।
- गन्ना पूजा में प्रयोग किया जाना वाला प्रमुख सामग्री होता है। गन्ना से अर्घ्य दिया जाता है और घाट पर घर भी बनाया जाता है।
- छठ पूजा में केला का प्रसाद के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है । छठ में केले का पूरा गुच्छा छठ मइया को भेंट किया जाता है।
- शुद्ध जल और दूध का लोटा.यह अर्घ्य देने के काम आएगा और अर्घ्य ही इसी पूरी पूजा के केन्द्र में होता है।

छठ धार्मिक के साथ सांस्कृतिक पर्व भी

लोक आस्था का महापर्व है छठ। परम नियम-निष्ठा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह पर्व नहाय-खाय से शुरू हो गया। रांची में बिहार, यूपी और झारखंड सहित अन्य प्रांतों के लोग भी इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

आस्था, श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ पर्व। सूर्य की अराधना होती है, उपासना होती है। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु परिवर्तन होता है तो उस समय एक न एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है। उसकी तैयारी अर्थात उसके स्वागत की तैयारियों का प्रारंभ छठ व्रत उपवास से प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते है। जिससे तापमान मे कमी होने लगती है। छठ व्रत बिहार की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है। छठ के घाटों पर मेला लगा रहता है। बेहिचक लोग परिचित-अपरिचित सभी से प्रसाद की याचना करते हैं। इस प्रसाद को पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं। केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक, ईख, गेहूँ के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों को अब यह सारा सामान बाजार से खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी सारा सामान पटना और बनारस से आता है। जाहिर तौर पर छठ पूजा के रंग भी सबसे ज्यादा यही दिखाई देते हैं।

कौन हैं मां षष्ठी देवी

छठ पर्व पर सूर्य आराधना एवं षष्ठी देवी के पूजन का विशेष महत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि षष्ठी देवी कौन हैं और क्योंकि पड़ा उनका यह नाम?

दरअसल मां षष्ठी देवी, मां कात्यायनी का ही रूप हैं और मां कात्यायनी, दुर्गा का छठा अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका नाम कात्यायनी पड़ गया। षष्ठी तिथि के अलावा नवरात्र के छठे दिन कात्यायनी देवी की पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की जाती है।

कैसा है षष्ठी देवी का स्वरूप

दिव्य रुपा कात्यायनी देवी का शरीर सोने के समाना चमकीला है। चार भुजा धारी मां कात्यायनी सिंह पर सवार हैं। अपने एक हाथ में तलवार और दूसरे में अपना प्रिय पुष्प कमल लिये हुए हैं। अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में हैं। इनका वाहन सिंह हैं। देवी कात्यायनी के नाम और जन्म से जुड़ी एक कथा प्रसिद्ध है।

क्यों पड़ा देवी का नाम कात्यायनी

एक कथा के अनुसार एक वन में कत नाम के एक महर्षि थे उनका एक पुत्र था जिसका नाम कात्य रखा गया। इसके पश्चात कात्य गोत्र में महर्षि कात्यायन ने जन्म लिया। उनकी कोई संतान नहीं थी। मां भगवती को पुत्री के रूप में पाने की इच्छा रखते हुए उन्होंने पराम्बा की कठोर तपस्या की। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें पुत्री का वरदान दिया। कुछ समय बीतने के बाद राक्षस महिषासुर का अत्याचार अत्यधिक बढ़ गया। तब त्रिदेवों के तेज से एक कन्या ने जन्म लिया और उसका वध कर दिया। कात्य गोत्र में जन्म लेने के कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ गया।

षष्ठी देवी का सरल मंत्र

चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दू लवर वाहना
कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानव घातिनि
मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी मानी गई हैं। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत भक्तों को माता की अवश्य उपासना करनी चाहिए।

षष्ठी देवी मंत्र

षष्ठांशां प्रकृतेः शुद्धां सुप्रतिष्ठाप्च सुव्रताम।
सुपुत्रदां च शुभदां दयारूपां जगत्प्रसूम।।
श्वेतचम्पकवर्णाभां रत्नभूषणभूषिताम।
पवित्ररुपां परमां देवसेनां परां भजे।।

छठ पूजा पर तमिलनाडु में मनाते हैं सूरसम्हारम पर्व?

उत्तर भारत में जहां छठ पूजा का पर्व मनाया जाता है जिसमें सूर्यदेव की पूजा के साथ ही छठ मैया की पूजा की जाती है वहीं दक्षिण भारत में इसी दिन सूरसम्हारम पर्व मनाया जाता है जिसमें भगवान कार्तिकेय की पूजा की जाती है। क्या है इस पर्व को मानाने की पीछे की कथा?

भगवान कार्तिकेय को दक्षिण भारत में मुरुगन और स्कंद कहा जाता है। इसीलिए षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी के रूप में जाना जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को कन्न षष्ठी कहते हैं। यह तमिल हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। इस पर्व की शुरुआत कार्तिक माह की शुक्ल प्रतिपदा तिथि से ही हो जाती है जिसका समापन षष्ठी के दिन होता है। यानी छह दिवसीय उपवास का पालन किया जाता है। षष्ठी के दिन पर्व का समापन होता है जिसे सूरसम्हारम दिवस कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान मुरुगन ने सूरसम्हारम के दिन असुर सुरपद्मन को युद्ध में पराजित किया था। इसलिए तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश के रूप में प्रतिवर्ष सूरसम्हारम का त्योहार मनाते हैं। सूरसम्हारम के अगले दिन थिरु कल्याणम मनाया जाता है। थिरुचेन्दुर मुरुगन मंदिर में कन्द षष्ठी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

इंदौर शर्मसार

ऑस्ट्रेलियन महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़, युवक गिरफ्तार

● महिला खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ ● मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलने आई ऑस्ट्रेलियन टीम की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने पांच थानों की टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे खजराना रोड की बताई जा रही है। वहीं मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी। दोनों महिला खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से पैदल कैफे (द नेबरहुड) की तरफ जा रही थीं। तभी सफेद शर्ट और काली टोपी पहने एक बाइक सवार युवक उनका पीछा करने लगा। कुछ ही देर में आरोपी ने इनमें से एक खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ और मौके से भाग निकला। घबराई दोनों खिलाड़ियों ने तुरंत टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को मैसेज किया और अपनी लाइव लोकेशन भेजी। जानकारी मिलते ही डैनी सिमंस ने टीम के सुमित चंद्रा से संपर्क कर मदद के लिए कार रवाना कर दी और खिलाड़ियों को सुरक्षित होटल पहुंचाया। दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना-माना नाम हैं।

सीसीटीवी फुटेज से हुई आरोपी अकील की पहचान - सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस की शिकायत पर एमआईजी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने विजय नगर, एमआईजी, खजराना, परदेशीपुरा, कनाड़िया थाने की टीम गठित की। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपी की पहचान हुई और शुक्रवार शाम को पुलिस ने खजराना निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि अकील पर पहले से भी आपराधिक केस दर्ज हैं। वह आजाद नगर में रह रहा था। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और जिला प्रशासन को भी दे दी है।

होटल से मैदान के रूट पर सुरक्षा बढ़ाई गई - इस घटना के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। होटल से मैदान तक आने-जाने के रूट पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने इस मामले में नाराजगी व्यक्त करते हुए इंटेलिजेंस विंग को फटकार भी लगाई है।

खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारी को संदेश भेजा था - महिला खिलाड़ियों ने टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को संदेश भेजा था। यह संदेश इमरजेंसी के लिए होता है। यह तब दिया जाता है जब कोई पीछा कर रहा है या पकड़ने की कोशिश कर रहा हो।

हिमाचल में पैराग्लाइडिंग करते वक्त पायलट गिरा

हवा में पैराग्लाइडर का संतुलन बिगड़ने से हादसा; 7 देशों के 59 पायलट ले रहे भाग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में तीसरा फ्लाइंग फेस्टिवल शनिवार को शुरू हो गया। इस फेस्टिवल के पहले दिन एक पायलट का पैराग्लाइडर असंतुलित हो गया। इससे पायलट जमीन पर गिर गया। उसे हल्की चोटें आई है। शिमला के जुन्गा में तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में सात देशों के 59 पायलट भाग ले रहे हैं। चीन के टॉप रैंक प्राप्त यानचिन्ह पायलट भी पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं और हवा में अठखेलियां कर रहे हैं।

इंटरनेशनल लेवल पर हिमाचल को पहचान दिलाना मकसदः अरुण - आयोजक अरुण रावत ने बताया कि संतुलन बिगड़ने से पायलट गिरा है। वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि पायलट का नाम पता करने के बात बता पाउंगा। रावत ने कहा- इस बार देश में पहली बार पैराग्लाइडिंग प्री वर्ल्ड कप और प्री एशियन लीग चैंपियनशिप का संयुक्त आयोजन किया किया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन में भारत ने 11 मेडल जीते

8 गोल्ड और 3 सिल्वर शामिल ; प्रमोद भगत-मानसी ने दो-दो गोल्ड जीते

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल टेबल में टॉप स्थान हासिल किया। पैरा ओलिंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते, जबकि सुकांत कदम ने एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते - प्रमोद भगत ने पुरुष सिंगल्स के एसएल 3 वर्ग के फाइनल में अपने ही साथी खिलाड़ी मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद भगत ने सुकांत कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल 3-एसएल 4 वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से मात दी। भगत ने जीत के बाद कहा, मैं दो गोल्ड मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। मनोज के खिलाफ मुकाबला कड़ा था क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं। भारत के लिए यह शानदार प्रदर्शन है।

कदम और सूर्यकांत के बीच रोमांचक फाइनल - सुकांत कदम ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में सूर्यकांत यादव से 21-23, 21-14, 19-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

मानसी जोशी ने भी जीते दो गोल्ड जीते - भारत की मानसी जोशी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। उन्होंने महिला सिंगल्स स्ल्३ वर्ग में गोल्ड जीता और डबल्स एसएल3-एस5 वर्ग में रुथिक रघुपति के साथ मिलकर खिताब पर कब्जा किया। रुथिक ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में चिराग बरेठा के साथ मिलकर एक और गोल्ड मेडल जीता। मेंस डबल्स में एसएच 6 वर्ग में शिवाराजन सोलाईमलाई ने गोल्ड और सुदर्शन मुथुस्वामी ने सिल्वर मेडल हासिल किए। इसके अलावा यशोधन रवनकोले और धीरज सैनी की जोड़ी ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में गोल्ड जीता। विमेंस सिंगल्स एसएल4 + एस5 वर्ग में सरुमाथी ने ऑस्ट्रेलिया की जाश्का गनसन को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे

रोहित शर्मा 121 और विराट कोहली 74 पर रहे नाबाद

सिडनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा व आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने सीरीज में क्लीन स्वीप को टाला और सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई।

भारत के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने शतकीय पारी खेली और विराट ने शानदार पचासा लगाया। रोहित शर्मा इस पारी में 121 रन बनाकर नाबाद रहे और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ दोनों खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ नंबर है अभी यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलने को तैयार हैं।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 236 रन पर ढेर हो गई थी। मेजबान टीम 46.4 ओवर में ही सिमट गई। हर्षित राणा के नाम सबसे ज्यादा चार विकेट दर्ज हुए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने दो विकेट झटके थे। इसके अलावा सिराज, अक्षर, कुलदीप और कृष्णा को 1-1 विकेट मिला था।

इस सीरीज के पहले दोनों मैचों में पर्थ और एडिलेड के मैदान पर भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब तीसरे मैच में कप्तान शुभमन गिल की भी साख दांव पर थी जहां भारत को रोहित और विराट ने आसान जीत दिलाई। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की नाबाद साझेदारी की और भारत को बेहतरीन जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक बार वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित, कोहली-संगकारा को पीछे छोड़ा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। रोहित ने 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। कोहली और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 130+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। रोहित इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इसे हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। गिल 26 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित और कोहली का बल्ला गरजा। रोहित ने पहले वनडे करियर का 60वां अर्धशतक पूरा किया और फिर शानदार पारी जारी रखते हुए शतक लगाया। रोहित ने अपनी इस शतकीय पारी के दम पर कई उपलब्धियां हासिल कर ली है।

चेज करते हुए विराट कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित के साथ 19वीं बार 100+ रन की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले विराट कोहली आखिरकार अंतिम मुकाबले में वापसी करने में कामयाब रहे। उन्होंने 56 गेंदों में करियर के 75वें अर्धशतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम इंडिया ने रोहित-कोहली की 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी के दम पर नौ विकेट के शेष रहते हासिल कर लिया।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं। रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यह दूसरी जोड़ी है। इन दोनों से आगे इस प्रारूप में बस सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है जिन्होंने 8227 रनों की साझेदारी की है। रोहित और कोहली के बीच इस दौरान 19 बार शतकीय और 18 बार ही 50+ रनों की साझेदारी हुई है।

युवराज के 6 छक्कों पर फ्लिंटॉफ का कबूलनामा

कहा- 2007 में मैंने लाइन क्रॉस की थी, युवी ने गुस्सा स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने आखिरकार 18 साल बाद मान लिया कि 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने युवराज सिंह के साथ हुई बहस में हद पार कर दी थी। फ्लिंटॉफ ने खुलासा किया कि उस दिन उनका गुस्सा ही युवराज के अंदर की आग बन गया, जिसने क्रिकेट इतिहास का सबसे यादगार पल दे दिया- एक ओवर में छह छक्के।

युवराज और फ्लिंटॉफ में तीखी बहस हुई थी - साउथ अफ्रीका में खेले गए 2007 टी20 वर्ल्ड कप के उस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर तक 171 रन बनाए थे। 19वें ओवर से पहले युवराज और फ्लिंटॉफ के बीच तीखी बहस हुई। दोनों ने एकदूसरे से कुछ कड़े शब्द बोले। इसके बाद गुस्से में आए युवराज ने इंग्लिश गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़ दिए। भारत ने 20 ओवर में 218/4 रन बनाए और 18 रन से मैच जीत लिया। बाद में यही टीम वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन भी बनी।

फ्लिंटॉफ बोले- मैंने पहली बार लाइन क्रॉस की - पॉडकास्ट पर बात करते हुए फ्लिंटॉफ ने उस रात की कहानी साझा की। उन्होंने कहा- युवराज और मैं हमेशा मजाक-मजाक में भिड़ते रहते थे। उस दिन मेरा टखना खराब था, मुझे लगा वो मेरा आखिरी मैच है। मैं बहुत गुस्से में था और मैंने युवराज से बहस में लाइन क्रॉस कर दी।

भारतीय महिला बेसबॉल टीम चीन रवाना

इनमें पंजाब की 5 बेटियां, अमृतसर की मनवीर कौर उपकप्तान, एशिया कम में लेंगी हिस्सा

लुधियाना (एजेंसी)। चीन के हांग्जो में महिला बेसबॉल एशिया कप के लिए भारतीय टीम रवाना हो गई। इंडियन बेसबॉल टीम में पंजाब की पांच लड़कियों को जगह मिली है। यही नहीं पंजाब के अमृतसर की मनवीर कौर को टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी भी मिली है। भारतीय महिला बेसबॉल टीम अक्टूबर से 2 नंवबर तक चीन में अलग-अलग देशों के साथ अपने मैच खेलेगी।

भारतीय महिला बेसबॉल की एशिया कप के लिए लुधियाना में भी कुछ देर कैंप किया। पंजाब बेसबॉल टीम के कोच व पंजाब बेसबॉल एसोसिएशन के महासचिव हरबीर सिंह गिल ने बताया कि एशिया कप के लिए 20 खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ है, उसमें से पांच पंजाब की हैं। उन्होंने बताया कि महिला टीम का दल लुधियाना में प्रैक्टिस करने के बाद चीन के लिए रवाना हुआ।

एशिया कप ट्रॉफी दुबई से अबू धाबी पहुंची

बीसीसीआई अधिकारी एसीसी मुख्यालय गए तो पता चला; स्टाफ बोला- ट्रॉफी मोहसिन नकवी के पास

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप ट्रॉफी को एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के हेडक्वार्टर दुबई से अबू धाबी ले जाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में बीसीसीआई के एक अधिकारी के एसीसी मुख्यालय जाने पर पता चला कि ट्रॉफी अब वहां नहीं है। जब अधिकारी ने इसका पता पूछा, तो स्टाफ ने बताया कि ट्रॉफी अब मोहसिन नकवी के पास अबू-धाबी में है। इससे पहले 21 अक्टूबर को बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में उठाया जाएगा। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। बाद में, एसीसी चीफ मोहसिन नकवी ने ई-मेल का जवाब देते हुए कहा कि एशिया कप ट्रॉफी ऑफिस आकर ही मिलेगी। बीसीसीआई मेल भेजकर राजनीति कर रहा है। ट्रॉफी एसीसी के ऑफिस में ही रखी हुई है।

भारत ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था - भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं।

सरफराज के समर्थन में उतरे शार्दुल, बोले- घरेलू क्रिकेट से राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर सरफराज खान के समर्थन में उतरे हैं जिन्हें पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है। शार्दुल का कहना है कि सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए भारत ए दौरा खेलने की जरूरत नहीं है। शार्दुल ने भरोसा जताया कि यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है।

भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में डेब्यू करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की सीरीज के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था।

भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ने कहा, आजकल भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं।

मुंबई के रणजी सत्र के शुरुआती मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा, वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगरकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना विवादास्पद नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बना रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की योजना में फिट नहीं बैठ रहे? न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिनर की अनुकूल पिच पर सरफराज की लगातार चार असफलताएं उनके बाहर होने का कारण बनीं। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम में नंबर एक, दो और चार अब तय हो चुके हैं और नंबर पांच से आठ ऑलराउंडर से संबंधित हैं, ऐसे में एकमात्र स्थान नंबर तीन बचा है और शायद मुंबई के इस साहसी बल्लेबाज को आत्मविश्वास से लबरेज होकर एक नया स्थान आजमाने की जरूरत है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

भखरुआ मोड़ के पास से बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन पर रोक लगाने को लेकर पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। इसी कड़ी में औरंगाबाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दाउदनगर थाना क्षेत्र के भखरुआ मोड़ के पास छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अवैध रूप से बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वाहन चालक बालू लदे ट्रैक्टर को देखकर मौके से फरार हो गया। जब्त वाहन को थाना परिसर में लाया गया है। मामले की जांच की जा रही है और अवैध खनन में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

छठ पर्व में अंबा बाजार में जाम से लोगों की परेशानियां बढ़ीं

अंबा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। अंबा। छठ व्रत के मौके पर अंबा बाजार की रौनक के बीच लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई हैं। खरीदारी के चलते बाजार में भारी भीड़ जमा हो गई है, वहीं सड़क किनारे अस्थायी दुकानों के कारण मार्ग संकरा हो गया है। नवीनगर रोड पर तो कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। बाजार में जाम की स्थिति ने स्थानीय लोगों और वाहन चालकों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पैदल चलने वाले भी अपने रास्ते में बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

कोना गांव में महिला से मारपीट

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज प्रखंड के कोना गांव में एक दलित महिला से मारपीट के मामले में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़िता इंदू देवी को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में कोना गांव निवासी अनुज सिंह और विनोद सिंह पर मारपीट का आरोप है। इंदू देवी ने अपनी शिकायत में बताया कि वह खेत में भिंडी रोप रही थीं। इसी दौरान उनकी बकरी खेत की मेड़ पर चरने लगी। आरोप है कि अनुज सिंह और विनोद सिंह वहां पहुंचे और जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में इंदू देवी की पसली और हाथ में गंभीर चोटें आईं। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने उन्हें बचाया।

देव सूर्य मंदिर में छठ व्रतियों की भारी भीड़
10 लाख श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

छठ महापर्व के पहले दिन औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। नहाय-खाय के शुभ अवसर पर सुबह से ही दूर-दराज इलाकों से हजारों व्रती सूर्य कुंड में स्नान कर मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। आठवीं सदी में निर्मित देव का ऐतिहासिक देवार्क सूर्य मंदिर इन चार दिनों तक आस्था का केंद्र बना रहेगा। सूर्य नगरी देव इन दिनों पूर्णतः भक्तिरस में डूबी हुई है। श्रद्धालु जीवन में सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना के साथ छठ पर्व के अनुष्ठान में जुटे हैं। प्रशासनिक अनुमान के अनुसार इस बार करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के देव सूर्य मंदिर पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरी व्यवस्था दुरुस्त कर ली है। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि देव छठ मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को मेले का विधिवत उद्घाटन होगा और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सूर्य कुंड परिसर में 15 हजार गाड़ियों के लिए पार्किंग बनाई गई है। वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है और देव की ओर जाने वाली सड़कों पर 2 से 3 किलोमीटर पहले ड्रॉप गेट बनाए गए हैं।

श्रद्धालुओं के ठहराव के लिए 12 स्थानों पर टेंट लगाए गए हैं, जहां बिजली, पानी और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम तथा साफ-सफाई हेतु स्वच्छता कर्मियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। सूर्य कुंड से मंदिर परिसर तक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 200 से अधिक गृह रक्षकों के साथ-साथ पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी, सीआरपीएफ, एनसीसी और स्काउट-गाइड के सदस्य सुरक्षा व्यवस्था में जुटे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम तालाबों के पास तैनात है, जबकि फायर ब्रिगेड भी मौके पर मौजूद रहेगा।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम

श्रद्धालुओं को पार्किंग से सूर्य कुंड तक पहुंचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। कुछ बस और ऑटो निशुल्क सेवा भी देंगे। व्रती महिलाएं ठेकुआ और प्रसाद बनाने की तैयारी में जुटी हैं। गेहूं को पवित्र जल में धोकर सुखाया जा रहा है। बाजारों में बांस के सूप, दउरा और पूजन सामग्री की खरीदारी चरम पर है। पंडित राजेश पाठक ने बताया कि नहाय-खाय के बाद अगले दिन खरना का व्रत रखा जाएगा, जिसमें गुड़ से बनी खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और सूर्य अर्घ्य के साथ व्रत का समापन करते हैं।

नहाय–खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व

व्रतियों ने पूरी शुद्धता के साथ बनाया कद्दू-भात का प्रसाद

- सोमवार से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होगा।
- मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय महापर्व का समापन।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान शनिवार से नहाय–खाय के साथ शुरू हो गया। जिले के सभी छठ घाटों और मंदिरों में श्रद्धालु सुबह से ही स्नान और ध्यान के साथ व्रत के नियमों का पालन करते हुए भगवान सूर्य की आराधना में जुट गए। छठव्रतियों ने कद्दू की सब्जी, चावल और चने की दाल का प्रसाद पूरी शुद्धता के साथ तैयार किया। प्रशासन ने सभी घाटों और मंदिरों पर पूजा एवं व्रत की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। सुरक्षा, साफ-सफाई और रंग-रोगन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। सुरक्षा के मद्देनजर घाटों पर पुलिस बल भी तैनात किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

छठ महापर्व में भगवान सूर्य की बहन, छठी मैया की पूजा की जाती है। छठ व्रती उनकी आराधना कर अपनी मन्नतें पूरी करने का प्रयास करते हैं। यह पर्व संतान सुख, परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना के लिए बड़े श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता है। व्रतियों के अनुसार, खरना के दिन शुद्ध मन से प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है, जो इस पर्व की निष्ठा और सादगी का प्रतीक है। जिले में इस अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का वातावरण पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है।

चार दिवसीय देव कार्तिक छठ मेला का हुआ उद्घाटन

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जिले के सूर्यनगरी देव में चार दिनों तक चलने वाला कार्तिक छठ मेला का विधिवत उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम बिहार गीत के गायन से किया गया। तत्पश्चात् जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन), सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं फीता काटकर देव कार्तिक मेला–2025 का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया। संबोधन के दौरान जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि देव छठ मेला न केवल औरंगाबाद जिले का बल्कि पूरे बिहार राज्य का गौरव है। यह मेला आस्था, श्रद्धा एवं सामाजिक एकता का प्रतीक है, जहाँ देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु देव सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर की उपासना करने एवं छठ व्रत संपादन हेतु पधारते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी विभागों के समन्वय से मेला क्षेत्र में आवासन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, शौचालय, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिविरों की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल, दंडाधिकारी, अग्निशमन दल, एनडीआरएफ की टीम तथा चिकित्सा कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को "सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुगम देव मेला" का अनुभव प्राप्त हो। इसके लिए स्थानीय लोगों, समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से भी सहयोग की अपील की गई है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि देव सूर्य नगरी की पहचान सूर्योपासना की प्राचीन परंपरा से जुड़ी है और हम सभी का कर्तव्य है कि इस सांस्कृतिक धरोहर को सहेजते हुए श्रद्धालुओं का स्वागत प्रेम एवं अनुशासन के साथ करें। उन्होंने अंत में सभी पदाधिकारियों, नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से मेला को सफल, शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उद्घाटन समारोह के उपरांत जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा सूर्यकुंड तालाब पर आयोजित दिव्य सूर्य महाआरती सह गंगा आरती भास्कर में भाग लेकर ससम्मान आरती में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) उपेन्द्र पंडित, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रत्ना प्रियदर्शनी, जिला आपदा प्रभारी अंतरा कुमारी, अंचलाधिकारी देव, मंदिर न्यास समिति के सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व प्रसिद्ध देव कार्तिक छठ मेला में सेवा देने आए 525 स्काउट गाइड

निज संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थ स्थल देव में चार दिवसीय कार्तिक छठ मेले की शुरूआत के साथ ही 525 स्काउट-गाइड सेवा देने के लिए पहुंच गए हैं। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के औरंगाबाद जिला संगठन आयुक्त श्रीनिवास कुमार के नेतृत्व में आए स्काउट-गाइड मेला क्षेत्र में व्रतियों की सहायता और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। जिला संगठन आयुक्त श्रीनिवास कुमार ने बताया कि सभी स्काउट-गाइड की तैनाती मेला क्षेत्र में अलग-अलग जिम्मेदारियों के लिए की गई है। इनमें प्रमुख रूप से रास्ता नियंत्रण, मंदिर परिसर और प्रांगण में व्यवस्था बनाए रखना, गर्भ गृह में सहायता देना, भूले-भटके लोगों को सही स्थान तक पहुंचाना और व्रतियों को चोर-पॉकेटमार जैसी समस्याओं से बचाना शामिल है।

मेला ड्यूटी को सफल बनाने में स्काउट-गाइड्स के सहयोगियों में शुभम कुमार, लव कुमार, दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शत्रुंजय कुमार, अमन कुमार, राहुल कुमार, शिल्पा कुमारी, खुशी कुमारी, स्मृति कुमारी, अंशु कुमारी, आयुष कुमार, अभय कुमार और प्रियंका कुमारी आदि शामिल हैं। सभी व्रतियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए यह टीम पूरे मेला क्षेत्र में चौकसी बरत रही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने व्यक्ति को कुचला, मौके पर मौत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ओरा गांव के समीप शनिवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे शख्स को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अरवल थानाक्षेत्र के शहर तेलपा निवासी 45 वर्षीय महेंद्र यादव के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार महेंद्र यादव अपने परिवार के साथ देव सूर्य मंदिर जा रहे थे, जहां वे छठ व्रत करने वाले थे। रास्ते में ओरा पुल के समीप उन्होंने गाड़ी रोककर लघु शंका के लिए सड़क पार किया। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आने से उनका संतुलन बिगड़ा और वे सड़क पर गिर गए। घटना के समय मौके पर मौजूद उनके बड़े पुत्र रंजीत यादव और अन्य लोग तुरंत उन्हें इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने पहुंचते ही महेंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया। सदर अस्पताल में शव को देखकर परिजन रो-रोकर बुरी तरह टूट गए। नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू की।

थाना इंचार्ज उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। मुफस्सिल थाना इंचार्ज अशोक कुमार ने कहा कि ट्रक और चालक का पता लगाया जा रहा है। परिजन बताते हैं कि महेंद्र यादव चार भाइयों में सबसे बड़े थे। माता-पिता ने परिवार की सलामती के लिए मन्नत मांगी थी और मन्नत पूरा होने पर पूरा परिवार छठ व्रत करने देव सूर्य मंदिर जा रहा था। इसी दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ।

एनडीए प्रत्याशी त्रिविक्रम नारायण सिंह के पक्ष में शहर के व्यवसायियों और नेताओं की बैठक

- भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव में पूरी सक्रियता से सहयोग का आश्वासन दिया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय सिंह कोठी पर औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार त्रिविक्रम नारायण सिंह के पक्ष में चुनावी बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के प्रमुख व्यवसायी, समाजसेवी और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने मिलकर भाजपा उम्मीदवार को अपार बहुमत से जीत दिलाने का संकल्प लिया। पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने बैठक में कहा कि औरंगाबाद जिले तथा विधानसभा क्षेत्र की सभी सीटों पर एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी निश्चित रूप से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में एकजुटता बनाए रखने और किसी भी प्रकार के बहकावे में न आने की अपील की। त्रिविक्रम नारायण सिंह ने भी उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि चुनावी लड़ाई में संगठन और समन्वय बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी से मिलकर पूरे जिले में अभियान को गति देने और मतदाताओं तक सही संदेश पहुँचाने का अनुरोध किया।

बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक पंकज वर्मा, श्याम किशोर प्रसाद, नेता अनिल गुप्ता, रमन गुप्ता, टीपू गुप्ता, संजय गुप्ता, वार्ड पार्षद छोटू चौधरी, अमित गुप्ता, दिलीप साव, राजकुमार लहरी, अप्पू लहरी, संतोष गुड्डू, बब्लू कुमार सहित अन्य प्रमुख व्यवसायी और एनडीए कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक में उपस्थित सभी ने भाजपा और एनडीए प्रत्याशी को समर्थन देने का संकल्प लिया और आश्वासन दिया कि वे पूरी ताकत से चुनावी अभियान में सहयोग करेंगे। यह बैठक आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की मजबूती और जिले में उसके प्रत्याशियों की जीत की तैयारी का प्रतीक मानी जा रही है।

देव सूर्य नगरी में सूर्यकुंड तालाब पर हुई भव्य सूर्य महाआरती सह गंगा आरती

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर देव सूर्य नगरी का वातावरण शनिवार की शाम भक्तिमय आलोक से जगमगा उठा। सूर्यकुंड तालाब पर आयोजित सूर्य महाआरती सह गंगा आरती में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। तालाब के चारों ओर दीपों की पंक्तियों से सजी शाम ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। सूर्य महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर ओर "जय छठी मइया" और "सूर्य भगवान की जय" के जयकारे गूंज रहे थे। आरती की मंत्रध्वनि और ढोल-नगाड़ों की ताल ने पूरे देव क्षेत्र को दिव्यता से भर दिया।

सूर्यकुंड के जल पर दीपों की लौ प्रतिबिंबित होकर ऐसी झिलमिलाहट फैला रही थी जिसने उपस्थित हर श्रद्धालु के मन को भावविभोर कर दिया। आरती का आयोजन स्थानीय प्रशासन और छठ पूजा समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, व्रती महिलाएं, स्वयंसेवक और अधिकारी मौजूद रहे। आरती के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर परिषद और पुलिस प्रशासन ने मिलकर पूरे परिसर की निगरानी की व्यवस्था की थी।

रफीगंज में 14 वर्ष के राजनीतिक वनवास के बाद प्रमोद सिंह करेंगे वापसी, जदयू प्रत्याशी ने तेज किया जनसंपर्क

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज के सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता प्रमोद सिंह का 14 वर्षों का राजनीतिक वनवास इस बार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में खत्म होने की उम्मीद है। एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार के रूप में प्रमोद सिंह दिन-रात मेहनत कर जनसंपर्क में जुटे हैं। मदनपुर के कमात स्थित अपने घर से सुबह ईष्टदेव की पूजा करके जनसंपर्क के लिए निकलने वाले प्रमोद सिंह, चुनाव प्रचार में देर रात तक सक्रिय रहते हैं। वे प्रतिदिन आधा दर्जन छोटी-बड़ी नुक्कड़ सभाओं और कार्यकर्ताओं की बैठकों को संबोधित करते हैं। इसके साथ ही वे करीब दो दर्जन गांवों में जाकर जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी उनकी मेहनत और जनसंपर्क को सराहा है। प्रमोद सिंह खुद को वोट का सही हकदार बताते हुए कहते हैं कि पिछले दो विधानसभा चुनावों में मिली हार के बावजूद वे जनता के बीच मौजूद रहे हैं। उन्होंने जनता के सुख-दुख में हिस्सा लिया और उनके लिए काम किया, जबकि पिछली बार चुनाव जीतने वाले विधायक जनता से दूर रहे। प्रमोद सिंह का मानना है कि इस बार जनता उनका समर्थन करके उन्हें वोट के रूप में 'मेहनताना' दे रही है। वे कहते हैं, 'रफीगंज की हर जनता मेरे लिए प्रमोद सिंह बनकर चुनाव लड़ रही है। इस बार हर प्रमोद चुनाव जीत रहा है।

प्रमोद सिंह का राजनीतिक सफर

प्रमोद सिंह ने 2015 में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में राजनीति में प्रवेश किया और रफीगंज से लोजपा उम्मीदवार के तौर पर अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। पहले चुनाव में वे दूसरे स्थान पर रहे। दूसरे चुनाव में उन्हें पार्टी द्वारा टिकट नहीं मिलने की वजह से निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ना पड़ा, लेकिन इस बार भी उन्होंने 50,000 से अधिक मत हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहे। लगातार दो चुनावों में दूसरे स्थान पर रहने और उनके कारण सत्ताधारी गठबंधन के प्रत्याशी की लगातार दो बार हुई हार के कारण जदयू ने उन्हें इस बार एनडीए समर्थित उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा। प्रमोद सिंह के जदयू उम्मीदवार के रूप में आने से रफीगंज की राजनीतिक स्थिति में बदलाव दिखाई दे रहा है। वे इस बार अपनी जीत की पूरी उम्मीद जताते हैं। हालांकि अंतिम निर्णय चुनाव परिणाम ही बताएंगे, लेकिन प्रचार में प्रमोद सिंह की मेहनत और जनता से उनका सीधा संवाद उन्हें मजबूती प्रदान कर रहा है।

अपहरण कांड में संलिप्त तीन अभियुक्त गिरफ्तार

औरंगाबाद(नवीनगर)(नि.सं.)। पुलिस ने अपहरण के गंभीर कांड में संलिप्त तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान अभी तक पुलिस ने नहीं बताई है। जानकारी के अनुसार, कार्रवाई नवीनगर थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस ने बताया कि तीनों अभियुक्तों को ग्राम दक्षिणी गोगो से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस ने कहा कि अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है और उनके अन्य आपराधिक कृत्यों के संबंध में भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि कार्रवाई अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार की जा रही है। जनता को सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति आश्वस्त करने के लिए पुलिस की कार्रवाई सक्रिय और निरंतर जारी रहेगी।

27-28 अक्टूबर को राजकीय सत्यचंडी धाम महोत्सव, डीएम श्रीकांत शास्त्री करेंगे उद्घाटन

- दूसरे दिन सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन और विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।
- राजकीय दर्जा मिलने के बाद यह पहला अवसर है जब इतने बड़े स्तर पर आयोजन हो रहा है।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल एवं शक्तिपीठ सत्यचंडी धाम रायपुरा में 27 और 28 अक्टूबर को दो दिवसीय राजकीय सत्यचंडी धाम महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्घाटन औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री करेंगे। महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन और कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सत्यचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह और अध्यक्ष अमरेश सिंह ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन सत्यचंडी माता की महिमा और गरिमा पर विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ अन्य जिलों से आए कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव के दूसरे दिन सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन और विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजकीय दर्जा मिलने के बाद यह पहला अवसर है जब जिला प्रशासन और कला-संस्कृति विभाग के सहयोग से इतने बड़े पैमाने पर इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

सत्यचंडी धाम, औरंगाबाद का प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्ता के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल पुण्यदायिनी बटाने नदी के संगम तट पर स्थित है। छठ महापर्व के अवसर पर यहां हजारों श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए आते हैं। इस वर्ष भी 27 और 28 अक्टूबर को हजारों व्रती यहां पहुंचेंगे। महोत्सव की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और स्थानीय समिति के सदस्य पूरी तत्परता से जुटे हैं। आयोजन को सफल बनाने में जगदीश सिंह, पिंटू सिंह, पिंटू राज, गौतम सिंह, राहुल कुमार सिंह, लल्लू सिंह, सौरव कुमार सिंह और सुरेंद्र सिंह सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस महोत्सव के माध्यम से न केवल धार्मिक आस्था को बल मिलेगा, बल्कि यह स्थल पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी सशक्त पहचान दर्ज करा सकेगा।